

ए सुघर संदेस ह लूका के दुवारा लखि  
गे हवय। लूका ह आनजात के मनखे  
रहिसि याने की ओह यहूदी जाति म के  
नई रहिसि। ओह एक डाक्टर रहिसि अऊ  
पौलुस प्रेरति के संगवारी घलो रहिसि।  
ओह पौलुस के संग सेवा म घलो गे रहिसि  
(प्रेरतिमन के काम 16:10-17; 20:5-  
21:17)। लूका ह प्रेरतिमन के काम के  
कताब ला घलो लखि हवय। ओह दूनों  
कताब ला थ्युफिलुस नांव के मनखे बर  
लखि हवय। लूका ह चाहत रहिसि की  
थ्युफिलुस ह यीसू के बारे म अऊ सही-  
सही जानय। ओह ए घलो चाहत रहिसि  
की मनखेमन जम्मो जगह, खास करके  
आनजातमन जानय की यीसू ह कोन रहिसि।  
लूका के सुघर संदेस ह बताथे की मनखेमन  
ला ओमन के पाप ले बचाय बर यीसू ह  
का कहिसि अऊ का करिसि। लूका ह यीसू  
ला उद्धार करइया के रूप म बखान करथे,  
जऊन ह भटके मनखेमन ला खोजे बर अऊ  
ओमन के उद्धार करे बर आईस। ए सुघर  
संदेस ह यीसू के जनमे के पहिली के बात ले  
लेके ओकर वापसि स्वरग जाय के जम्मो  
बात ला बताथे। लूका ह ए बात ला साफ-  
साफ बताथे की सुघर संदेस ह आनजात,  
पापी, गरीब अऊ आने मन बर घलो अय।  
यीसू के बारे म सुघर संदेस ह सरिपि  
यहूदीमन बर ही नई, पर जम्मो मनखेमन  
बर अय। यीसू ह ओ जम्मो मनखेमन के  
उद्धार करे बर आईस, जऊन मन ओकर  
ऊपर बसिवास करथें। दूसर सुघर संदेस के  
लखिइयामन घलो ए बात ऊपर बसिवास  
करथें, पर लूका ह ए बात ऊपर जादा जोर  
देथे।

ए सुघर संदेस ला खाल्हे लखि भाग म बाटे  
जा सकथे।

परचिय 1:1-4

यूहन्ना बतसिमा देवइया अऊ यीसू के

जनम अऊ बचपन 1:5-2:52

यूहन्ना बतसिमा देवइया के सेवा 3:1-20

यीसू के बतसिमा अऊ सैतान के दुवारा

ओकर परछा 3:21-4:13

गलील प्रदेश म यीसू के सेवा 4:14-9:50

यीसू के गलील प्रदेश ले यरूसलेम सहर

जवई 9:51-19:27

यरूसलेम सहर म यीसू के आखिरी हप्ता

19:28-23:56

यीसू के मरे म ले जी उठई, मनखेमन ला

ओकर दरसन अऊ स्वरग जवई 24

**1** मयारू थ्युफिलुस! बहुत झन ओ घटना  
के बारे म लखि बर मदद करे हवय  
जऊन ह हमर बीच म घटे हवय। **2**ओमन सुरू  
ले ए घटनामन ला अपन आंखी ले देखे रहिन  
अऊ ओमन परमेसर के बचन के सेवक  
रहिन। ओमन ए घटनामन ला लखिके हमन  
ला सऊं देन। **3**एकरसेति, मेंह खुद सुरू  
ले हर एक बात ला ध्यान से जांच परताल  
करैव अऊ मोला ए बने लगसि की मेंह लाइन  
से ए बातमन ला तोर बर घलो लखिंव,  
**4**तार्का तेंह ओ बातमन के सचचई ला जान  
सकस जेकर सकिछा तोला मलि हवय।

**यूहन्ना बतसिमा देवइया के जनम के बारे म  
अगमबानी**

**5**यहूदिया प्रदेश के राजा हेरोदेस के समय  
म एक पुरोहित रहिसि, जेकर नांव जकरयाह  
रहिसि; ओह अबियाह के पुरोहिती दल के  
रहिसि; ओकर घरवाली घलो हारून के बंस  
के रहिसि जेकर नांव इलीसबा रहिसि। **6**ओ  
दूनों झन परमेसर के नजर म धरमी रहिन,  
अऊ ओमन परभू के जम्मो हुकूम अऊ  
नयिम मन ला साफ मन ले मानत रहिन।  
**7**पर ओमन के कोनो लइका नई रहिसि,  
काबरका इलीसबा ह बांझ रहिसि अऊ ओ  
दूनों डोकरा-डोकरी हो गे रहिन।

**8**एक बार जब जकरयाह ह अपन दल के  
पारी म परमेसर के आघू म पुरोहित के काम  
करत रहिसि। **9**तब पुरोहितमन के रीति के  
मुताबकि चिट्ठी नकिरे गीस अऊ चिट्ठी  
ह ओकर नांव म नकिरसि की ओह परभू के  
मंदिर म जाके धूप जलावय। **10**अऊ धूप

जलाय के समय म, मनखेमन के जम्मो भीड़ ह बाहरि म पराथना करत रहय।

11तब उहां परभू के एक स्वरगदूत ह ओकर करा परगट होईस अऊ ओ स्वरगदूत ह धूप के बेदी के जेवनी कोर्ता ठाढ़े रहय।

12जकरयाह ह ओला देखके घबरा गीस अऊ ओह डर्रा गीस। 13पर स्वरगदूत ह ओला कहसि, “हे जकरयाह, झन डर! तोर पराथना ह सुने गे हवय। तोर घरवाली इलीसबिा तोर बर एक बेटा जनमही, अऊ तें ओकर नांव यूहन्ना रखबे। 14अऊ तोला आनंद अऊ खुसी होही, अऊ बहुंत झन ओकर जनम के खातिर आनंद मनाहीं, 15काबरकी ओह परभू के नजर म एक महान मनखे होही। ओह अंगूर के मंद या आने किसिम के मंद कभू नई पीही, अऊ ओह अपन दाई के पेट ले ही पबतिर आतमा ले भरे होही। 16इसरायली मनखेमन ले बहुते झन ला, ओह ओमन के परभू परमेसर करा लहुंटाके लानही। 17अऊ ओह अगमजानी एलियाह के आतमा अऊ सामरथ म, परभू के आघू-आघू चलही ताकी ओह ददामन के हरिदय ला ओमन के लइकामन कोर्ता करय अऊ हुकूम नई मनइयामन ला धरमी जन के बुद्धि कोर्ता करय, अऊ ए किसिम ले ओह परभू खातिर एक काबलि परजा तयार करय।”

18जकरयाह ह स्वरगदूत ले पुछसि, “मेंह एला कइसने मान लेवंव? काबरकी मेंह एक डोकरा मनखे अंव अऊ मोर घरवाली ह घलो डोकरी हो गे हवय।”

19स्वरगदूत ह ओला जबाब दीस, “मेंह जबिर्आईल अंव, अऊ मेंह परमेसर के आघू म ठाढ़े रहथिंव। मोला एकर बर पठोय गे हवय की मेंह तोर ले गोठियावंव अऊ तोला ए सुघर सदेस सुनावंव। 20देख! जब तक ए बात पूरा नई हो जाही, तब तक तेंह कोदा रहबि, अऊ गोठियाय नई सकबे; काबरकी तेंह मोर बात ला बसिवास नई करय, जऊन ह अपन सही समय म पूरा होही।”

21अऊ मनखेमन जकरयाह के बाट जोहत रहंय अऊ अचम्भो करत रहंय की ओह काबर अतेक बेर तक मंदिर म रूके हवय।

22जब ओह बाहरि आईस, त ओमन ले गोठियाय नई सकसि। तब ओमन समझ गीन की ओह मंदिर म कोनो दरसन देखे हवय, काबरकी ओह ओमन ला इसारा करत रहय, पर गोठियाय नई सकय।

23जब ओकर सेवा के समय ह पूरा हो गीस, त ओह अपन घर वापसि चल दीस।

24एकर बाद ओकर घरवाली इलीसबिा ह देहें म होईस, अऊ ओह पांच महिना तक अपन-आप ला मनखेमन ले छपियाय रखसि।

25ओह कहसि, “परभू ह मोर बर ए करे हवय। ए दिन म, ओह अपन दया देखाके मनखेमन के बीच ले मोर कलंक ला दूर करे हवय।”

### यीसू के जनम के अगमबानी

26इलीसबिा के देहें म रहे के छठवां महिना म, परमेसर ह जबिर्आईल स्वरगदूत ला गलील प्रदेस के नासरत सहर म एक कुवारी टूरी करा पठोईस। 27ओ टूरी के मंगनी यूसुफ नांव के एक मनखे संग होय रहिसि, जऊन ह दाऊद राजा के बंस के रहिसि। ओ कुवारी के नांव मरयिम रहिसि। 28स्वरगदूत ह ओकर करा आके ओला कहसि, “जोहार लागी! तोर ऊपर बहुंत करिपा होय हवय। परभू ह तोर संग हवय।”

29मरयिम ह स्वरगदूत के बात ले बहुंत घबरा गीस अऊ सोचे लगसि की ओकर बात के का मतलब हो सकथे। 30पर स्वरगदूत ह ओला कहसि, “हे मरयिम, झन डर्रा! काबरकी परमेसर के दया तोर ऊपर होय हवय। 31देख, तेंह देहें म होबे अऊ एक बेटा ला जनम देबे, अऊ तेंह ओकर नांव यीसू रखबे। 32ओह महान होही अऊ परम परधान परमेसर के बेटा कहाही। परभू परमेसर ह ओला ओकर पुरखा दाऊद राजा के सधिसन दीही, 33अऊ ओह याकूब के बंस ऊपर सदाकाल तक राज करही; ओकर राज के अंत कभू नई होही।”

34मरयिम ह स्वरगदूत ले पुछसि, “मेंह तो एक कुवारी टूरी अंव। एह कइसने हो सकथे?”

35स्वरगदूत ह जबाब दीस, “पबतिर आतमा ह तोर ऊपर उतरही, अऊ परम परधान परमेसर के सकृतिह तोर ऊपर छइहां करही। एकरसेति ओ पबतिर जन जऊन ह जनमही, ओह परमेसर के बेटा कहाही। 36अऊ त अऊ तोर रसितेदार इलीसबा के ओकर बुढ़त काल म एक लइका होवइया हवय, ओला ठडुगी कहे जावत रहिसि; छठवां महिना हो गे, ओह देहें म हवय। 37काबरका परमेसर बर कोनो काम असंभव नो हय।”

38मरयिम ह कहसि, “देख, मेंह परभू के दासी अंव। तोर कहे मुताबकि होवय।” तब स्वरगदूत ह ओकर करा ले चले गीस।

### मरयिम ह इलीसबा ले भेंट करे जाये

39कुछू समय के बाद, मरयिम ह तयार होईस अऊ जल्दी-जल्दी यहूदा प्रदेश के पहाड़ी इलाका के एक सहर म गीस, 40अऊ ओह उहां जकरयाह के घर म जाके इलीसबा ला जोहार करसि। 41जब इलीसबा ह मरयिम के जोहार ला सुनसि, त लइका ह ओकर पेट म उछल पड़सि, अऊ इलीसबा ह पबतिर आतमा ले भर गीस, 42अऊ ओह चचियिके कहसि, “माईलोगन म तेंह धइन (आससिति) अस, अऊ तोर पेट के लइका ह धइन ए! 43पर अतेक जादा करिपा मोर ऊपर काबर होईस की मोर परभू के दाई ह मोर करा आईस? 44जइसने मेंह तोर जोहार के सबद ला सुनेंव, लइका ह मोर पेट म आनंद के मारे उछल पड़सि। 45धइन अस तेंह, काबरका तेंह बसिवास करय की जऊन कुछू परभू ह तोला कहे हवय, ओह पूरा होही।”

### मरयिम के इसतुता के गीत

46तब मरयिम ह कहसि:

“मोर मन ह परभू के बड़ई करत हवय;

47 अऊ मोर आतमा ह मोर उद्धार करइया परमेसर म आनंद मनावत हवय,

48काबरका ओह अपन दासी के दीन-हीन दसा ऊपर धयान दे हवय।

अब ले जम्मो पीढ़ी के मनखेमन मोला धइन कहहीं,

49 काबरका सामरथी परमेसर ह मोर बर बड़े-बड़े काम करे हवय— ओकर नांव पबतिर ए।

50ओकर दया ओमन ऊपर, जऊन मन ओकर भय मानथें, पीढ़ी-पीढ़ी तक बने रहथि।

51ओह अपन हांथ ले बड़े-बड़े काम करे हवय;

ओह ओमन ला ततिरि-बतिरि कर दे हवय, जऊन मन अपन मन म घमंड करथें।

52ओह सकृतिसाली राजामन ला ओमन के सिधासन ले उतार दे हवय, पर दीन-हीन मन ला ऊपर उठाय हवय।

53ओह भुखहा मनखेमन ला सुघर चीज ले भर दे हवय, पर धनवानमन ला जुछा हांथ नकारि दे हवय।

54अपन दया ला सुरता करके, ओह अपन सेवक इसरायल के मदद करे हवय,

55जइसने ओह हमर पुरखामन ले कहे रहिसि की ओह अब्राहम अऊ ओकर बंस ऊपर सदा-काल तक दया करही।”

56मरयिम ह इलीसबा के संग करीब तीन महिना रहिसि अऊ तब अपन घर वापसि चल दीस।

### यूहन्ना बतसिमा देवइया के जनम

57इलीसबा के लइका जनमे के समय होईस अऊ ओह एक बेटा ला जनम दीस।

58जब ओकर पड़ोसी अऊ रसितेदार मन सुननि की परभू ह ओकर ऊपर बड़े दया करे हवय, त ओमन ओकर संग आनंद मनाईन।

59आठवां दिन म, ओमन लइका के खतना करे बर आईन अऊ ओमन ओकर

नांव ओकर ददा के नांव जकरयाह रखे बर चाहत रहिन, 60पर ओकर दाई ह कहसि, “नई! ओकर नांव यूहन्ना होही।”

61ओमन ओला कहनि, “पर तोर रसितेदारमन म काकरो ए नांव नई ए।”

62तब ओमन लइका के ददा ले इसारा करके पुछनि की ओह लइका के का नांव रखे चाहथे। 63ओह लिखे के एक सलिट लाने बर कहसि अऊ ओम लिखिसि, “एकर नांव यूहन्ना ए।” एला देखके ओ जम्मो झन अचम्भो करनि। 64अऊ तुरते जकरयाह के मुहू ह खुल गे अऊ ओह गोठियाय अऊ परमेसर के इस्तुति करे लगसि। 65जम्मो पड़ोसीमन ऊपर डर हमा गे अऊ ए जम्मो बात यहूदिया प्रदेश के जम्मो पहाड़ी इलाका म फइल गीस। 66अऊ ए बात के जम्मो सुनइयामन अपन-अपन मन म सोचनि अऊ कहनि, “ए लइका ह का बनही?” काबरकी परभू के हांथ ओकर संग रहय।

### जकरयाह के गीत

67यूहन्ना के ददा जकरयाह ह पबतिर आतमा ले भर गीस अऊ ए कहके अगमबानी करसि:

68“इसरायल के परभू परमेसर के इस्तुति होवय,

काबरकी ओह आय हवय अऊ अपन मनखेमन के उद्धार करे हवय।

69ओह अपन सेवक दाऊद के बंस म हमर बर एक

सामरथी उद्धार करइया दे हवय,

70(जइसने ओह अपन पबतिर

अगमजानीमन के दुवारा बहुंत पहिली ले कहत आय हवय),

71की ओह हमर बईरीमन ले अऊ जऊन मन हमन ले घनि करथें, ओमन ले हमन ला बचाही।

72ओह हमर पुरखामन ऊपर दया करही अऊ अपन पबतिर करार ला सुरता करही।

73 ओह करिया खाके हमर पुरखा अब्राहम ले कहे रहिसि:

74की ओह हमन ला हमर बईरीमन के हांथ ले बचाही,

75ताकहिमन नडिर होके जनिगी भर पबतिर अऊ धरमी बनके ओकर आघू म ओकर सेवा कर सकन।

76अऊ ए मोर लइका! तेंह परम परधान परमेसर के अगमजानी कहाबे, काबरकी तेंह परभू के रसता तयार करे बर ओकर आघू-आघू जाबे,

77अऊ ओकर मनखेमन ला तेंह बताबे की ओमन के पाप छेमा होय के दुवारा ओमन के उद्धार होही।

78एह हमर परमेसर के बड़े दया के कारन होही,

जब स्वर्ग ले बहिनियां के अंजोर हमर करा आही,

79अऊ ओमन ऊपर चमकही जऊन मन अंधियार अऊ मरितू के छइहां म रहत हवय,

अऊ हमर गोड़ ला सांता के रसता म ले चलही।”

80अऊ ओ लइका ह बहुत अऊ आतमा म मजबूत होवत गीस अऊ ओह तब तक नरिजन ठऊर म रहिसि, जब तक ओह इसरायली मनखेमन के आघू म खुले-आम नई आईस।

### यीसू के जनम

(मत्ती 1:18-25)

2 ओ समय म महाराजा अगस्तुस ए हुकूम नकारिसि की जम्मो रोमन राज म जनसंख्या के गनती करे जावय। 2(जब ए पहिली जनसंख्या के गनती होईस, त ओ समय क्वारिनियुस ह सीरिया के राजपाल रहिसि)। 3अऊ जम्मो मनखेमन नांव लिखवाय बर अपन-अपन सहर या गांव म गीन।

4यूसुफ ह घलो गलील प्रदेश के नासरत सहर ले यहूदिया प्रदेश म दाऊद के गांव बैतलहम गीस, काबरकी ओह दाऊद के परिवार अऊ बंस के रहिसि। 5ओह उहां मरियम के संग नांव लिखवाय बर गीस,

जेकर संग ओकर बहिव तय हो गे रहिसि। मरयिम ह ओ समय देहें म रहय। 6जब ओमन उहां रहिन, त मरयिम के लइका जने के समय होईस। 7ओह अपन पहिलांत बेटा ला जनम दीस अऊ ओला कपड़ा म लपेटके कोटना म रखसि, काबरका उहां ओमन बर धरमसाला म जगह नई रहिसि।

### चरवाहा अऊ स्वर्गदूत मन

8उहां लकठा के मैदान म, कुछ चरवाहामन रतहिा अपन भेड़ के झुंड के रखवारी करत रह्यं। 9तब परभू के एक स्वर्गदूत ह ओमन करा परगट होईस, अऊ परभू के महिमा के तेज ओमन के चारों कोर्ता चमकसि, अऊ ओमन डर्रा गीन। 10पर स्वर्गदूत ह ओमन ला कहसि, “झन डर्रावव! मेंह तुम्हर बर बड़े आनंद के सुघर संदेस लाने हवंव, जऊन ह जम्मो मनखेमन बर होही। 11आज राजा दाऊद के सहर म तुम्हर बर एक उद्धार करइया जनमे हवय; अऊ ओहीच ह मसीह परभू अय। 12अऊ तुम्हर बर एकर ए चन्हां होही की तुमन एक लइका ला कपड़ा म लपटाय अऊ कोटना म सुते पाहू।”

13तब अचानक ओ स्वर्गदूत के संग स्वर्गदूतमन के एक बड़े दल परगट होईस अऊ ओमन परमेसर के महिमा करत ए कहत रह्यं,

14“सबले ऊंच स्वर्ग म परमेसर के महिमा अऊ धरती म ओ मनखेमन ऊपर सांती होवय,  
जऊन मन ले ओह खुस हवय।”

15जब स्वर्गदूतमन ओमन करा ले स्वर्ग चले गीन, त चरवाहामन एक-दूसर ला कहनि, “आवव, हमन बैतलहम जाके ए बात ला देखी, जेकर बारे म परभू ह हमन ला बताय हवय।”

16एकरसेर्ता ओमन झटपट गीन, अऊ मरयिम अऊ यूसुफ ला अऊ ओ लइका ला देखनि, जऊन ह कोटना म सुते रहय। 17ओला देखे के बाद, चरवाहामन बताय लगनि की ओ लइका के बारे म ओमन ला का कहे गे रहिसि; 18अऊ जम्मो मनखे

चरवाहामन के बात ला सुनके अचम्भो करन लगनि। 19पर मरयिम ह ए जम्मो बात ला सोचत, एला अपन मन म रखसि। 20जइसने चरवाहामन ला बताय गे रहिसि, वइसनेच ओमन सुनिन अऊ देखनि अऊ परमेसर के महिमा अऊ बड़ई करत लहुंट गीन।

### मंदिर म यीसू के अरपन

21आठवां दिन म, जब लइका के खतना करे के समय आईस, त ओकर नांव “यीसू” रखे गीस। ए नांव ला स्वर्गदूत ह ओकर पेट म आय के पहिली ले देय रहिसि।

22जब मूसा के कानून के मुताबकि ओमन के सुध होय के समय पूरा होईस, त यूसुफ अऊ मरयिम लइका ला परभू ला अरपन करे बर यरूसलेम सहर ले गीन। 23(जइसने परभू के कानून म लिखे हवय, “हर एक पहिलांत बेटा परभू बर पबतिर करे जावय”), 24अऊ परभू के कानून के मुताबकि पंडकी के एक जोड़ा या दू ठन परेवा पीला ला बलदान करे जावय।

25यरूसलेम म समीन नांव के एक मनखे रहय। ओह धरमी अऊ परमेसर के भक्त रहय। ओह इसरायलीमन बर सांती के बाट जोहत रहय अऊ पबतिर आतमा ओकर संग रहय। 26पबतिर आतमा के दुवारा ओला ए बताय गे रहय की जब तक ओह परभू के मसीह ला देख नई लही, तब तक ओह नई मरही। 27ओहीच दिन पबतिर आतमा के अगुवाई ले, ओह मंदिर म गीस। जब दाई-ददा लइका यीसू ला भीतर लाईन की ओकर बर कानून के मुताबकि रीत-रिवाज ला पूरा करय। 28तब समीन ह लइका ला अपन कोरा म लीस अऊ परमेसर के इस्तुर्ता करत कहसि,

29“हे परभू, अपन परतगियां के मुताबकि अब तौर सेवक ला सांती के संग बिदा कर।

30काबरकी मोर आंखीमन उद्धार करइया ला देख ले हवय,

31 जऊन ला तेंह जम्मो मनखेमन ला दे हवस,

32कई ओह आनजातमन बर अंजोर,  
अऊ तोर इसरायली मनखेमन बर  
महमा होवय।”

33यीसू के बारे म जो कहे गीस, ओला  
सुनके ओकर ददा अऊ दाई अचम्भो करनि।  
34तब समीन ह ओमन ला आससि दीस  
अऊ ओकर दाई मरियम ला कहसि, “ए  
लइका ह इसरायल म बहुते झन के बनिास  
अऊ उद्धार खातरि चुने गे हवय, अऊ एह  
परमेसर के एक चनिहां होही, जेकर बरिध  
म बोले जाही, 35ताकि बहुते झन के हरिदय  
के बचिार ह परगट हो जावय। अऊ एक  
तलवार तोर खुद के जीव ला घलो छेदही।”

36हन्ना नांव के एक अगमबानी करइया  
माईलोगन रहिसि। ओह फनूएल के बेटी  
अऊ आसेर के गोत्र के रहिसि। ओह बहुंत  
डोकरी हो गे रहय। बहिाव होय के बाद ओह  
अपन घरवाला के संग सात साल तक रहिसि,  
37अऊ तब ले चौरासी बछर हो गे रहय,  
ओह बधिवा रहिसि। ओह मंदिर ला कभू नई  
छोड़य, पर उपास अऊ पराथना करत, रात  
अऊ दिन अराधना करत रहय। 38ओहीच  
बेरा ओमन करा आके, ओह परमेसर ला  
धनबाद दीस अऊ ओ जम्मो झन ला लइका  
के बारे म बताय लगसि, जऊन मन यरूसलेम  
के छुटकारा के बाट जोहत रहिनि।

39जब यूसुफ अऊ मरियम परभू के कानून  
के मुताबकि जम्मो बात ला पूरा कर लीन,  
त ओमन लइका ला लेके गलील प्रदेश म  
अपन खुद के सहर नासरत ला लहुंट गीन।  
40अऊ लइका ह बढ़त अऊ मजबूत होवत  
गीस; ओह बुद्धि ले भरे रहय, अऊ परमेसर  
के अनुग्रह ओकर ऊपर रहय।

### यीसू ह मंदिर म

41हर एक साल यीसू के दाई-ददा फसह  
के तहार खातरि यरूसलेम जाय करत  
रहिनि। 42जब यीसू ह बारह साल के होईस,  
त ओमन रीत-रिवाज के मुताबकि तहार  
मनाय बर गीन। 43जब तहार ह सरि गे, त  
ओमन वापसि घर लहुंटत रहिनि, पर यीसू ह  
यरूसलेम म रूक गीस, अऊ ओकर दाई-ददा

ए बात ला नई जानत रह्य। 44ए सोचत कि  
ओह मनखेमन के संग म होही, ओमन एक  
दिन के रसता चल दीन। तब ओमन ओला  
अपन सगा-संबंधी अऊ संगवारी मन के बीच  
म खोजे लगनि। 45जब ओह नई मलिसि, त  
ओमन ओला खोजत यरूसलेम वापसि चल  
दीन। 46तीन दिन के बाद, ओमन ओला  
मंदिर के अंगना म गुरूमन के बीच म बईठे  
पाईन। ओह गुरूमन के बात ला सुनत अऊ  
ओमन ले सवाल पुछत रहय। 47जऊन मन  
ओकर बात ला सुनत रह्य, ओ जम्मो झन  
ओकर समझ अऊ जबाब ले चकति होवत  
रह्य। 48जब ओकर दाई-ददा ओला देखनि,  
त अचम्भो करनि। ओकर दाई ह कहसि,  
“बेटा, तैह हमर संग अइसने काबर करे?  
देख! तोर ददा अऊ में फकिर म पड़के तोला  
खोजत रहें।”

49ओह अपन दाई-ददा ला कहसि, “तुमन  
मोला काबर खोजत रहेव? का तुमन ए नई  
जानत रहेव कि मोला अपन ददा (परमेसर)  
के घर म रहना जरूरी ए?” 50पर ओमन  
ओकर बात ला नई समझनि।

51तब यीसू ह ओमन के संग नासरत गीस  
अऊ ओमन के अधीन म रहिसि। पर ओकर  
दाई ह ए जम्मो बात ला अपन मन म रखसि।  
52अऊ यीसू ह बुद्धि अऊ डील-डौल म,  
अऊ परमेसर अऊ मनखेमन के अनुग्रह म  
बढ़त गीस।

यूहन्ना बतसिमा देवइया डहार तयार करथे  
(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:1-8; यूहन्ना 1:19-

28)

3 महाराजा तबिरियुस के राज के  
पंदरहवां साल म, जब पुन्तियुस  
पीलातुस यहूदिया प्रदेश के राजपाल रहिसि;  
हेरोदेस ह गलील के राजपाल; ओकर भाई  
फलिपिपुस इतूरिया अऊ त्रखोनितिस के  
राजपाल; अऊ लिसानथिास ह अबलिने के  
राजपाल रहिसि; 2अऊ हन्नास अऊ काइफा  
महा पुरोहित रहिनि। तब ओ समय परमेसर  
के बचन ह नरिजन जगह म जकरयाह के बेटा  
यूहन्ना करा पहुँचसि। 3यूहन्ना ह यरदन नदी

के आस-पास के जम्मो इलाका म गीस अऊ पाप के छेमा खातरि मन-फरिया के बतसिमा के परचार करसि। 4जइसने की यसायाह अगमजानी के कतिाब म लिखे हवय:

“नरिजन जगह म एक झन के बलाय के  
अवाज आवत हवय,  
परभू के रसता तयार करव,  
ओकर सड़कमन ला सीधा करव।

5हर एक घाटी पाट दयि जाही,

अऊ हर एक पहाड़ अऊ पठार समतल  
करे जाही।

टेड़गा सड़कमन सीधा अऊ खंचवा-

डीपरा रसतामन समतल हो जाहीं।

6अऊ जम्मो मनखेमन परमेसर के उद्धार  
ला देखहीं।”

7मनखेमन के भीड़ के भीड़ यूहन्ना ले बतसिमा ले बर आवत रहिसि। त यूहन्ना ह ओमन ला कहसि, “हे जहरला सांप के लइकामन! परमेसर के अवइया कोरोध ले भागे के चेतउनी तुमन ला कोन ह दीस? 8अपन काम के दुवारा देखावव की तुमन मन-फरिया हवव। अऊ अपन-आप ले ए झन कहव की अब्राहम ह तुम्हर पुरखा ए। काबरकी मेंह तुमन ला कहत हंव की ए पथरामन ले परमेसर ह अब्राहम बर संतान पैदा कर सकथे। 9टांगा ह पहिली ले रूखमन के जरी म रखे हवय, अऊ जऊन रूख म बने फर नई फरय, ओह काटे अऊ आगी म झोंके जाही।”

10मनखेमन ओकर ले पुछनि, “त हमन ला का करना चाही।”

11यूहन्ना ह जबाब दीस, “जेकर करा दू ठन कुरता हवय, ओह अपन एक कुरता ओला दे देवय, जेकर करा एको ठन नई ए, अऊ जेकर करा भोजन हवय, ओह घलो भुखहामन संग अइसनेच करय।”

12लगान लेवइयामन घलो बतसिमा लेय बर आईन अऊ ओमन यूहन्ना ले पुछनि, “हे गुरू, हमन ला का करना चाही?”

13ओह ओमन ला कहसि, “जतकी ठहराय गे हवय, ओकर ले जादा लगान झन लेवव।”

14तब कुछू सैनकिमन ओकर ले पुछनि, “अऊ हमन ला का करना चाही?”

ओह ओमन ला कहसि, “काकरो ले जबरदस्ती पईसा झन लेवव अऊ न मनखेमन ऊपर लबारी दोस लगावव। अपन तनखा म संतोस करव।”

15मनखेमन आस लगाय बाट जोहत रहिनि अऊ जम्मो झन अपन मन म सोचत रहिनि की कहूं यूहन्ना ह तो मसीह नो हय। 16यूहन्ना ह ओ जम्मो झन ला कहसि, “मेंह तुमन ला पानी ले बतसिमा देवत हंव। पर एक झन आवत हवय, जऊन ह मोर ले अऊ सामरथी अय। मेंह तो ए लइक घलो नो हंव की ओकर पनही के बंधना ला खोलंव। ओह तुमन ला पबतिर आतमा अऊ आगी ले बतसिमा दीही। 17ओकर सुपा ह ओकर हांथ म हवय ताकी अपन कोठार ला साफ करय अऊ गहूं ला अपन कोठी म कुढ़ोवय, पर ओह भूसा ला ओ आगी म बारही, जऊन ह कभू नई बुथावय।” 18अऊ बहुते आने बचन के दुवारा यूहन्ना ह मनखेमन ला उत्साहति करसि अऊ ओमन ला सुघर संदेस के परचार करसि।

19यूहन्ना ह हेरोदेस राजा ला डांटसि काबरकी ओह अपन भाई के घरवाली हेरोदियास ला रखे रहिसि अऊ बहुते आने कुकरम करे रहिसि। 20तब हेरोदेस ह एकर ले घलो बढ़ के ए कुकरम करसि की ओह यूहन्ना ला पकड़के जेल म डार दीस।

### यीसू के बतसिमा अऊ बंसावली

(मत्ती 3:13-17; मरकुस 1:9-11; मत्ती 1:1-

17)

21जम्मो मनखेमन बतसिमा लेवत रहिनि, त यीसू ह घलो बतसिमा लीस। अऊ जब ओह पराथना करत रहय, त अकास ह खुल गीस। 22अऊ पबतिर आतमा ह देह के रूप म एक ठन पंडकी चरिई सहीं ओकर ऊपर उतरसि, अऊ स्वरग ले ए अवाज आईस: “तंह मोर मयारू बेटा अस। तोर ले मेंह बहुत खुस हंव।”

23जब यीसू ह अपन सेवा के काम ला सुरू

करसि, त ओह करीब तीस साल के रहिसि। जइसने कि मनखे मन समझत रहिनि, ओह यूसुफ के बेटा रहिसि, अऊ यूसुफ ह एली के बेटा,

24 एली ह मत्तात के बेटा, मत्तात ह लेवी के बेटा, लेवी ह मलकी के बेटा, मलकी ह यन्ना के बेटा, यन्ना ह यूसुफ के बेटा,

25 यूसुफ ह मत्तयाह के बेटा, मत्तयाह ह आमोस के बेटा, आमोस ह नहूम के बेटा, नहूम ह असल्याह के बेटा, असल्याह ह नोगह के बेटा,

26 नोगह ह मात के बेटा, मात ह मत्तयाह के बेटा, मत्तयाह ह समी के बेटा, समी ह योसेख के बेटा, योसेख ह योदाह के बेटा,

27 योदाह ह योनान के बेटा, योनान ह रेसा के बेटा, रेसा ह जरूबाबल के बेटा, जरूबाबल ह सालतएल के बेटा, सालतएल ह नेरी के बेटा,

28 नेरी ह मलकी के बेटा, मलकी ह अद्दी के बेटा, अद्दी ह कोसाम के बेटा, कोसाम ह इलमोदाम के बेटा, इलमोदाम ह एर के बेटा,

29 एर ह यहोसू के बेटा, यहोसू ह एलीएजेर के बेटा, एलीएजेर ह योरीम के बेटा, योरीम ह मत्तात के बेटा, मत्तात ह लेवी के बेटा,

30 लेवी ह समीन के बेटा, समीन ह यहूदा के बेटा, यहूदा ह यूसुफ के बेटा, यूसुफ ह योनाम के बेटा, योनाम ह एल्याकीम के बेटा,

31 एल्याकीम ह मलेआह के बेटा, मलेआह ह मन्नाह के बेटा, मन्नाह ह मत्तता के बेटा, मत्तता ह नातान के बेटा, नातान ह दाऊद के बेटा,

32 दाऊद ह यूसै के बेटा, यूसै ह ओबेद के बेटा, ओबेद ह बोअज के बेटा, बोअज ह सलमोन के बेटा, सलमोन ह नहसोन के बेटा,

33 नहसोन ह अम्मीनादाब के बेटा, अम्मीनादाब ह अरनी के बेटा, अरनी ह हसित्त्रोन के बेटा, हसित्त्रोन ह फरिसि के बेटा, फरिसि ह यहूदा के बेटा,

34 यहूदा ह याकूब के बेटा, याकूब ह इसहाक के बेटा, इसहाक ह अब्राहम के बेटा, अब्राहम ह तरिह के बेटा, तरिह ह नाहोर के बेटा,

35 नाहोर ह सरूग के बेटा, सरूग ह रऊ के बेटा, रऊ ह फलिगि के बेटा, फलिगि ह एबरि के बेटा, एबरि ह सेलह के बेटा,

36 सेलह ह केनान के बेटा, केनान ह अरपछद के बेटा, अरपछद ह सेम के बेटा, सेम ह नूह के बेटा, नूह ह लमिकि के बेटा,

37 लमिकि ह मथूसलिह के बेटा, मथूसलिह ह हनोक के बेटा, हनोक ह यरिदि के बेटा, यरिदि ह महललेल के बेटा, महललेल ह केनान के बेटा,

38 केनान ह इनोस के बेटा, इनोस ह सेत के बेटा, सेत ह आदम के बेटा, अऊ आदम ह परमेसर के बेटा रहिसि।

### यीसू के परछिा

(मत्ती 4:1-11; मरकुस 1:12-13)

4 यीसू ह पबतिर आतमा ले भरे, यरदन नदी ले लहुंटसि अऊ पबतिर आतमा के अगुवई म ओह नरिजन जगह म गीस, 2 जहिं सैतान ह चालीस दिन तक ओकर परछिा करसि। यीसू ह ओ चालीस दिन तक कुछ नई खाईस, अऊ तब ओला भूख लगसि।

3 तब सैतान ह यीसू ला कहसि, “यर्दा तेंह परमेसर के बेटा अस, त ए पथरा ले कह की एह रोटी बन जावय।”

4 यीसू ह जबाब दीस, “परमेसर के बचन म ए लिखे हवय: मनखे ह सरिपि रोटी ले ही जीयत नई रहय।”

5 सैतान ह ओला एक ठन ऊंचहा ठऊर म ले गीस अऊ छनि भर म ओला संसार के जम्मो राज ला देखाईस। 6 अऊ यीसू ला कहसि, “मेंह ए जम्मो के अधिकार अऊ सान-सौकत तोला दे दूहूँ, काबरकी एह मोला दिये गे हवय, अऊ मेंह जऊन ला चाहव ओला ए जम्मो दे सकत हंव। 7 यर्दा तेंह मोर अराधना करबे, त ए जम्मो ह तोर हो जाही।”

8 यीसू ह ओला ए जबाब दीस, “परमेसर के बचन म ए लिखे हवय: तेंह अपन परभू परमेसर के अराधना कर अऊ सरिपि ओकरे सेवा कर।”

9 तब सैतान ह यीसू ला यरूसलेम म ले



गीस अऊ ओला मंदिर के टीप म ठाढ़ करके कहसि, “यदि तैंह परमेसर के बेटा अस, त इहां ले खाल्हे कूद जा। 10काबरकापरमेसर के बचन म ए लिखे हवय: परमेसर ह तोर बसिय म अपन स्वरगदूतमन ला हुकूम दही कि ओमन तोर रकछा करय।

11ओमन तोला अपन हांथ म उठा लहीं, ताकितोर गोड़ म पथरा ले चोट झन लगय।”

12यीसू ह ओला ए जबाब दीस, “परमेसर के बचन म ए घलो कहे गे हवय: तैंह अपन परभू परमेसर के परछा झन करा।”

13जब सैतान ह ए जम्मो परछा कर चुकसि, त ओह आने मऊका के मलित तक यीसू ला छोड़के चल दीस।

**अपन ही गांव—नासरत म यीसू के अनादर**  
(मत्ती 13:53-58; मरकुस 6:1-6)

14यीसू ह पबतिर आतमा के सकृति ले भरे गलील प्रदेस लहुंटसि, अऊ आस-पास के जम्मो इलाका म ओकर बारे म खबर फइल गीस। 15ओह ओमन के सभा घरमन म उपदेस दीस, अऊ जम्मो झन ओकर बड़ई करनि।

16यीसू ह नासरत गांव म गीस, जहिं ओह पले-बढ़े रहिसि, अऊ अपन रीति के मुताबकि, ओह बसिराम के दिन यहूदीमन के सभा घर म गीस, अऊ ओह परमेसर के बचन ले पढ़े बर ठाढ़ होईस। 17ओला यसायाह अगमजानी के कतिब दयि गीस। ओह कतिब ला खोलसि अऊ ओ भाग ला नकारिसि, जहिं ए लिखे रहय:

18“परभू के आतमा मोर ऊपर हवय,  
एकरसेति ओह गरीबमन  
ला सुघर संदेस के परचार करे बर मोर  
अभसिक करे हवय।  
ओह मोला पठोय हवय,  
ताकि मेंह कैदीमन ला छुटकारा के,  
अऊ अंधरामन ला आंखी पाय के घोसना  
करंव,  
अऊ दुखति-पीड़ति मन ला छोड़ावंवa,  
19 अऊ परभू के अनुग्रह के बछर के  
घोसना करंव।”

20तब यीसू ह कतिब ला बंद करके वापसि सेवक ला दे दीस अऊ बईठ गीस। सभा घर म जम्मो झन के आंखी ह ओकरे ऊपर लगे रहय। 21तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “आज परमेसर के ए बचन ह तुम्हर सुनत म पूरा होईस।”

22जम्मो झन ओकर बड़ई करनि अऊ ओकर मुहूं ले नकिरे अनुग्रह के बात ला सुनके ओमन अचम्भो करनि अऊ कहनि, “का एह यूसुफ के बेटा नो हय?”

23यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन मोर बर ए कहावत जरूर कहिहू, ‘ए डाक्टर, पहिली अपन-आप ला चंगा करा।’ जऊन कुछ तैंह कफरनहूम म करे हवस, ओकर बारे म हमन सुने हवन, अब वइसनेच तैंह इहां अपन नगर म घलो करा।”

24यीसू ह फेर कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, कोनो अगमजानी अपन खुद के नगर म मान-सम्मान नई पावय। 25मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि एलियाह के समय म जब साढ़े तीन साल तक पानी नई बरससि अऊ जम्मो इलाका म भयंकर अकाल पड़े रहिसि, तब इसरायल देस म बहुंत बधिवामन रहनि। 26पर एलियाह ला ओमन ले काकरो करा नई पठोय गीस, पर सैदा प्रदेस के सारफत सहर म एक बधिया करा ओला पठोय गीसb। 27अऊ एलीसा अगमजानी के समय म इसरायल देस म बहुंत कोदीमन रहनि, पर सीरिया देस के नामान ला छोड़के ओमन ले कोनो सुध नई करे गीसc।”

28ए बात ला सुनके सभा घर के जम्मो मनखेमन कोरोध ले भर गीन। 29ओमन उठनि अऊ यीसू ला सहर के बाहिर नकारनि। ओमन के सहर ह पहाड़ी ऊपर बसे रहय। ओमन यीसू ला पहाड़ी के छोर म ले गीन ताकि ओला चट्टान म ले ढकेल देवय। 30पर ओह भीड़ के बीच म ले नकिरके अपन रसता म चल दीस।

**यीसू ह परेत आतमा ला नकारथे**  
(मरकुस 1:21-28)

31तब यीसू ह गलील प्रदेस के कफरनहूम

सहर म गीस, अऊ बसिराम के दनि मनखेमन ला उपदेस देवन लगसि। 32मनखेमन यीसू के उपदेस ला सुनके चकति होवत रहंय, काबरकी ओह अधिकार के संग गोठियावत रहय।

33सभा घर म एक मनखे रहिसि जऊन म एक परेत आतमा रहय। ओह जोर से चचियाके कहसि, 34“हे यीसू नासरी! तोला हमर ले का काम? का तेंह हमन ला नास करे बर आय हवस? मेंह जानत हंव कि तेंह कोन अस, तेंह परमेसर के पबतिर जन अस।”

35यीसू ह ओला दबकारके कहसि, “चुपे रह। अऊ ओम ले नकिर आ।” तब परेत आतमा ह ओ मनखे ला ओ जम्मो झन के आधू म पटकसि अऊ ओला बगिर चोट पहुँचाय नकिर गीस।

36जम्मो मनखेमन अचम्भो करनि अऊ एक-दूसर ला कहनि, “एह का सकिछा अय? अधिकार अऊ सक्ती के संग ओह परेत आतमामन ला हुकूम देथे अऊ ओमन नकिर जाथें।” 37अऊ आस-पास के जम्मो जगह म यीसू के बारे खबर फइल गीस।

**यीसू ह पतरस के सास अऊ कतको आने मनखेमन ला चंगा करथे**

(मत्ती 8:14-17; मरकुस 1:29-34)

38यीसू ह सभा घर ले नकिरके समिोन के घर म गीस। ओ समय समिोन के सास ला बहुंत जर आवत रहय, अऊ ओमन यीसू ले ओला बने करे बर बनिती करनि। 39यीसू ह समिोन के सास के बाजू म ठाढ़ होईस अऊ जर ला दबकारसि, अऊ ओकर जर ह उतर गीस। ओह तुरते उठसि अऊ ओमन के सेवा करे लगसि।

40जब बेर ह बुड़त रहय, त मनखेमन ओ जम्मो झन जऊन मन ला कतको किसिम के बेमारी रहय, यीसू करा लाननि, अऊ ओह हर एक के ऊपर हांथ रखके ओमन ला बने करसि। 41परेत आतमामन घलो बहुंत मनखेमन ले चचियावत अऊ ए कहत नकिर गीन कि तेंह परमेसर के बेटा अस। पर यीसू ह ओमन ला दबकारसि अऊ ओमन ला

गोठियावन नई दीस, काबरकी ओमन जानत रहिनि कि ओह मसीह अय।

42जब बहान होईस, त यीसू ह एक ठन सुनसान ठऊर म चले गीस। मनखेमन ओला खोजे लगनि, अऊ जब ओमन ओला भेंटनि, त ओला रोके के कोससि करनि अऊ कहनि कि हमर करा ले झन जा। 43पर ओह कहसि, “मोला आने सहरमन म घलो परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करना जरूरी ए, काबरकी एकर खातिर मोला पठोय गे हवय।” 44अऊ ओह यहूदिया प्रदेश के सभा घरमन म परचार करन लगसि।

**पहिली चेलावन के बुलाहट**

(मत्ती 4:18-22; मरकुस 1:16-20)

5 एक दनि यीसू गन्नेसरत झील के तीर म ठाढ़ रहय अऊ परमेसर के बचन सुने बर मनखेमन के भीड़ ह ओकर ऊपर गरि पड़त रहय। 2ओह दू ठन डोंगा पानी के तीर म देखसि, जऊन ला मछुआरमन छोंड़के अपन जालमन ला धोवत रहंय। 3ओह ओम के एक ठन डोंगा म चघसि, जऊन ह समिोन के रहिसि अऊ यीसू ह ओला कहसि, “डोंगा ला पानी के तीर ले थोरकन दूरिहा ले चल।” तब यीसू ह डोंगा म बईठ गीस अऊ उहां ले मनखेमन ला उपदेस देवन लगसि।

4जब ओह उपदेस दे चुकसि, त समिोन ला कहसि, “डोंगा ला गहरि पानी म ले चल अऊ मछरी पकड़े बर अपन जाल ला डार।”

5समिोन ह कहसि, “हे मालकि, हमन रात भर बहुंत महिनत करेन, तभो ले कुछू नइ पायेन। पर तोर कहे म मेंह जाल ला फेर डारत हवंव।”

6जब ओमन अइसने करनि, त जाल म अतकी जादा मछरी फंसनि कि जाल ह चीराय लगसि। 7एकरसेति ओमन अपन संगवारीमन ला जऊन मन दूसर डोंगा म रहंय, इसारा करनि कि ओमन आके मदद करंय; अऊ ओमन आईन अऊ दूनो डोंगा ला मछरी ले अतकी भर लीन कि डोंगामन बुड़न लगनि।

8जब समिोन पतरस एला देखसि, त ओह

यीसू के गोड़ खाल्हे गरिसि अऊ कहसि, “हे परभू! मोर करा ले चले जा; मेंह एक पापी मनखे अंव।” 9काबरक अतकी जादा मछरी फंसे के कारन, ओह अऊ ओकर जम्मो संगीमन अचम्भो करत रहनि, 10अऊ एहीच दसा जबदी के बेटा याकूब अऊ यूहन्ना के घलो रहय, जऊन मन समोन के संगवारी रहनि। तब यीसू ह समोन ला कहसि, “झन डर्रा; अब ले तेंह मनखेमन ला पकड़े करबे।” 11ओमन डोंगामन ला पानी के तीर म लाननि अऊ जम्मो कुछू ला छोड़के यीसू के पाछू हो लीन।

### एक कोढ़ी मनखे

(मत्ती 8:1-4; मरकुस 1:40-45)

12जब यीसू ह एक नगर म रहिसि, त उहां कोढ़ ले भरे एक मनखे आईस। जब ओह यीसू ला देखसि, त मुहू के भार भुइयां म गरिके ओकर ले बनिती करसि, “हे परभू, यदी तेंह चाहस, त मोला सुध कर सकथस।”

13यीसू ह अपन हांथ ला लमाके ओ मनखे ला छुईस अऊ कहसि, “मेंह चाहत हंव कि तेंह सुध हो जा।” अऊ तुरते ओकर कोढ़ ह गायब हो गीस।

14तब यीसू ह ओला हुकूम दीस, “ए बात कोनो ला झन बताबे, पर जा अऊ अपन-आप ला पुरोहित ला देखा अऊ सुध होय के बारे म मूसा ह जइसने हुकूम दे हवय, वइसने बलदान चघा, तार्का मनखेमन जान लेवय कि तेंह बने हो गे हवस।”

15यीसू के बारे म अऊ खबर फइल गीस, अऊ मनखेमन के भीड़ यीसू के बात सुने बर अऊ अपन बेमारी ले बने होय बर आय लगनि। 16पर यीसू ह अक्सर सुनसान जगह म जावय अऊ पराथना करय।

### यीसू ह लकवा के मारे मनखे ला बने करथे

(मत्ती 9:1-8; मरकुस 2:1-12)

17एक दिन जब यीसू ह उपदेस देवत रहय, त फरीसीमन अऊ कानून के गुरूमन उहां बईठे रहय, जऊन मन गलील अऊ यहूदिया प्रदेस के जम्मो गांव ले, अऊ यरूसलेम ले आय रहय। अऊ परभू के सामरथ बेमरहामन

ला बने करे बर यीसू के संग रहय। 18कुछू मनखेमन लकवा के मारे एक मनखे ला खटिया म उठाके लाननि। ओमन ओला घर के भीतर ले जाय के कोससि करनि तार्का ओला यीसू के आघू म रख सकय। 19जब ओमन भीड़ के मारे ओला भीतर नई ले जा सकनि, तब ओमन छानी के ऊपर चघनि अऊ खपरा ला टारके ओमन ओला खटिया म, भीड़ के मांझा म, ठोका यीसू के आघू म उतारनि।

20जब यीसू ह ओमन के बसिवास ला देखसि, त ओह लकवा के मारे मनखे ला कहसि, “संगी, तोर पाप छेमा होईस।”

21फरीसीमन अऊ कानून के गुरूमन अपन-अपन मन म सोचे लगनि, “ए कोन मनखे ए जऊन ह परमेसर के ननिंदा करथे? सरिपि परमेसर के छोड़ अऊ कोन पाप ला छेमा कर सकथे?”

22यीसू ह ओमन के मन के बात ला जानत रहिसि। ओह ओमन ले पुछसि, “तुमन ए बात अपन मन म काबर सोचत हव? 23का कहना सरल ए? ए कहना, ‘तोर पाप छेमा होईस’, कि ए कहना, ‘उठ अऊ चल फरि।’ 24तुमन ए बात ला जान लेवव कि मनखे के बेटा ला ए धरती म पाप छेमा करे के अधिकार हवय।” ओह लकवा के मारे मनखे ला कहसि, “मेंह तोला कहत हंव, उठ अऊ अपन खटिया उठाके घर जा।” 25तुरते ओह ओमन के आघू म उठसि अऊ जऊन खटिया म ओह पड़े रहिसि, ओला उठाईस अऊ परमेसर के इसतुर्ता करत अपन घर चल दीस। 26तब ओ जम्मो झन चकति हो गीन अऊ परमेसर के महामि करनि। ओमन म डर हमा गीस अऊ ओमन कहे लगनि, “हमन आज चमतकार होवत देखे हवन।”

### यीसू ह लेवी ला बलाथे

(मत्ती 9:9-13; मरकुस 2:13-17)

27एकर बाद, यीसू ह बाहरि नकिरसि अऊ लेवी नांव के एक झन लगान लेवइया ला अपन नाका म बईठे देखसि। यीसू ह ओला कहसि, “मोर पाछू चले आ।” 28लेवी ह

उठसि अऊ जम्मो कुछू ला छोंड़के यीसू के पाछू हो लीस।

29तब लेवी ह यीसू बर अपन घर म एक बड़े भोज के आयोजन करसि, अऊ लगान लेवइया अऊ आने पहनामन के एक बड़े भीड़ ह ओमन के संग म खावत रहिसि। 30पर फरीसी अऊ कानून के गुरू मन यीसू के चेलावन ले ए कहकि सकिायत करन लगनि, “तुमन लगान लेवइया अऊ पापी मन संग काबर खाथव अऊ पीथव?”

31यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “भला-चंगा मनखेमन ला डाक्टर के जरूरत नई होवय, पर बेमरहामन ला होथे। 32मेंह धरमीमन ला नई, पर पापीमन ला पछताप करे बर बलाय आय हवंव।”

### उपास के बारे म सवाल

(मत्ती 9:14-17; मरकुस 2:18-22)

33ओमन यीसू ले कहनि, “यूहनुना बतसिमा देवइया के चेलावन अकसर उपास रखथें अऊ पराथना करथें, अऊ अइसने फरीसीमन के चेलावन घलो करथें, पर तोर चेलावन खावत-पीयत रहथिय।”

34यीसू ह जबाब दीस, “का तुमन बरातीमन ले, जब तक दुल्हा ह ओमन के संग हवय, उपास करा सकथव? 35पर ओ समय आही, जब दुल्हा ह ओमन ले अलग करे जाही, तब ओमन ओ दनिमन म उपास करहीं।”

36यीसू ह ओमन ला ए पटंतर घलो सुनाईस, “कोनो मनखे नवां ओन्ढा ला चीरके ओकर खाप ला जुन्ना ओन्ढा म नई सलिय। कहूँ ओह अइसने करथे, त नवां ओन्ढा ह चीरा जाही अऊ नवां ओन्ढा के खाप जुन्ना ओन्ढा म नई लगही। 37अऊ कोनो मनखे अंगूर के नवां मंद ला चमड़ा के जुन्ना थैली म नई भरय। कहूँ ओह अइसने करथे, त नवां मंद ह ओ थैली ला चीर दिही, अऊ मंद ह ढर जाही अऊ थैली ह बरबाद हो जाही। 38नवां मंद ला चमड़ा के नवां थैली म भरना चाही। 39कोनो मनखे अंगूर के जुन्ना मंद पीये के बाद, नवां मंद पीये नई चाहय। ओह कहथि, ‘जुन्ना मंद ही बने हवय।’ ”

### बसिराम दनि के परभू

(मत्ती 12:1-8; मरकुस 2:23-28)

6 बसिराम के दनि यीसू ह खेत म ले होके जावत रहिसि, अऊ ओकर चेलावन ह कुछू बाली ला टोरके ओला अपन हांथ म मजि-मजि के खावत जावत रहनि। 2तब कुछू फरीसीमन पुछनि, “तुमन अइसने काबर करत हवव, जऊन ला बसिराम के दनि म करना मना अय?”

3यीसू ह ओमन ला ए जबाब दीस, “का तुमन परमेसर के बचन म ए नई पढ़े हवव का दाऊद ह का करसि, जब ओला अऊ ओकर संगवारीमन ला भूख लगसि? 4ओह परमेसर के घर म गीस, अऊ भेंट चघाय रोटी ला लेके खाईस, जऊन ला पुरोहितमन के छोंड़ आने मनखे के खाना कानून के बरिद्ध रहिसि। अऊ ओह अपन संगवारीमन ला घलो ओ रोटी म ले कुछू खाय बर दीस।” 5तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “मनखे के बेटा ह बसिराम दनि के परभू अय।”

6एक आने बसिराम के दनि यीसू ह सभा घर म गीस अऊ उपदेस देवत रहिसि। उहां एक झन मनखे रहिसि जेकर जेवनी हांथ ह सूखा गे रहय। 7फरीसी अऊ कानून के गुरू मन यीसू ऊपर दोस लगाय के बहाना खोजत रहंय, एकरसेति ओमन धियान लगाके देखत रहंय कि ओह सूखा हांथवाले मनखे ला बसिराम के दनि म बने करथे कि नई। 8पर यीसू ह ओमन के मन के बात ला जानत रहिसि अऊ ओह सूखा हांथवाले मनखे ला कहसि, “उठ अऊ जम्मो झन के आघू म ठाढ़ हो जा।” ओ मनखे ह उठसि अऊ उहां ठाढ़ हो गीस।

9तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला पुछत हव—बसिराम के दनि म का करना उचिति ए—भलई करई या बुरई करई, जनिगी बचई या जनिगी नास करई?”

10यीसू ह चारों कोर्ता ओ जम्मो झन ला देखसि अऊ तब ओ मनखे ला कहसि, “अपन हांथ ला बढ़ा।” ओह वइसने करसि, अऊ ओकर हांथ ह पूरा-पूरी ठीक हो गीस। 11पर फरीसी अऊ कानून के गुरू मन बहुंत

नराज होईन अऊ एक-दूसर के संग बचिरा करन लगनि कियीसू के संग का करे जावय।

### बारह प्रेरतिमन

(मत्ती 10:1-4; मरकुस 3:13-19)

12 एक दिन यीसू ह पहाड़ ऊपर पराथना करे बर गीस, अऊ परमेसर ले पराथना करत जम्मो रात बताईस। 13 जब बहान होईस, त ओह अपन चेलामन ला बलाईस अऊ ओम के बारह झन ला चुन लीस अऊ ओमन ला प्रेरति कहसि: 14 ओमन ए अंय—समिोन (जेकर नांव यीसू ह पतरस रखसि), समिोन के भाई अन्दरयास, याकूब, यूहन्ना, फलिपिपुस, बरतुलमै, 15 मत्ती, थोमा, हलफई के बेटा याकूब, समिोन जऊन ला जेलोतेस कहे गीस, 16 याकूब के बेटा यहूदा, अऊ यहूदा इस्करियोती जऊन ह यीसू संग बसिवासघात करसि।

### आससि अऊ सराप

(मत्ती 5:1-12)

17 यीसू ह अपन चेलामन संग पहाड़ ले उतरसि अऊ एक समतल जगह म ठाढ़ हो गीस। उहां ओकर चेलामन के एक बड़े भीड़ रहय अऊ जम्मो यहूदिया प्रदेश, यरूसलेम सहर, अऊ सूर अऊ सैदा के समुंदर तीर ले बहुंत मनखे जुरे रहनि। 18 ओमन यीसू के उपदेस ला सुने बर अऊ अपन बेमारीमन ले छुटकारा पाय बर आय रहनि। अऊ परेत आतमा के सताय मनखेमन घलो बने हो गीन। 19 जम्मो मनखेमन यीसू ला छुए के कोससि करत रहनि, काबरका ओकर ले सामरथ नकिरत रहिसि अऊ ओ जम्मो ला बने करत रहिसि।

20 अपन चेलामन कोर्ता देखके यीसू ह कहसि,

“धइन अव तुमन, जऊन मन गरीब अव, काबरका परमेसर के राज तुम्हर ए।

21 धइन अव तुमन, जऊन मन अभी भूखा हवव, काबरका तुमन ला संतोस करे जाही।

धइन अव तुमन, जऊन मन अभी रोवत हव,

काबरका तुमन हंसहू।

22 धइन अव तुमन, जब मनखे के बेटा के कारन मनखेमन तुम्हर ले घनि करथें

अऊ तुमन ला नकारि देखें

अऊ तुम्हर ननिदा करथें

अऊ तुम्हर नांव ला खराप जानके काट देखें।

23 ओ दिन खुसी मनावव अऊ आनंद के मारे कूदव, काबरका तुम्हर बर स्वरग म एक बड़े इनाम रखे हवय। ओमन के पुरखामन अगमजानीमन के संग अइसनेच बरताव करे रहनि।

24 पर हाय लगे तुमन ऊपर,

जऊन मन धनवान अव,

काबरका तुमन अपन सुख भोग चुके हवव।

25 हाय लगे तुमन ऊपर,

जऊन मन अभी भरपेट खावथव,

काबरका तुमन भूखा रहिहू।

हाय लगे तुमन ऊपर, जऊन मन अभी हंसथव,

काबरका तुमन सोक मनाहू अऊ रोहू।

26 हाय लगे तुमन ऊपर, जब जम्मो मनखे तुम्हर बड़ई करथें,

काबरका ओमन के पुरखामन लबरा अगमजानीमन के संग अइसनेच करे रहनि।”

### बईरीमन बर मया

(मत्ती 5:38-48; 7:12)

27 “पर मेंह तुमन ला जऊन मन मोर गोठ ला सुनत हव, ए कहत हंव: अपन बईरीमन ले मया करव; ओमन के भलाई करव जऊन मन तुमन ले घनि करथें। 28 ओमन ला आससि देवव, जऊन मन तुमन ला सराप देखें; ओमन बर पराथना करव, जऊन मन तुम्हर संग गलत बरताव करथें। 29 कहूं कोनो तुम्हर एक गाल म थपरा मारथे, त ओकर कोर्ता दूसर गाल ला घलो कर देवव। कहूं कोनो

तुम्हरे ओढ़ना ला ले लेथे, त ओला तुम्हरे कुरता लेय बर झन रोकव। 30जऊन कोनो तुम्हरे ले मांगथे, ओला देवव; अऊ कहूं कोनो तुम्हरे चीज ला ले जावय, त ओला वापसि झन मांगव। 31जइसने तुमन चाहथव कि मनखेमन तुम्हरे संग करय, वइसने तुमन घलो ओमन के संग करव।

32यदि तुमन ओमन ले मया करथव, जऊन मन तुम्हरे ले मया करथे, त तुम्हरे का बड़ई? काबरकि पापीमन घलो अपन ले मया करइयामन ले मया करथे। 33अऊ यदि तुमन ओमन के भलाई करथव, जऊन मन तुम्हरे भलाई करथे, त तुम्हरे का बड़ई? काबरकि पापीमन घलो अइसने करथे। 34अऊ यदि तुमन ओमन ला उधार देथव, जऊन मन ले तुमन वापसि पाय के आसा करथव, त तुम्हरे का बड़ई? काबरकि पापीमन घलो पापीमन ला ए आसा म उधार देखे कि ओमन ला पूरा-पूरी वापसि मिलिही। 35पर अपन बईरीमन ले मया करव, ओमन के भलाई करव, अऊ बगिर कुछ चीज वापसि पाय के आसा म ओमन ला उधार देवव। तभे तुमन ला बड़े इनाम मिलिही, अऊ तुमन परम परधान परमेसर के बेटा होहू, काबरकि ओह गुन नई चनिहइया अऊ दुसरे मनखेमन ऊपर दया करथे। 36दयालु बनव, जइसने तुम्हरे स्वरगीय ददा ह दयालु ए।”

### आने ऊपर दोस झन लगावव

(मत्ती 7:1-4)

37“आने मन के नुक्ता-चीनी झन करव, त तुम्हरे घलो नुक्ता-चीनी नई करे जाही। आने मन ला दोसी झन ठहरावव, त तुमन ला घलो दोसी नई ठहराय जाही। आने मन ला छेमा करव, त तुमन ला घलो छेमा करे जाही। 38आने मन ला देवव, त तुमन ला घलो दयि जाही। बने ढंग ले नापके, दबा-दबाके, हला-हला के, अऊ उछरत तुम्हरे कोरा म डारे जाही। काबरकि जऊन नाप ले तुमन आने मन बर नापथव, ओही नाप ले तुम्हरे बर घलो नापे जाही।”

39यीसू ह ओमन ला ए पटंतर घलो कहसि,

“का एक अंधरा ह दूसरे अंधरा ला रसता देखा सकथे? का ओमन दूनों खंचवा म नई गरि जाही? 40चेला ह अपन गुरू ले बड़े नई होवय, पर पूरा सकिछा पाय के बाद ओह अपन गुरू सही हो जाथे।

41तैंह काबर अपन भाई के आंखी के छोटे कचरा ला देखथस, जबकि तैंह अपन खुद के आंखी के बड़े कचरा ला धयान नई देवस? 42जब तैंह अपन खुद के आंखी के बड़े कचरा ला नई देख सकत हस, त अपन भाई ले कइसने कह सकत हस, ‘ए भाई, लान, मेंह तोर आंखी के कचरा ला नकार देथव?’ हे ढोंगी मनखे! पहिली अपन आंखी के बड़े कचरा ला नकार, तभे तैंह अपन भाई के आंखी के छोटे कचरा ला बने करके देखबे अऊ ओला नकार सकबे।

### रूख अऊ ओकर फर

(मत्ती 7:16-20)

43बने रूख म खराप फर नई फरय, अऊ न ही खराप रूख म बने फर फरथे। 44हर एक रूख ह ओकर फर ले पहिचाने जाथे। काबरकि मनखेमन कंटिली झाड़ीमन ले अंजीर के फर नई टोरय, अऊ न ही झरबेरी रूख ले अंगूर। 45बने मनखे ह अपन दलि के बने भंडार ले बने बात ला नकारथे, अऊ खराप मनखे ह अपन दलि के खराप भंडार ले खराप बात ला नकारथे। काबरकि जऊन बात ले ओकर दलि भरे रहथि, ओहीच ला अपन मुहू ले गोठियाथे।

### बुद्धिमान अऊ मुख मनखे के पहिचान

(मत्ती 7:24-27)

46जब तुमन मोर कहे ला नई मानव, त मोला काबर ‘हे परभू, हे परभू’ कहथिव? 47जऊन ह मोर करा आथे, अऊ मोर गोठमन ला सुनथे अऊ ओला मानथे—मेंह तुमन ला बतावत हंव कि ओह काकर सही अय। 48ओह ओ घर बनइया मनखे सही अय, जऊन ह भुइयां ला गहरि कोइसि अऊ चट्टान ऊपर नींव डारसि। जब बाढ़ (पुरा) आईस अऊ पानी ओ घर ले टकराईस, पर ओला हलाय नई सकसि, काबरकि ओ घर

ह मजबूत बने रहिसि। 49पर जऊन ह मोर गोठ ला सुनथे अऊ ओला नई मानय, ओह ओ मनखे के सही अय, जऊन ह भुइयां म बगिर नींव डारे घर बनाईस, अऊ जब बाढ़ के पानी ओ घर ले टकराईस, त ओह गरिके बरबाद हो गीस।”

### सेना के अधिकारी के बसिवास

(मत्ती 8:5-13)

**7** जब यीसू ह मनखेमन ला ए जम्मो बात कह चुकसि, तब ओह कफरनहूम सहर म गीस। 2उहां सेना के अधिकारी के एक सेवक ह बेमारी ले मरइयाच रहय। ओ सेवक ला सेना के अधिकारी ह बहुत मया करय। 3सेना के अधिकारी ह यीसू के बारे म सुनसि अऊ यहूदीमन के कुछू अगुवामन ला ओकर करा ए बनिती के संग पठोईस की ओह आके ओकर सेवक ला बेमारी ले चंगा करय। 4जब ओमन यीसू करा आईन, त बहुत बनिती करके ओकर ले कहनि, “ओ अधिकारी ह एकर काबलि अय की तैंह ओकर बर एला कर, 5काबरकी ओह हमर यहूदी मनखेमन ले मया करथे अऊ हमर सभा घर ला बनवाय हवय।”

6एकरसेती यीसू ह ओमन के संग गीस। पर जब यीसू ह ओकर घर के लकठा म हबरेच रहिसि, तबे सेना के अधिकारी ह अपन संगवारीमन के हांथ म ओकर करा ए खबर पठोईस, “हे परभू, अपन-आप ला तकलीफ झन दे, काबरकी मेंह एकर काबलि नो हंव की तैंह मोर घर म आ। 7एकरे कारन मेंह अपन-आप ला ए काबलि नई समझेंव की तोर करा आवंव। पर सरिपि अपन मुहूं ले कही दे, त मोर सेवक ह चंगा हो जाही। 8काबरकी मेंह खुद हाकमि के अधीन म हवंव अऊ सैनिकिमन मोर अधीन म हवंव। मेंह एक झन ला कहथिंव, ‘जा’, त ओह जाथे अऊ दूसर ला कहथिंव, ‘आ’, त ओह आथे। मेंह अपन सेवक ला कहथिंव, ‘एला कर, त ओला करथे।’ ”

9जब यीसू ह ए बात ला सुनसि, त ओह अचम्भो करसि, अऊ अपन पाछू-पाछू

आवत भीड़ कोती मुहूं करके कहसि, “मेंह तुमन ला कहत हंव, इसरायल म घलो मेंह अइसने बड़े बसिवास नई पाएवं।” 10तब जऊन मनखेमन ला पठोय गे रहिसि, ओमन घर लहुंटनि अऊ देखनि की सेवक ह बने हो गे रहय।

### यीसू ह बधिवा के मरे बेटा ला जियाथे

11एकर बाद, यीसू ह नाइन नांव के एक सहर म गीस, अऊ ओकर संग ओकर चेलामन अऊ एक बड़े भीड़ घलो गीस। 12जब यीसू ह सहर म जाय के दुवारी करा हबरसि, त देखसि की मनखेमन एक मुरदा ला बाहरि ले जावत रहंय। ओह अपन दाई के एके झन बेटा रहिसि, अऊ ओकर दाई ह बधिवा रहिसि। सहर के मनखेमन के एक बड़े भीड़ ओ बधिवा के संग रहिसि। 13जब परभू ह ओला देखसि, त ओला ओकर ऊपर अब्बड़ दया आईस अऊ ओह ओला कहसि, “झन रो।”

14तब यीसू ह आके अरथी ला छुईस, अऊ अरथी ला कंधा देवइयामन ठाढ़ हो गीन। यीसू ह कहसि, “हे जवान! मेंह तोला कहत हंव, उठ।” 15मरे मनखे ह उठ बईठसि अऊ गोठियाय लगसि, अऊ यीसू ह ओला ओकर दाई ला दे दीस।

16ओ जम्मो झन ऊपर डर छा गे, अऊ ओमन परमेसर के महिमा करके कहनि, “हमर बीच म एक महान अगमजानी ह परगट होय हवय। परमेसर ह अपन मनखेमन के मदद करे बर आय हवय।” 17यीसू के बारे म ए समाचार जम्मो यहूदिया पूरदेस अऊ आस-पास के इलाका म फइल गीस।

### यीसू अऊ यूहन्ना बतसिमा देवइया

(मत्ती 11:2-19)

18यूहन्ना बतसिमा देवइया के चेलामन ओला ए जम्मो बात बताईन। 19तब यूहन्ना बतसिमा देवइया अपन चेलामन के दू झन ला बलाईस अऊ ओमन ला परभू करा ए पुछे बर पठोईस, “का तैंह ओही अस, जऊन ह अवइया रहिसि या फेर हमन कोनो आने के बाट जोहन?”

20 जब ओ मनखेमन यीसू करा आईन, त ओमन कहनि, “यूहन्ना बतसिमा देवइया ह हमन ला तोर करा ए पुछे बर पठोय हवय, ‘का तेंह ओही अस, जऊन ह अवइया रहिसि या फेर हमन कोनो आने के बाट जोहन?’”

21 ओही बेरा यीसू ह बहुत मनखेमन ला बेमारी, पीरा अऊ परेत आतमा मन ले बने करसि अऊ कतको अंधरामन ला आंखी दीस। 22 तब यीसू ह यूहन्ना के मनखेमन ला कहसि, “जऊन कुछू तुमन देखे अऊ सुने हवव, जाके यूहन्ना ला बतावव। अंधरामन देखथें, खोरवामन चलथें, कोढ़ीमन ठीक हो जाथें, भैरामन सुनथें, मुरदामन जीयाय जाथें, अऊ गरीब मनखेमन ला सुघर संदेस के परचार करे जाथे। 23 धइन ए ओ, जेकर बसिवास ह मोर ऊपर बने रहथि।”

24 यूहन्ना के संदेसियामन के जाय के बाद, यीसू ह मनखेमन ला यूहन्ना के बारे म बताय लगसि, “जब तुमन नरिजन परदेस म यूहन्ना करा गे रहेव, त का देखे बर गे रहेव? का हवा म डोलत एक बड़े घांस के पौधा ला? 25 यदी नइ, त फेर तुमन का देखे बर गे रहेव? का सुघर कपड़ा पहरे एक मनखे ला? देखव, जऊन मन महंगा कपड़ा पहरेथें अऊ भोग-बिलास म जनिगी बताथें, ओमन महल म रहथें। 26 पर तुमन का देखे बर गे रहेव? एक अगमजानी ला? हव! मेंह तुमन ला कहत हंव—तुमन एक अगमजानी ले घलो बड़े मनखे ला देखेव। 27 एह ओ अय, जेकर बारे म परमेसर के बचन म लिखे हवय:

‘देख, मेंह अपन संदेसिया ला तोर आघू पठोवत हंव,  
जऊन ह तोर आघू तोर रसता तयार करही।’

28 मेंह तुमन ला बतावत हंव, जऊन मन माईलोगनमन ले जनमे हवय, ओमन म यूहन्ना ले बड़े कोनो नो हंय; पर जऊन ह परमेसर के राज म सबले छोटे अय, ओह यूहन्ना ले घलो बड़े अय।”

29 (जम्मो मनखेमन, इहां तक की लगान लेवइयामन घलो जब यीसू के बात ला

सुननि, त ओमन यूहन्ना ले बतसिमा लेके परमेसर के रसता ला सही मान लीन। 30 पर फरीसी अऊ कानून के जानकारमन परमेसर के मनसा ला अपन बर स्वीकार नई करनि, काबरकी ओमन यूहन्ना के बतसिमा नई लीन।)

31 यीसू ह फेर कहसि, “तब मेंह ए पीढ़ी के मनखेमन के तुलना काकर ले करंव? एमन काकर सहीं अंय? 32 एमन ओ लइकामन सहीं अंय, जऊन मन हाट-बजार म बईठके एक-दूसर ला कहथि,

‘हमन तुम्हर बर बांसुरी बजाएन,  
अऊ तुमन नई नाचेव;  
हमन बल्लाप करेन,  
अऊ तुमन नई रोएव।’

33 यूहन्ना बतसिमा देवइया ह आईस, जऊन ह न रोटी खाथे अऊ न ही मंद पीथे, अऊ तुमन कहथिव, ‘ओम परेत आतमा हवय।’

34 मनखे के बेटा ह आईस, जऊन ह खाथे अऊ पीथे, अऊ तुमन कहथिव, ‘देखव, ओह पेटहा अऊ पयिक्कड़ अय, अऊ लगान लेवइया अऊ पापी मन के संगवारी अय।’ 35 पर परमेसर के बुद्धी ह ओकर जम्मो लइकामन के दुवारा सही ठहराय गे हवय।”

### एक पापनि माईलोगन के दुवारा यीसू के अभिसिक्

36 एक फरीसी मनखे यीसू ला अपन संग खाना खाय बर बलाईस। यीसू ह ओ फरीसी के घर म गीस अऊ खाना खाय बर बईठसि।

37 ओ सहर के एक माईलोगन ला, जऊन ह पापमय जनिगी बताय रहिसि, ए पता चलसि की यीसू ह ओ फरीसी के घर म खाना खावत हे, त ओह एक संगमरमर के बरतन म इतर तेल लेके आईस, 38 अऊ ओह यीसू के पाछू ओकर गोड़ करा रोवत ठाढ़ हो गीस अऊ अपन आंसू ले ओकर गोड़मन ला भगोय लगसि अऊ ओह अपन मुड़ के चुंदी ले ओमन ला पोंछसि अऊ ओकर गोड़मन ला चूमसि अऊ ओम इतर तेल ला ढारसि।

39 एला देखके, ओ फरीसी जऊन ह यीसू ला खाय बर बलाय रहिसि, अपन मन म



कहसि, “कहूँ ए मनखे ह अगमजानी होतसि, त जान लेतसि की ओला कोन छुवत हवय अऊ ओह का कसिम के माईलोगन ए। ओह तो एक पापनि अय।”

40तब यीसू ह ओला जबाब देवत कहसि, “हे समिोन, मोला तोर ले कुछू कहना हे।” ओह कहसि, “हे गुरू, कहा।”

41यीसू ह कहसि, “दू झन मनखे एक महाजन के कर्जा लगत रहिनि। एक झन ओकर पांच सौ दीनार लगत रहिसि अऊ दूसर झन पचास दीनार। 42ओ दूनों म के काकरो करा कर्जा पटाय बर पईसा नई रहिसि, त महाजन ह ओ दूनों के कर्जा ला माफ कर दीस। तब ओ दूनों म ले कोन ह महाजन ले जादा मया करही?”

43समिोन ह जबाब दीस, “मोर समझ म ओह, जेकर जादा कर्जा माफ करे गीस।”

यीसू ह कहसि, “तेंह सही कहय।”

44तब यीसू ह ओ माईलोगन कोर्ता अपन मुहूँ ला करके समिोन ला कहसि, “का तेंह ए माईलोगन ला देखत हस? मेंह तोर घर म आएँव, अऊ तेंह मोर गोड़ धोय बर पानी नई देय, पर ए माईलोगन ह अपन आंसू ले मोर गोड़मन ला भगिईस अऊ अपन चुंदी ले ओमन ला पोंछसि। 45तेंह मोला नई चूमे, पर जब ले मेंह इहां आय हवंव, तब ले एह मोर गोड़ ला चूमत हवय। 46तेंह मोर मुड़ म चुपरे बर कोनो तेल नई देय, पर एह मोर गोड़मन म इतर तेल चुपरे हवय। 47एकरसेर्ता मेंह तोला कहत हंव, ओकर बहुत पाप छेमा करे गे हवय; ए बात ह ओकर बहुत मया ले साबति होवत हे। पर जेकर थोरकन छेमा करे गीस, ओह थोरकन मया करथे।”

48तब यीसू ह ओ माईलोगन ले कहसि, “तोर पाप छेमा हो गीस।”

49तब जऊन मन यीसू के संग खाय बर बईठे रहिनि, ओमन अपन बीच म कहे लगनि, “एह कोन ए, जऊन ह पाप ला घलो छेमा करथे।”

50यीसू ह ओ माईलोगन ले कहसि, “तोर बसिवास ह तोर उद्धार करे हवय, सांति म जा।”

## बीज बोवइया के पटंतर

(मत्ती 13:1-9; मरकुस 4:1-9)

8 एकर बाद यीसू ह सहर-सहर अऊ गांव-गंवई मन म जाके परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करसि। 2ओकर बारह चेलामन ओकर संग रहिनि, अऊ कुछू माईलोगनमन घलो जऊन मन ला परेत आतमा अऊ बेमारीमन ले ठीक करे गे रहिसि, ओकर संग रहिनि। ओमन ए रहिनि: मरयिम जऊन ला मगदलनी कहे जावय—जेम ले सात ठन परेत आतमा नकिरे गे रहिसि; 3हेरोदेस के घर के देख-रेख करइया खोजा के घरवाली—योअन्ना, सूसन्ना अऊ बहुत आने माईलोगनमन। ए माईलोगनमन अपन साधन ले यीसू अऊ ओकर चेलामन के मदद करत रहिनि।

4जब एक बड़े भीड़ ह जूरत रहिसि अऊ आने सहर ले मनखेमन यीसू करा आवत रहिनि, तब ओह ए पटंतर कहसि: 5“एक कसान ह अपन बीजा बोय बर गीस। जब ओह बोवत रहिसि, त कुछू बीजामन डहार के तीर म गरिनि; ओमन गोड़ खालहे कुचरे गीन, अऊ अकास के चरिईमन ओला खा डारनि। 6कुछू बीजामन पथर्री भुइयां ऊपर गरिनि अऊ ओमन जामनि, पर ओमन पानी के नमी नई मिले के कारन सूख गीन। 7कुछू बीजामन कंटिली झाडीमन के बीच म गरिनि, अऊ ओ कंटिला पौधामन संगे-संग बढ़के ओमन ला दबा दीन। 8अऊ कुछू बीजामन बने भुइयां म गरिनि। ओमन बाढ़नि अऊ जतेक बोय गे रहिसि ओकर ले सौ गुना जादा फसल लाईन।”

ए कहे के बाद यीसू ह नरयिके कहसि, “जेकर सुने के कान हवय, ओह सुनय।”

9ओकर चेलामन ओकर ले पुछनि, “ए पटंतर के का मतलब होथे?” 10ओह कहसि, “तुमन ला परमेसर के राज के भेद के गयान दिये गे हवय, पर आने मन ले मेंह पटंतर म गोठियाथंव, ताका,

‘देखत ले घलो, ओमन झन देख सकय;

अऊ सुनत ले घलो, ओमन झन समझ सकय।’

11पटंतर के ए मतलब अय: बीजा ह परमेसर के बचन ए। 12डहार के तीर म गरि बीजा ह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला सुनथें; पर सैतान ह आथे, अऊ ओमन के हरिदय ले बचन ला ले जाथे, ताका ओमन बसिवास नई कर सकय अऊ ओमन के उद्धार नई होवय। 13पथरू भुइयां के ऊपर गरि बीजा ह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला आनंद सहति गरहन करथें जब ओमन एला सुनथें, पर ओमन म जरी नई रहय। ओमन कुछू समय बर बसिवास करथें, पर परखे जाय के समय म ओमन गरि जाथें। 14ओ बीजा जऊन ह कंटली झाड़ीमन के बीच म गरिसि, ओह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला सुनथें, पर आघू चलके ओमन ए जनिगी के चाँता, धन अऊ भोग-बिलास म फंस जाथें, अऊ ओमन परपिक्व नई होवय। 15पर ओ बीजा जऊन ह बने भुइयां म गरिसि, ओह ओमन अंय, जऊन मन बचन ला सुनथें, अऊ एला सच्चा अऊ बने हरिदय म रखथें, अऊ धीरता से फर लाथें।

### दीया के पटंतर

(मत्ती 4:21-25)

16कोनो मनखे दीया ला बारके ओला बड़े कटोरा म नई ढांपय या खटिया के खाल्हे म नई मढ़ाय। पर ओह दीया ला दीवट ऊपर रखथे, ताका जऊन मन भीतर आवंय, ओमन अंजोर ला देखंय। 17काबरका कोनो घलो चीज छुपे नई ए, जऊन ह परगट करे नई जाही, अऊ कोनो घलो चीज गुपत म नई ए, जेकर खुलासा करे नई जाही। 18एकरसेति, सचेत रहव का तुमन कइसने सुनथव। जेकर करा हवय, ओला अऊ दयि जाही; अऊ जेकर करा नई ए, ओकर ले ओला घलो ले लयि जाही, जऊन ला ओह अपन समझथे।”

### यीसू के दाई अऊ भाईमन

(मत्ती 12:46-50; मरकुस 3:31-35)

19यीसू के दाई अऊ भाईमन ओला देखे बर आईन, पर भीड़ के मारे ओमन ओकर करा नई जा सकनि। 20एक ज्ञान यीसू ला

कहसि, “तोर दाई अऊ भाईमन बाहरि ठाढ़े हवंय, अऊ तोला देखे बर चाहथें।”

21यीसू ह ओ जम्मो ज्ञान ला कहसि, “मोर दाई अऊ भाई ओमन अंय, जऊन मन परमेसर के बचन ला सुनथें अऊ ओला मानथें।”

### यीसू ह आंधी ला सांत करथे

(मत्ती 8:23-27; मरकुस 4:35-41)

22एक दिन यीसू ह अपन चेलामन संग एक ठन डोंगा म चर्घासि अऊ ओमन ला कहसि, “आवव, झील के ओ पार चली।” तब ओमन डोंगा ला खोल दीन। 23जब ओमन डोंगा ला खेवत रहिन, त यीसू ह सुत भुलाईस। तब झील के ऊपर एक आंधी चलसि, अऊ डोंगा ह पानी ले भरे लगसि, अऊ ओमन बड़े जोखिम म पड़ गीन।

24चेलामन यीसू करा गीन अऊ ओला ए कहकि उठाईन, “मालकि, मालकि, हमन पानी म बुड़इया हवन।”

यीसू ह उठसि, अऊ आंधी अऊ उफनत पानी ला दबकारसि। ओमन थम गीन अऊ जम्मो ह सांत हो गीस। 25तब यीसू ह अपन चेलामन ले कहसि, “तुम्हर बसिवास ह कहां हवय?”

ओमन म डर हमा गे अऊ अचम्भो करके एक-दूसर ला कहनि, “एह कोन ए? एह आंधी अऊ पानी ला घलो हुकूम देथे अऊ ओमन एकर बात ला मानथें।”

### यीसू ह परेत आतमा के धरे एक मनखे ला बने करथे

(मत्ती 8:28-34; मरकुस 5:1-20)

26ओमन डोंगा ला खेवत गरिसेनीमन के इलाका म हबरनि, जऊन ह झील के ओ पार, गलील के उल्टा दगि म हवय। 27जब यीसू ह तीर म उतरसि, त ओला ओ सहर के एक मनखे मलिसि, जऊन म परेत आतमामन रहिन। ओ मनखे ह कतको दिन ले कपड़ा नई पहरित रहिसि अऊ न ही घर म रहत रहिसि, पर ओह कबरमन म रहत रहय। 28जब ओह यीसू ला देखसि, त नरियाईस अऊ यीसू के गोड़ खाल्हे गरिसि, अऊ अबबड़ चचियाके कहसि, “हे यीसू, परम परधान परमेसर के

बेटा! तेंह मोला का करे चाहथस? मेंह तोर ले बनिती करत हंव की मोला दुःख झन दे।” 29काबरकी यीसू ह परेत आतमा ला ओ मनखे म ले बाहरि नकिरे के हुकूम देय रहिसि। कतको बार ले परेत आतमा ह ओला पटके रहिसि, अऊ ओकर हाथ अऊ गोड़ मन ह संकली म बंधाय रहिनि अऊ ओह नगिरानी म रहय, पर ओह संकलीमन ला टोर देवत रहय अऊ परेत आतमा के दुवारा ओह नरिजन जगह म भगाय गे रहय।

30यीसू ह ओकर ले पुछसि, “तोर का नांव ए?”

ओह कहसि, “एक बड़े सेना,” काबरकी बहुंत परेत आतमामन ओम हमाय रहय। 31ओ परेत आतमामन यीसू ले बनिती करनि की ओह ओमन ला अथाह कुन्ड म जाय के हुकूम झन देवय।

32उहां पठार कोर्ता सुरामन के एक बड़े खेरखा ह चरत रहय। परेत आतमामन यीसू ले बनिती करनि की ओह ओमन ला सुरामन म जावन दे अऊ ओह ओमन ला जावन दीस। 33तब परेत आतमामन ओ मनखे ले बाहरि नकिरनि, अऊ सुरामन म हमा गीन, अऊ जम्मो सुरामन के खेरखा ह तीर म नकिरे पथरा अंग ले झील म कूदसि अऊ बुड़ मरसि।

34जब सुरा चरइयामन ए घटना ला देखनि, त ओमन भाग गीन, अऊ सहर अऊ गांव-गंवई म एकर बारे म बताईन। 35तब जऊन कुछू होय रहिसि, ओला देखे बर मनखेमन बाहरि नकिरनि। जब ओमन यीसू करा आईन, त ओमन ओ मनखे ला जऊन म ले परेत आतमामन नकिरे रहिनि, यीसू के गोड़ करा बईठे देखनि। ओह कपड़ा पहिर रहय अऊ अपन सही दमाग म रहय; अऊ ओमन डर्रा गीन। 36जऊन मन ए जम्मो ला अपन आंखी ले देखे रहिनि, ओमन मनखेमन ला बताईन की परेत आतमा के धरे मनखे ह कइसने चंगा होईस। 37तब गरिसेनी इलाका के जम्मो मनखेमन यीसू ला कहनि की ओह उहां ले चले जावय, काबरकी ओमन बहुंत

डर्रा गे रहिनि। एकरसेती ओह डोंगा में चघसि अऊ चले गीस।

38जऊन मनखे ले परेत आतमामन नकिरे रहिनि, ओह यीसू ले बनिती करसि, “मोला तोर संग जावन दे।” पर यीसू ह ओला ए कहकिं बंदि करसि, 39“अपन घर ला लहुंट जा, अऊ मनखेमन ला बता की परमेसर ह तोर बर कतेक बड़े काम करे हवय।” ओ मनखे ह चले गीस अऊ जम्मो सहर म बताईस की यीसू ह ओकर बर कतेक बड़े काम करसि।

**एक मरे दूरी अऊ एक बेमार माईलोगन**

(मत्ती 9:18-26; मरकुस 5:21-43)

40जब यीसू ह झील के ओ पार वापसि लहुंटसि, त मनखेमन के एक भीड़ ह ओकर सुवागत करसि, काबरकी ओ जम्मो झन ओकर बाट जोहत रहिनि। 41तभे, याईर नांव के एक मनखे, जऊन ह सभा घर के एक अधिकारी रहिसि, आईस अऊ यीसू के गोड़ खाल्हे गरिके बनिती करसि की यीसू ह ओकर घर म आवय, 42काबरकी ओकर बारह बछर के एके झन बेटी ह मरइया रहिसि।

जब यीसू ह जावत रहिसि, त ओह भीड़ के मारे दबे जावत रहय। 43अऊ उहां एक झन माईलोगन रहय, जऊन ला बारह बछर ले लहू बहे के बेमारी रहिसि, पर ओला कोनो बने नई कर सके रहिनि। 44ओह यीसू के पाछू ले आईस अऊ ओकर कपड़ा के छोर ला छुईस, अऊ तुरते ओकर लहू बहई बंद हो गीस।

45यीसू ह पुछसि, “मोला कोन ह छुईस?” जब ओ जम्मो झन इनकार करनि, तब पतरस ह कहसि, “हे मालकि, मनखेमन तोर चारों कोर्ता हवय अऊ तोर ऊपर गरि पड़त हवय।”

46पर यीसू ह कहसि, “कोनो मोला छुए हवय, काबरकी मेंह जानत हंव की मोर म ले सामरथ नकिरे हवय।”

47जब ओ माईलोगन ह देखसि की ओह छुपे नई रह सकय, तब ओह कांपत आईस

अऊ यीसू के गोड़ खाल्हे गरिसि। अऊ जम्मो मनखेमन के आघू म ओह बताईस की काबर ओह यीसू ला छुईस अऊ कइसने ओह तुरते चंगा हो गीस। 48तब यीसू ह ओला कहसि, “बेटी, तोर बसिवास ह तोला ठीक करे हवय। सांति म जा।”

49जब यीसू ह ओकर ले गोठियावत रहिसि, त एक झन मनखे सभा घर के अधिकारी याईर के घर ले आईस अऊ कहसि, “तोर बेटी ह काल कर दारसि, गुरू ला अऊ तकलीफ झन दे।”

50एला सुनके, यीसू ह याईर ला कहसि, “झन डर; सरिपि बसिवास रख, त ओह बंच जाही।”

51जब यीसू ह याईर के घर म आईस, त ओह पतरस, यूहन्ना, याकूब अऊ लइका के दाई-ददा ला छोड़के अऊ एको झन ला अपन संग भीतर नई आवन दीस। 52जम्मो मनखेमन ओ लइका बर रोवत अऊ दुःख मनावत रह्यं। यीसू ह कहसि, “झन रोवव, काबरकिलइका ह मरे नई ए, पर ओह सुतत हवय।”

53ओमन ए बात ला जानत रहिन की ओ टूरी ह मर गे हवय, एकरसेति ओमन यीसू के ऊपर हंसे लगनि। 54पर यीसू ह टूरी के हांथ ला पकड़सि अऊ कहसि, “हे मोर लइका, उठ!” 55ओ टूरी के परान लहुंट आईस, अऊ तुरते ओह ठाढ़ हो गीस। तब यीसू ह ओमन ला कहसि की ओला कुछू खाय बर देवय। 56ओकर दाई-ददा चकति हो गीन, पर यीसू ह ओमन ला ए हुकूम दीस की जऊन कुछू होय रहिसि, ओकर बारे म कोनो ला झन बतावयं।

### यीसू ह बारह चेलामन ला पठोथे

(मत्ती 10:5-15; मरकुस 6:7-13)

9 यीसू ह अपन बारह प्रेरतिमन ला एक संग बलाईस, अऊ ओह ओमन ला जम्मो परेत आतमापन ला नकिरे अऊ बेमारीमन ला ठीक करे के सामरथ अऊ अधिकार दीस, 2अऊ ओह ओमन ला परमेसर के राज के परचार करे बर अऊ बेमरहामन

ला बने करे बर पठोईस। 3ओह ओमन ला कहसि, “डहार बर कुछू झन लेवव—न चले के लउठी, न झोला, न रोटी, न रूपिया-पईसा, अऊ न अतकहिा कुरता रखव। 4जऊन घर म तुमन जाथव, उहेंच ठहरव जब तक की ओ सहर ले बदिा नई होवव। 5अऊ जहिं मनखेमन तुमन ला गरहन नई करय, त जब ओ सहर ले जावव, त अपन गोड़ के धूरा ला झार देवव ताकीएह ओमन के बरिोध म एक गवाही होवय।” 6चेलामन उहां ले चल दीन, अऊ ओमन गांव-गांव म सुघर सदेस के परचार करत अऊ हर एक जगह मनखेमन ला बेमारी ले ठीक करत गीन।

7गलील म राज करइया हेरोदेस ह जऊन कुछू होवत रहय, ओ जम्मो के बारे म सुनसि, त ओह दुग्धा म पड़ गीस, काबरकी कुछू मनखेमन कहत रहिन की यूहन्ना ह मरे मन ले जी उठे हवय; 8आने मन कहत रहिन की एलियाह ह परगट होय हवय, जबकी अऊ आने मन कहय की बहुत पहिली के अगमजानीमन ले एक झन जी उठे हवय। 9पर हेरोदेस ह कहसि, “मेंह यूहन्ना के मुड़ ला कटवाय रहेंव। पर ए मनखे कोन ए, जेकर बारे म मेंह अइसने बात सुनत हवेंव।” अऊ ओह यीसू ला देखे के कोससि करसि।

### यीसू ह पांच हजार मनखेमन ला खाना खवाथे

(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; यूहन्ना 6:1-14)

10जब प्रेरतिमन लहुंटके आईन, त जऊन कुछू ओमन करे रहिन, ओ जम्मो बात यीसू ला बताईन। तब यीसू ह ओमन ला अपन संग लीस अऊ ओमन बैतसैदा नांव के एक सहर म चल दीन। 11पर मनखेमन के भीड़ ला ए बात के पता चल गीस अऊ ओमन ओकर पाछू गीन। यीसू ह ओमन के सुवागत करसि अऊ ओमन ले परमेसर के राज के बारे म गोठियाय लगसि अऊ जऊन मन बेमारी ले बने होय चाहत रहिन, ओमन ला चंगा करसि।

12जब बेरा ह ढरक गे, तब बारहों चेलामन यीसू करा आके कहनि, “ए भीड़ ला जावन दे

ताकि ओमन आस-पास के गांव अऊ बस्ती म जावयं, अऊ अपन खाय अऊ रहे के परबन्ध करयं, काबरकी हमन इहां सुनसान जगह म हवन।”

13पर यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन ओमन ला कुछू खाय बर देवव।”

ओमन कहनि, “हमर करा सरिपि पांच ठन रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय। का तेंह चाहथस की हमन जाके ए जम्मो भीड़ बर खाना बसोवन?” 14(उहां करीब पांच हजार मरद रहनि।)

पर यीसू ह अपन चेलामन ला कहसि, “मनखेमन ला करीब पचास-पचास के दल बनाके बईठा देवव।” 15चेलामन अइसनेच करनि अऊ ओमन जम्मो झन ला बईठा दीन। 16तब यीसू ह पांचों रोटी अऊ दूनों मछरी ला लीस अऊ स्वरग कोत देखके ओह परमेसर ला धनबाद दीस, अऊ रोटी अऊ मछरी मन ला टोरसि अऊ चेलामन ला देवत गीस की ओमन मनखेमन ला परोसय। 17ओ जम्मो झन खाके अघा गीन, अऊ चेलामन बांचे कुटकामन के बारह टुकना भर के उठाईन।

### पतरस के यीसू ला स्वीकार करई

(मत्ती 16:13-20; मरकुस 8:27-30)

18एक दिन यीसू ह एके झन पराथना करत रहिसि अऊ ओकर चेलामन ओकर संग रहनि, त ओह ओमन ले पुछसि, “मनखेमन मोला कोन ए कहथि?”

19ओमन जबाब दीन, “कुछू मनखेमन कहथि—यूहन्ना बतसिमा देवइया; पर आने मन कहथि—एलियाह; जबकी अऊ आने मन कहथि कबिहुंत पहिली के अगमजानीमन ले एक झन जी उठे हवय।”

20यीसू ह ओमन ले पुछसि, “पर तुमन मोला कोन ए कहथिव?”

पतरस ह जबाब दीस, “तेंह परमेसर के मसीह अस।”

21यीसू ह ओमन ला बने करके चेताके कहसि की ओमन ए बात कोनो ला झन बतावयं। 22अऊ ओह कहसि, “एह जरूरी ए की मनखे के बेटा ह बहुंत दुःख भोगय अऊ

अगुवा, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन के दुवारा तरिस्कार करे जावय, अऊ जरूरी ए की ओह मार डारे जावय अऊ तीसरा दिन जी उठय।”

23अऊ ओह ओ जम्मो झन ला कहसि, “यदी कोनो मोर पाछू आय चाहथे, त एह जरूरी ए की ओह अपन ईछामन ला मारय अऊ हर दिन दुःख उठाय के मन रखय अऊ मोर पाछू चलय। 24काबरकी जऊन कोनो अपन जनिगी ला बचाय चाहथे, ओह ओला गंवाही, पर जऊन कोनो मोर बर अपन जनिगी ला गंवाय चाहथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पाही। 25यदी एक मनखे ह जम्मो संसार ला पा जाथे, पर परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी ला गंवा देथे, त ओला का लाभ? 26यदी कोनो मोर ले अऊ मोर बचन ले लजाथे, त मनखे के बेटा घलो ओकर ले लजाही, जब ओह अपन महिमा अऊ ददा अऊ पबतिर स्वरगदूतमन के महिमा के संग आही। 27मेंह तुमन ला सच कहत हंव, इहां कुछू झन ठाढ़े हवयं, ओमन जब तक परमेसर के राज ला नई देख लहीं, तब तक ओमन नई मरयं।”

### यीसू के रूप बदलथे

(मत्ती 17:1-8; मरकुस 9:2-8)

28यीसू के ए कहे के करीब आठ दिन के बाद, ओह पतरस, यूहन्ना, अऊ याकूब ला अपन संग लीस अऊ एक ठन पहाड़ म पराथना करे बर गीस। 29जब ओह पराथना करत रहिसि, त ओकर चेहरा के रूप ह बदल गीस अऊ ओकर कपड़ा ह पंडरा होके बहुंत चमके लगसि। 30अऊ दू झन मनखे मूसा अऊ एलियाह महिमा म परगट होईन अऊ यीसू संग गोठियावत रहनि। 31ओमन यीसू के मरे के समय के बारे म बातचीत करत रहनि, जऊन ला यीसू ह यरूसलेम म पूरा करइया रहिसि। 32पतरस अऊ ओकर संगवारीमन बहुंत नींद म रहयं, पर जब ओमन जागनि, त ओमन यीसू के महिमा अऊ दू झन मनखे ला ओकर संग ठाढ़े देखनि। 33जब दूनों मनखे ओकर करा ले जाय लगनि, तब पतरस ह

यीसू ला कहसि, “हे मालकि, हमन के इहां रहई बने ए। हमन तीन ठन मंडप बनाथन— एक तोर बर, एक मूसा बर अऊ एक ठन एलियाह बर।” (ओह नई जानय कि ओह का कहत रहिसि।)

34 जब ओह गोठियावत रहिसि, त एक बादर आईस अऊ ओमन ला ढांप लीस अऊ ओमन डर्रा गीन जब ओमन बादर म हमाईन। 35 बादर म ले ए अवाज आईस, “एह मोर बेटा ए, जऊन ला मेंह चुने हवंव; एकर बात ला सुनव।” 36 जब अवाज ह बंद हो गीस, त ओमन यीसू ला एके झन पाईन। चेलावन ए बात ला अपन म रखनि, अऊ जऊन कुछू ओमन देखे रहिनि, ओला ओ समय कोनो ला नई बताईन।

**यीसू ह परेत आतमा धरे एक दूरा ला बने करथे**

(मत्ती 17:14-18; मरकुस 9:14-27)

37 दूसर दिन जब ओमन पहाड़ ले उतरनि, त एक बड़े भीड़ ह यीसू ले मिलिसि। 38 भीड़ म ले एक मनखे ह चंचियाके कहसि, “हे गुरू, मेंह तोर ले बनिती करत हंव कि मोर बेटा ला देख; ओह मोर एके झन लइका ए। 39 एक परेत आतमा ओला पकड़थे अऊ ओह अचानक चंचियाथे; ओह ओला अइसने अइंठथे कि ओकर मुहूं ले झाग नकिरथे; ओह ओला मुसकुल से छोड़थे अऊ ओह ओला नास करत हवय। 40 मेंह तोर चेलावन ले बनिती करेवं कि ओमन ओला नकार देवंय, पर ओमन ओला नई नकार सकनि।”

41 यीसू ह जबाब दीस, “ए अबसिवासी अऊ ढीठ पीढ़ी के मन, कब तक मेंह तुम्हर संग रहिहूं अऊ तुम्हर सहत रहिहूं? तोर बेटा ला इहां लान।”

42 जब छोकरा ह आवत रहिसि, त परेत आतमा ह ओला भुइयां म पटकके अइंठसि। पर यीसू ह परेत आतमा ला दबकारसि अऊ ओ छोकरा ला बने करसि अऊ ओला ओकर ददा ला सऊंप दीस। 43 अऊ ओमन जम्मो झन परमेसर के महान सामरथ ला देखके चकति हो गीन।

जब जम्मो झन यीसू के काम ला देखके अचम्भो करत रहिनि, त ओह अपन चेलावन ला कहसि, 44 “जऊन बात मेंह तुमन ला कहइया हंव, ओला धियान देके सुनव: मनखे के बेटा ह मनखेवन के हांथ म सऊंपे जवइया हवय।” 45 पर ओमन नई जाननि कि एकर का मतलब ए। एला ओमन ले छुपाय गे रहिसि, ताकि ओमन एला झन समझय अऊ ओमन एकर बारे म यीसू ले पुछे बर डर्रावत रहिनि।

**सबले बड़े कोन ए?**

(मत्ती 18:1-5; मरकुस 9:33-37)

46 चेलावन के बीच म ए बहस होय लगसि कि ओमन म सबले बड़े कोन होही? 47 यीसू ह ओमन के मन के बंचार ला जानके, एक छोटे लइका ला लीस अऊ अपन बाजू म ठाढ़ करसि 48 अऊ ओमन ला कहसि, “जऊन कोनो ए छोटे लइका ला मोर नांव म गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे; अऊ जऊन कोनो मोला गरहन करथे, ओह ओला गरहन करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। काबरकि जऊन ह तुम्हर जम्मो झन के बीच म सबले छोटे ए, ओही ह सबले बड़े ए।”

49 यूहन्ना ह कहसि, “हे मालकि, हमन एक मनखे ला तोर नांव म परेत आतमावन ला नकारत देखेन अऊ हमन ओला अइसने करे बर मना करेन, काबरकि ओह हमन म ले नो हय।”

50 यीसू ह कहसि, “ओला झन रोकव, काबरकि जऊन ह तुम्हर बरिध म नई ए, ओह तुम्हर कोर्ता हवय।”

**सामरी मनखेवन यीसू के बरिध करथे**

51 जब यीसू के स्वरग म उठाय जाय के दिन ह लकठा आईस, त ओह यरूसलेम जाय बर पूरा ठान लीस, 52 अऊ ओह अपन आघू सदेसियामन ला पठोईस। ओमन सामरीवन के एक ठन गांव म गीन कि यीसू बर जम्मो चीज ला तयार करंय, 53 पर मनखेवन उहां यीसू ला स्वीकार नई करनि, काबरकि ओह यरूसलेम जावत रहिसि। 54 जब यीसू के चेला याकूब अऊ यूहन्ना एला देखनि, त ओमन

कहनि, “हे परभू का तेंह चाहथस कि हमन हुकूम देवन कि अकास ले आगी गरिय अऊ ए सामरीमन ला नास कर देवय।” 55पर यीसू ह पलटसि अऊ ओमन ला दबकारसि, 56अऊ ओमन आने गांव ला चल दीन।

### यीसू के पाछू चले के कीमत

(मत्ती 8:19-22)

57जब ओमन डहार म जावत रहिन, त एक मनखे ह यीसू ला कहसि, “तेंह जहां कहां घलो जाबे, मेंह तोर पाछू-पाछू चलहूँ।”

58यीसू ह ओला कहसि, “कोलहिामन के बलि अऊ अकास के चरिईमन के बसेरा हवय, पर मनखे के बेटा के मुड़ ला थेबे बर घलो जगह नइ ए।”

59यीसू ह आने मनखे ला कहसि, “मोर पाछू हो ले।”

पर ओ मनखे ह जबाब दीस, “हे परभू, पहिली मोला जावन दे कि मेंह अपन मरे ददा ला माटी दे देवं।”

60यीसू ह ओला कहसि, “मुरदामन ला छोड़ कि ओमन अपन मरे मन ला माटी देवं, पर तेंह जा अऊ परमेसर के राज के परचार कर।”

61एक अऊ मनखे ह कहसि, “मेंह तोर पाछू चलहूँ, परभू; पर पहिली मोला जावन दे कि मेंह अपन परिवार के मनखेमन ले बिदा होके आवं।”

62यीसू ह ओला कहसि, “जऊन कोनो नांगर जोते के सुरू करथे अऊ बार-बार पाछू ला देखथे, ओह परमेसर के राज के लइक नो हय।”

### यीसू ह बहततर झन ला पठोथे

**10** एकर बाद, परभू ह अऊ बहततर मनखेमन ला चुनसि। जऊन-जऊन सहर अऊ जगह म ओह खुदे जवइया रहिसि, उहां ओमन ला दू-दू झन करके अपन आघू पठोईस। 2यीसू ह ओमन ला कहसि, “पके फसल लुए बर बहुंत हवय, पर बनहियारमन कम हवय। एकरसेति, खेत के मालकि से बनिती करव कि ओह अपन पके फसल लुए

बर बनहियारमन ला पठोवय। 3जावव! मेंह तुमन ला मेढा पीलामन सहीं भेड़ियामन के बीच म पठोवत हंव। 4अपन संग म पईसा रखे के थैली या झोला या पनही झन लेवव; अऊ डहार म कोनो ला जोहार झन करव।

5जब तुमन कोनो घर म जावव, त पहिली ए कहव, ‘ए घर म सांति होवय,’ 6यदी उहां कोनो सांति के लइक होही, त तुम्हर सांति ओकर ऊपर ठहरही, नइ तो एह तुम्हर करा वापसि आ जाही। 7ओहीच घर म ठहरव, अऊ जऊन कुछू ओमन तुमन ला देखें—खावव अऊ पीयव, काबरकि बनहियार ला ओकर बनी मलिना चाही। घर-घर झन फरित रहव।

8जब तुमन कोनो सहर म जावव अऊ मनखेमन उहां तुम्हर सुवागत करथें, त जऊन कुछू तुमन ला परोसे जावय, ओला खावव। 9उहां के बेमार मनखेमन ला बने करव अऊ ओमन ला कहव, ‘परमेसर के राज ह तुम्हर लकठा म आ गे हवय।’ 10पर जब तुमन कोनो सहर म जावव अऊ मनखेमन उहां तुम्हर सुवागत नइ करंय, त उहां के सड़कमन म जावव अऊ कहव, 11‘अऊ त अऊ तुम्हर सहर के धूरा ला घलो जऊन ह हमर गोड़ म लगे हवय, हमन तुम्हर बरिोध म झर्रा देवत हवन। तभो ले तुमन एला नसिंचति रूप से जान लेवव कि परमेसर के राज ह लकठा म आ गे हवय।’ 12मेंह तुमन ला कहत हंव कि नियाय के दिन म परमेसर ह सदोम सहर के ऊपर जादा दया करही, एकर बनसिपत कि ओ सहर ऊपर।

13खुराजीन के मनखेमन, तुम्हर ऊपर धक्कार ए! बैतसैदा के मनखेमन, तुम्हर ऊपर धक्कार ए! काबरकि जऊन चमतकार के काम तुमन म करे गीस, यदी एह सूर अऊ सैदा सहरमन म करे गे होतसि, त उहां के रहइयामन बहुंत पहिली टाट ओढ़के, राख म बईठके पछताप कर चुके होतनि। 14पर परमेसर ह नियाय के दिन सूर अऊ सैदा सहर के मनखेमन ऊपर जादा दया करही, एकर बनसिपत कि तुम्हर ऊपर। 15अऊ तुमन, कफरनहूम के मनखेमन, का तुमन ला

स्वर्ग तक ऊपर उठाय जाही? नई, तुमन ला खालहे नरक म लाने जाही।”

16यीसू ह अपन चेलामन ला कहसि, “जऊन कोनो तुम्हर बात ला सुनथे, ओह मोर बात ला सुनथे। जऊन कोनो तुमन ला स्वीकार नई करय, ओह मोला स्वीकार नई करय; अऊ जऊन कोनो मोला स्वीकार नई करय, ओह परमेसर ला स्वीकार नई करय, जऊन ह मोला पठोय हवय।”

17बाद म, जब ओ बहत्तर मनखेमन आनंद सहति लहुंतिन अऊ कहनि, “हे परभू, अऊ त अऊ परेत आतमामन हमर बस म हो गीन, जब हमन ओमन ला तोर नांव म हुकूम देन।”

18यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह सैतान ला बजिली सहीं स्वर्ग ले गरित देखेंव।

19सुनव! मेंह तुमन ला अधिकार दे हवंव कि तुमन सांप अऊ बचिछू मन ला गोड़ ले कुचरव अऊ सैतान के जम्मो सकृति ऊपर जय पावव, अऊ कोनो चीज ले तुम्हर हानि नई होही। 20पर ए बात खातिर आनंद झन मनावव कि परेत आतमामन तुम्हर बस म हो जाथें, पर ए बात खातिर आनंद मनावव कि तुम्हर नांव ह स्वर्ग म परमेसर के कतिाब म लिखाय हवय।”

21ओही बेरा यीसू ह पबतिर आतमा के दुवारा आनंद ले भर गीस अऊ कहसि, “हे ददा, स्वर्ग अऊ धरती के परभू, मेंह तोर धनबाद करथं, काबरकि तेंह ए बातमन ला गियानी अऊ समझदार मन ले लुका के रखय, पर छोटे लइकामन सहीं बसिवासीमन ऊपर ए बात ला परगट करय। हां ददा, एह तोर खुद के ईछा अऊ खुसी के कारन होईस।

22मोर ददा ह मोला जम्मो चीज ला सऊं प दे हवय। कोनो नई जानंय कि बेटा ह कोन ए। एला सरिपि ददा ह जानथे, अऊ कोनो नई जानंय कि ददा ह कोन ए। एला सरिपि बेटा अऊ ओमन जानथें, जऊन मन ला बेटा ह चुनथे कि अपन ददा ला ओमन ऊपर परगट करय।”

23तब यीसू ह अपन चेलामन कोति मुहूं करके ओमन ला चुपेचाप कहसि, “धइन

एं ओ मनखेमन, जऊन मन ए चीजमन ला देखथें, जऊन ला तुमन देखत हवव। 24काबरकि मेंह तुमन ला कहथं कि बहुंत अगमजानी अऊ राजा मन चाहनि कि जऊन बात ला तुमन देखत हवव, ओला देखंय, पर ओमन देख नई सकनि, अऊ ओमन चाहनि कि जऊन बात ला तुमन सुनत हव, ओला सुनंय, पर ओमन सुन नई सकनि।”

### दयालु सामरी मनखे के पटंटर

25एक बार अइसने होईस कि मूसा के कानून के एक जानकार ह ठाढ़ होईस अऊ यीसू ला परखे बर ओह कहसि, “हे गुरू, परमेसर के संग सदा-काल के जनिगी पाय बर मेंह का करंव।”

26यीसू ह ओला कहसि, “मूसा के दुवारा लिखे कानून ह का कहथि? तेंह एला कइसने समझथस?”

27ओ मनखे ह जबाब दीस, “तेंह परभू अपन परमेसर ला अपन जम्मो हरिदय ले, अपन जम्मो परान ले, अपन जम्मो ताकत ले अऊ अपन पूरा मन सहति मया कर अऊ तेंह अपन पड़ोसी ला अपन सहीं मया कर।”

28यीसू ह कहसि, “तेंह सही जबाब दे हवस, अइसनेच कर, त तेंह जीयत रहबि।”

29पर ओ मनखे ह अपन-आप ला सही बताय चाहत रहिसि, एकरसेति ओह यीसू ले पुछसि, “मोर पड़ोसी कोन ए?”

30यीसू ह ए जबाब दीस, “एक मनखे ह यरूसलेम सहर ले यरीहो सहर जावत रहिसि अऊ डहार म ओह डाकूमन के हांथ म पड़ गीस। डाकूमन ओकर कपड़ा ला उतार लीन, ओला मारनि-पीटनि अऊ ओला अधमरहा छोंड़के चले गीन। 31अइसने होईस कि एक पुरोहित ह ओहीच डहार म जावत रहय, अऊ जब ओह ओ मनखे ला उहां पड़े देखसि, त ओह आने कोतिले कतरा के नकिर गीस। 32अइसनेच एक लेवी घलो उहां आईस अऊ ओ मनखे ला देखसि, अऊ आने कोतिले कतरा के चल दीस। 33पर एक सामरी मनखे जऊन ह ओ डहार म जावत रहिसि; ओ मनखे करा हबरसि, अऊ जब ओला



देखसि, त ओ सामरी मनखे ला ओकर ऊपर दया आईस। 34 ओह ओकर करा गीस अऊ ओकर घावमन म तेल अऊ अंगूर के मंद डारके ओम पट्टी बांधसि। तब ओह ओ मनखे ला अपन खुद के गदहा ऊपर चघाईस अऊ ओला एक ठन धरमसाला म ले गीस अऊ ओकर देखभाल करसि। 35 दूसर दिन ओह दू ठन दीनार नकारिस अऊ ओला धरमसाला के रखवार ला देके कहसि, 'तैं एकर देखभाल कर, अऊ जब मेंह लहुंठके आहूँ, त तोर जऊन अतकहिा खरचा ओकर ऊपर होही, तोला वापसि कर दूहूँ।' "

36 अब यीसू ह कानून के जानकार ले पुछसि, "तोर बचिार म, ओ तीनों म ले कोन ह ओ मनखे के पड़ोसी होईस, जऊन ह डाकूमन के हांथ म पड़ गे रहिसि?"

37 कानून के जानकार ह कहसि, "ओ मनखे जऊन ह ओकर ऊपर दया करसि।" यीसू ह ओला कहसि, "तैंह जा अऊ वइसनेच कर।"

### यीसू ह मारथा अऊ मरयिम के घर जाथे

38 यीसू अऊ ओकर चेलावन जावत रहिन, त ओमन एक गांव म आईन। उहां मारथा नांव के एक माईलोगन ह ओला अपन घर म ठहराईस। 39 ओकर मरयिम नांव के एक बहनी रहिसि, जऊन ह परभू के गोड़ खाल्हे बईठके ओकर उपदेस ला सुनत रहिसि। 40 पर मारथा ह बहुते काम करत बचिलति हो गीस; अऊ ओह परभू करा आके कहसि, "हे परभू, का तोला कुछू धयान नई ए की मोर बहनी ह मोला काम करे बर एके झन छोंड़ दे हवय? ओला कह की ओह मोर मदद करय।"

41 परभू ह ओला जबाब दीस, "मारथा, हे मारथा, तैंह बहुते बातमन के बसिय म चर्ति करथस अऊ परेसान होथस, 42 पर सरिपि एके ठन बात के जरूरत हवय। मरयिम ह उत्तम भाग ला चुन ले हवय, अऊ एला ओकर ले अलग नई करे जावय।"

### पराथना के बसिय म यीसू ह बताथे

(मत्ती 6:9-13)

**11** एक दिन यीसू ह एक जगह म पराथना करत रहिसि। जब ओह पराथना कर लीस, त ओकर एक झन चेला ह ओला कहसि, "हे परभू, जइसने यूहन्ना बतसिमा देवइया ह अपन चेलावन ला पराथना करे बर सखिओ रहिसि, वइसने तैंह घलो हमन ला पराथना करे बर सीखा।"

2 यीसू ह ओमन ला कहसि,

"जब तुमन पराथना करव,  
त अइसने कहव:

हे ददा, तोर पबतिर नांव के आदर  
होवय,

तोर राज आवय।

3 हमन ला दिन ब दिन हमर भोजन दे।

4 हमन ला हमर पाप के छेमा दे,

काबरकि जऊन मन हमर बरिदूध

पाप करथें, ओमन ला हमन छेमा  
करथन।

अऊ हमन ला लालच म झन पड़न दे।"

5 तब यीसू ह अपन चेलावन ले कहसि, "मान लव, तुमन ले एक झन के एक संगवारी हवय अऊ ओह अपन संगवारी करा आधा रतहिा जाके कहथि, 'ए संगवारी, मोला तीन ठन रोटी उधार देय दे, 6 काबरकि एक झन मोर संगवारी ह कहीं जावथे अऊ ओह अभीच मोर करा आय हवय, अऊ मोर करा ओला खवाय बर कुछू नई ए।'

7 तब भीतर ले ओह जबाब देथे, 'मोला परेसान झन कर। कपाट म ताला लग चुके हवय, अऊ मोर लइकामन मोर संग खटिया म हवय। एकरसेर्ति मेंह उठके तोला कुछू नई दे सकंवा।' 8 मेंह तुमन ला कहत हंव, हालांकि एक संगवारी के रूप म ओह उठके ओला रोटी नई दहिी, पर लाज-सरम ला छोंड़के ओकर मांगे के कारन, ओह उठही अऊ ओकर जरूरत के मुताबिक ओला दहिी।

9 एकरसेर्ति, मेंह तुमन ला कहत हंव: मांगव, त तुमन ला दयि जाही; खोजव, त तुमन पाहू; खटखटावव, त कपाट ह तुम्हर

बर खोले जाही। 10काबरकजऊन ह मांगथे, ओला मलिथे; जऊन ह खोजथे, ओह पाथे; अऊ जऊन ह खटखटाथे, ओकर बर कपाट ह खोले जाथे।

11तुमन ले अइसने कोन ददा होही कि कहूं ओकर बेटा एक ठन मछरी मांगय, त बदले म ओह ओला सांप दही? 12या कहूं ओह एक ठन अंडा मांगय, त ओह ओला बचिछू दही? 13जब तुम्हर सही खराप मनखेमन अपन लइकामन ला बने चीज देय बर जानथव, तब तुम्हर स्वरग के ददा ह कतेक जादा ओमन ला पबतिर आतमा दही, जऊन मन ओकर ले मांगथें।”

### यीसू अऊ परेत आतमामन के नेता

#### बालजबूल

(मत्ती 12:22-30; मरकुस 3:20-27)

14यीसू ह एक कौदा परेत आतमा ला नकिरार रहिसि। जब परेत आतमा ह नकिर गीस, त कौदा मनखे ह गोठियाय लगसि, अऊ मनखेमन अचमभो करनि। 15पर ओम ले कुछू झन कहनि, “एह बालजबूल नांव के परेत आतमामन के मुखिया के सक्ती ले परेत आतमामन ला नकिरार हवय।” 16आने मन ओला परखे बर स्वरग ले कोनो चनिहां देखाय बर कहनि।

17यीसू ह ओमन के बचिार ला जानत रहिसि, एकरसेती ओह ओमन ला कहसि, “कोनो राज म फूट पड़ जावय, त ओह नास हो जाही। अऊ वइसनेच कोनो परवार म फूट पड़ जावय, त ओह अलग-अलग हो जाही। 18एकरसेती कहूं परेत आतमामन एक-दूसर के संग लइहीं, तब ओकर राज ह कइसने बने रह सकथे? मेंह ए बात कहत हंव काबरकि तुमन कहथिव कि मेंह बालजबूल के सक्ती ले परेत आतमामन ला नकिरार्थव। 19यदि मेंह बालजबूल के सक्ती ले परेत आतमामन ला नकिरार्थव, तब तुम्हर चेलामन परेत आतमामन ला काकर सक्ती ले नकिरार्थे? एकरसेती ओहीच मन तुम्हर नियाय करहीं। 20पर यदि मेंह परमेसर के सामरथ ले परेत

आतमामन ला नकिरार्थव, त फेर परमेसर के राज ह तुम्हर करा आ गे हवय।

21जब एक बलवान मनखे, अपन जम्मो हथियार सहति अपन घर के रखवारी करथे, तब ओकर संपत्ती ह सही सलामत रहति। 22पर जब कोनो ओकर ले बलवान मनखे ओकर ऊपर चढ़ई करथे अऊ ओला काबू म कर लेथे, तब ओह ओ घरवाला के जम्मो हथियार जेकर ऊपर ओकर भरोसा रहिसि, छीन लेथे, अऊ ओह लूट के संपत्ती ला बांट देथे।

23जऊन ह मोर संग नई ए, ओह मोर बरिध म हवय, अऊ जऊन ह मोर संग नई संकेलय, ओह बछिराथे।

24जब कोनो परेत आतमा ह कोनो मनखे ले नकिरथे, त ओह अराम करे के जगह खोजत, बंजर जगहमन म जाथे, अऊ जब ओला जगह नई मलिय, तब अपन-आप ले कहथि, ‘मेंह वापसि ओ घर म लहुंट जाहूं, जऊन ला मेंह छोड़ दे रहेंव।’ 25जब ओह लहुंटके आथे, त ओह ओ मनखे ला ओ घर सही पाथे, जऊन ला कोनो साफ-सुथरा अऊ सही ढंग ले रखे हवय। 26तब ओह जाथे अऊ अपन ले घलो जादा खराप सात ठन आने आतमामन ला ले आथे, अऊ ओमन ओ मनखे म जाथें अऊ उहां रहथि। अऊ ओ आदमी के दसा ह पहिली ले अऊ जादा खराप हो जाथे।”

27जब यीसू ह ए बातमन ला कहत रहिसि, त भीड़ म ले एक माईलोगन ह चर्चियाके कहसि, “धइन ए ओ दाई, जऊन ह तोला जनम दीस अऊ तोला अपन गोरस पीयाईस।”

28पर यीसू ह कहसि, “हव! पर जादा धइन ओ मनखेमन अंय, जऊन मन परमेसर के बचन ला सुनथें अऊ ओकर पालन करथें।”

### योना अगमजानी के चनिहां

(मत्ती 12:38-42)

29जब भीड़ ह बढ़त गीस त यीसू ह कहसि, “ए पीढ़ी के मनखेमन खराप अंय। एमन चनिहां के मांग करथें, पर एमन ला योना अगमजानी के चनिहां के छोड़ अऊ कोनो

चनिहां नई दयि जावय। 30जइसने योना अगमजानी नीनवे सहर के मनखेमन बर एक ठन चनिहां रहिसि, वइसने मनखे के बेटा ह ए पीढ़ी के मनखेमन बर एक ठन चनिहां होही। 31दक्खनि दगि के रानी ह नयाय के दिन, ए पीढ़ी के मनखेमन संग उठही अऊ एमन ला दोसी ठहराही, काबरका ओह धरती के ओ छोर ले सुलेमान राजा के बुद्धि के बात ला सुने बर आय रहिसि। अऊ देखव! एक झन इहां सुलेमान राजा ले घलो बड़के हवय। 32नीनवे सहर के मनखेमन नयाय के दिन, ए पीढ़ी के मनखेमन संग उठहीं अऊ एमन ला दोसी ठहराहीं, काबरका ओमन योना अगमजानी के परचार ला सुनि अऊ अपन पाप ले पछताप करनि। अऊ देखव! एक झन इहां योना अगमजानी ले घलो बड़के हवय।”

### देहें के दीया

(मत्ती 5:15; 6:22-23)

33“कोनो घलो मनखे दीया ला बारके नई छुपावय या ओला बड़े कटोरा के खाल्हे म नई रखव। पर ओह दीया ला दीवट ऊपर रखथे, ताका जऊन मन भीतर आवय, ओमन अंजोर ला देखय। 34तोर आंखी ह तोर देहें के दीया सहीं अय। जब तोर आंखीमन ठीक हवय, त तोर जम्मो देहें ह घलो अंजोर ले भरे हवय। पर जब तोर आंखीमन खराप हवय, त तोर देहें ह घलो पूरा अंधियार ले भरे हवय। 35एकरसेतिसचेत रहव कजऊन अंजोर तुमन म हवय, ओह अंधियार नो हय। 36यदतोर जम्मो देहें ह अंजोर ले भरे हवय, अऊ एकर कोनो भाग अंधियार म नई ए, त तोर जम्मो देहें ह अइसने पूरा-पूरी अंजोर हो जाही, जइसने जब कोनो दीया के अंजोर ह तोर ऊपर चमकथे।”

### छै ठन दुःख

(मत्ती 23:1-36; मरकुस 12:38-40)

37जब यीसू ह गोठिया चुकसि, त एक फरीसी ह ओला अपन संग खाना खाव बर नेवता दीस। यीसू ह ओकर घर म गीस अऊ खाव बर बईठसि। 38फरीसी ह ए देखके

अचम्भो करसि कां यीसू ह खाना खाव के पहिली अपन हाथ ला नई धोईस।

39तब परभू ह ओला कहसि, “तुम फरीसीमन कटोरा अऊ बरतन ला बाहरि ले त धोथव, पर तुम्हर भीतर म लालच अऊ बुरई भरे हवय। 40हे मुख मनखेमन! परमेसर जऊन ह बाहरि भाग ला बनाईस, का ओह भीतरी भाग ला घलो नई बनाईस? 41पर बरतन के भीतर के चीज ला गरीबमन ला देवव, अऊ हर एक चीज तुम्हर बर साफ हो जाही।

42हे फरीसीमन! तुमन ला धक्कार ए, काबरका तुमन परमेसर ला अपन पोदीना, सुदाब, अऊ बारी के जम्मो किसिम के साग-भाजी के दसवां भाग ला देथव, पर तुमन नयाय अऊ परमेसर के मया ला टार देथव। तुमन ला चाही कां दूसर काम ला करव अऊ पहिली ला घलो झन छोड़व।

43हे फरीसीमन, तुमन ला धक्कार ए, काबरका तुमन ला सभा घरमन म सबले बने जगह म बईठना अऊ बजारमन म मनखेमन ले जोहार झोंकना, बने लगथे।

44तुमन ला धक्कार ए, काबरका तुमन बगिर चनिहां लगाय कबरमन सहीं अव, जेकर ऊपर मनखेमन बगिर जाने चलथें।”

45कानून के एक जानकार ह यीसू ला कहसि, “हे गुरू, ए बातमन ला कहकि, तेंह हमर घलो बेजत्ती करथस।”

46यीसू ह कहसि, “अऊ हे कानून के जानकारमन! तुमन ला धक्कार ए, काबरका तुमन मनखेमन ला बोझा ले लाद देथव, जऊन ला ओमन बहुंत मुसकुल से उठा सकथें, पर तुमन खुदे ओ बोझा ला उठाय बर अपन एक अंगरी ले घलो ओमन के मदद नई करव।

47तुमन ला धक्कार ए, काबरका तुमन ओ अगमजानीमन के कबर बनाथव, जऊन मन ला तुम्हर पुरखामन मार डारे रहिनि। 48ए किसिम ले तुमन खुदे मान लेथव कां जऊन कुछ तुम्हर पुरखामन करनि, ओह सही रहिसि; काबरका ओमन अगमजानीमन ला मार डारनि, अऊ तुमन ओमन के कबर

बनाथव। 49एकर कारन, परमेसर के बुद्धि ह कहसि, 'मेंह ओमन करा अगमजानी अऊ प्रेरति मन ला पठोहूं। ओम ले कुछू झन ला ओमन मार डारहीं अऊ आने मन ला सताहीं।' 50एकर खातरि, ए पीढ़ी के मनखेमन ओ जम्मो अगमजानीमन के खून के जम्मेदार ठहराय जाहीं, जऊन मन ला संसार के सुरू ले मार डारे गे हवय, 51हाबल के खून ले लेके जकरयाह के खून तक, जऊन ला बेदी अऊ पबतिर जगह के बीच म मारे गे रहिसि। हव, मेंह तुमन ला कहथंव, ए पीढ़ी के मनखेमन ए जम्मो बात के जम्मेदार ठहराय जाहीं।

52कानून के जानकारमन! तुमन ला धक्कार ए, काबरका तुमन गयान के चाबी ला ले लेय हव। तुमन खुद ओकर भीतर नई गेव, अऊ तुमन ओमन ला घलो रोक दे हवव, जऊन मन भीतर जावत रहनि।”

53तब यीसू ह ओ जगह ले चल दीस। ओही बेरा ले फरीसी अऊ कानून के गुरू मन ओकर पाछू पड़के बहुंत बरिध करे लगनि अऊ ओकर ले बहुते चीज के बारे म सवाल करे लगनि। 54असल म ओमन ए ताक म रहंय कि यीसू के मुहूं ले कोनो गलत बात नकिरे अऊ ओमन ओला पकड़ लें।

### चेतउनी अऊ उत्साह

(मत्ती 10:26-27)

**12** इही दौरान हजारों मनखेमन के भीड़ लग गीस अऊ ओमन एक-दूसर ऊपर गरि पड़त रहनि, त यीसू ह पहिली अपन चेलांमन ला कहे के सुरू करसि, “फरीसीमन के खमीर ले सचेत रहव, मतलब कि ओमन के ढोंगीपन ले सचेत रहव। 2कुछू घलो बात ढंके नई ए, जऊन ला खोले नई जाही या कुछू भी बात छपि नई ए, जऊन ला बताय नई जाही। 3एकरसेति, जऊन बात तुमन अंधियार म कहे हवव, ओह दिन के अंजोर म सुने जाही, अऊ जऊन बात तुमन बंद कोठरी म मनखेमन के कान म चुपेचाप कहे हवय, ओला घर के छानी ऊपर ले खुले-आम बताय जाही।

4मोर संगवारीमन, मेंह तुमन ला कहत हंव

कि ओमन ले झन डरव, जऊन मन देहें ला घात करथें अऊ ओकर बाद ओमन अऊ कुछू नई कर सकंय। 5पर मेंह तुमन ला बतावत हंव कि तुमन ला काकर ले डरना चाही। ओकर ले डरव, जेकर करा तुमन ला मारे के बाद नरक म डारे के सामरथ हवय। हव, मेंह तुमन ला कहत हंव, ओकरेच ले डरव। 6पांच ठन गौरइया चरिई कतेक म बकिथे? दू पईसा ले जादा म नई बकिय। तभो ले परमेसर ह ओम ले एको ठन ला नई भूलय। 7अऊ त अऊ तुम्हर मुड़ के जम्मो चुदीमन गने गे हवंय। झन डरव; तुमन गौरइया चरिईमन ले जादा कीमत के अव।

8मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन ह मोला मनखेमन के आघू म मान लेथे, ओला मनखे के बेटा घलो परमेसर के स्वरगदूतमन के आघू म मान लही। 9पर जऊन ह मोला मनखेमन के आघू म इनकार करथे, ओला मनखे के बेटा घलो परमेसर के स्वरगदूतमन के आघू म इनकार करही। 10अऊ जऊन ह मनखे के बेटा के बरिध म कोनो बात कहथि, त ओला माफ करे जाही, पर जऊन ह पबतिर आतमा के बरिध म ननिदा करथे, ओला माफ करे नई जावय।

11जब मनखेमन तुमन ला सभा घर, सासन करइया अऊ अधिकारीमन के आघू म लानथें, त ए बात के चिता झन करव कि तुमन अपन बचाव कइसने करहू या ओमन के आघू म का कहहि, 12काबरका पबतिर आतमा ह ओहीच बेरा तुमन ला ए बात ला सीखा दही कि तुमन ला का कहना चाही।”

### एक मुख धनवान मनखे के पटंतर

13भीड़ म ले एक मनखे ह यीसू ला कहसि, “हे गुरू, मोर भाई ले कह कि ओह मोर संग ओ संपत्ति के बंटवारा करय, जऊन ला हमर ददा हमर बर छोड़ गे हवय।”

14यीसू ह ओला कहसि, “हे मनखे, कोन ह मोला तुम्हर नियायधीस या तुम्हर बीच म संपत्ति के बंटवारा करइया ठहराईस?”

15तब ओह ओमन ला कहसि, “सचेत रहव! अपन-आप ला जम्मो कसिम के लालच ले

दूर रखव; काबरकी मनखे के जनिगी ह ए बात ले नई बनय की ओकर करा कतेक जादा संपत्ती हवय।”

16तब यीसू ह ओमन ला ए पटंतर कहसि, “एक धनवान मनखे के खेत म बहुत फसल होईस। 17ओह अपन मन म सोचसि, ‘अब मेंह का करंव? मोर करा मोर फसल ला रखे के जगह नई ए।’ 18ओह कहसि, ‘मेंह अइसने करहू—मेंह अपन कोठीमन ला टोरके ओकर ले बड़े-बड़े कोठी बनाहू, अऊ उहां मेंह अपन जम्मो अनाज अऊ दूसर माल-मत्ता ला रखहू।’ 19तब में अपन-आप ले कहहिं, ‘तोर करा बहुत संपत्ती हवय, जऊन ह बहुते साल तक चलही। अपन जनिगी के चंतिा झन कर; खा, पी अऊ खुसी मना।’

20पर परमेसर ह ओला कहसि, ‘हे मुरख मनखे! इहीच रतहिा तोर परान ला ले लयि जाही; तब ए जम्मो चीज काकर होही, जऊन ला तेंह अपन बर रखे हवस।’

21अइसनेच हर एक ओ मनखे के संग होही, जऊन ह अपन बर धन संकेलथे, पर परमेसर के नजर म धनवान नो हय।”

### चंतिा झन करव

(मत्ती 6:25-34)

22तब यीसू ह अपन चेलावन ला कहसि, “एकरसेती मेंह तुमन ला कहत हंव, अपन जनिगी के बारे म चंतिा झन करव की तुमन का खाहू, या अपन देह के बारे म चंतिा झन करव की तुमन का पहिरहू। 23जनिगी ह खाना ले जादा महत्व के अय, अऊ देह ह ओनूहा ले जादा महत्व रखथे। 24कऊवां चरिईमन के बारे सोचव: ओमन न कुछू बोवय अऊ न लुवय; ओमन करा न भंडार-घर हवय न ही कोठार; तभी ले परमेसर ओमन ला खवाथे। तुमन तो चरिईमन ले बढ़ के अव। 25तुमन म अइसने कोनो हवय, जऊन ह चंतिा करे के दुवारा अपन जनिगी के एक घरी घलो बढ़ा सकथे? 26जब तुमन ए बहुत छोटे चीज ला नई कर सकव, त तुमन आने बड़े चीजमन के बारे म चंतिा काबर करथव?

27सोचव की जंगली फूलमन कइसने

बाढ़थे; ओमन न महिनत करय अऊ न ही अपन बर कपड़ा बनावय। पर मेंह तुमन ला बतावत हंव, अऊ त अऊ सुलेमान सहीं धनी राजा घलो एमन ले काकरो सहीं सुघर कपड़ा नई पहिर रहिसि। 28जब परमेसर ह भुइयां के कांदी ला अइसने कपड़ा पहिराथे, जऊन ह आज इहां हवय अऊ कल आगी म झोंके जाही, त हे अल्प बसिवासीमन, का ओह तुमन ला अऊ जादा कपड़ा नई पहिराही। 29अऊ एकर धयान म झन रहव की तुमन का खाहू या का पीहू; एकर चंतिा झन करव। 30काबरकी ए संसार म परमेसर ऊपर बसिवास नई करइयामन ए जम्मो चीज के खोज म रहथिं, अऊ तुम्हर ददा परमेसर ह जानथे की तुमन ला ए चीजमन के जरूरत हवय। 31परमेसर के राज के खोज म रहव, त संग म ए चीजमन घलो तुमन ला ओह दहि।

32हे छोटे झुंड! झन डर, काबरकी तोर ददा परमेसर ह तोला राज देके खुस हवय। 33अपन संपत्ती ला बेंच अऊ गरीबमन ला दे। अपन बर अइसने बटुवा बनावव, जऊन ह जुनूना नई होवय, याने स्वरग म अपन धन जमा करव, जऊन ह कभू नई घटय; जेकर लकठा म चोर नई आ सकय अऊ जऊन ला कीरा घलो नई खा सकय। 34काबरकी जहिां तोर धन हवय, उहां तोर मन घलो लगे रहहि।”

### सचेत सेवक

35“तुमन सेवा करे बर हमेसा तयार रहव अऊ अपन दीया ला बारे रखव; 36ओ सेवकमन सहीं, जऊन मन अपन मालकि के एक बहिाव भोज ले लहुंटे के बाट जोहत हवय, ताकि जब ओह आवय अऊ कपाट ला खटखटावय, त ओमन तुरते ओकर बर कपाट ला खोल सकय। 37ओ सेवकमन बर एह खुसी के बात होही, जब ओमन के मालकि लहुंटेके आथे, त ओमन ला जागत पाथे। मेंह तुमन ला सच कहथंव—ओह खुदे सेवा करे बर सेवक के कपड़ा पहिराही; ओह ओमन ला खाना खवाय बर बईठाही अऊ आके ओमन के सेवा करही। 38ओ

सेवकमन बर एह बने बात होही, यर्दा ओमन के मालकि रतहिया के दूसर या तीसरा पहर म आवय अऊ ओमन ला सचेत पावय। 39पर तुमन ए बात ला जान लेवव: यर्दा घर के मालकि ए जानतसि कि चोर ह कतेक बेरा आही, त ओह अपन घर ला चोरी होय बर नई छोड़ देतसि। 40तुमन घलो हमेसा तयार रहव, काबरका मनखे के बेटा ह अइसने बेरा म आ जाही, जब तुमन ओकर आय के आसा नई करत होहूँ”

41पतरस ह पुछसि, “हे परभू, ए पटंतर ला का तेंह हमर बर कहत हवस या फेर जम्मो झन बर?”

42परभू ह जबाब देके कहसि, “ओ बसिवासी अऊ बुद्धिमान सेवक कोन ए, जऊन ला ओकर मालकि ए जमिंदारी देथे कि ओह घर ला चलावय अऊ आने सेवकमन ला सही समय म ओमन के भाग के खाना देवय। 43एह ओ सेवक बर खुसी के बात होही कि जब ओकर मालकि ह आथे, त ओला अइसने करत पाथे। 44मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि मालकि ह ओ सेवक ला अपन जम्मो संपत्ती के जमिंदारी दे दहिी। 45पर यर्दा ओ सेवक ह अपन मन म ए कहय, ‘मोर मालकि ह आय म अब्बड़ देरी करत हवय।’ अऊ अइसने सोचके ओह आने सेवक अऊ सेवका मन ला मारन-पीटन लगय, अऊ खाय अऊ पीये लगे अऊ मतवाल हो जावय, 46तब ओ सेवक के मालकि ह एक अइसने दनि म आ जाही, जब ओह ओकर आय के आसा नई करत होही अऊ ओकर आय के बेरा ला घलो नई जानत होही। तब मालकि ह ओला कठोर सजा दहिी अऊ ओला अबसिवासीमन के संग म रखही।

47ओ सेवक जऊन ह अपन मालकि के ईछा ला जानथे, पर तयार नई रहय या जऊन बात ला ओकर मालकि चाहथे ओला नई करय, त ओ सेवक ह बहुत मार खाही। 48पर जऊन सेवक ह अपन मालकि के ईछा ला नई जानत हवय, अऊ बगिर जाने ओह गलत काम करथे, त ओह कम मार खाही।

जऊन ला बहुत दयि गे हवय, ओकर ले बहुत मांगे जाही, अऊ जऊन ला बहुत सऊपे गे हवय, ओकर ले बहुत लयि जाही।”

### फूट के कारन

(मत्ती 10:34-36)

49“मेंह धरती म आगी लगाय बर आय हंव, अऊ मेंह ए चाहत हंव कि बने होतसि कि एम पहिली ले आगी लगे होतसि। 50मोला एक बतसिमा म ले होके जाना हवय, अऊ जब तक ओह पूरा नई हो जावय, मेंह बहुत बयिकुल हंव। 51का तुमन ए सोचत हव कि मेंह धरती म सांतलाने बर आय हंव। नई, मेंह तुमन ला कहत हंव कि मेंह फूट डारे बर आय हंव। 52अब ले जब एक परिवार म पांच झन होहीं, त ओमन म फूट पड़ही; तीन झन ह दू झन के बरिध म अऊ दू झन ह तीन झन के बरिध म रहीहीं। 53ददा ह अपन बेटा के बरिध म होही, त बेटा ह अपन ददा के बरिध म। दाई ह अपन बेटी के बरिध म होही, त बेटी ह अपन दाई के बरिध म; अऊ सास ह अपन बहू के बरिध म होही, त बहू ह अपन सास के बरिध म।”

### समय के पहिचान करई

(मत्ती 16:2-3)

54यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला घलो कहसि, “जब तुमन पछिम दिगि म एक बादर उठत देखथव, त तुरते तुमन कहथिव कि बारसि होवइया हवय; अऊ अइसनेच होथे। 55अऊ जब दक्खिन दिगि के हवा चलथे, त तुमन कहथिव कि गरमी बढ़इया हवय, अऊ अइसनेच होथे। 56हे ढोंगी मनखेमन! धरती अऊ अकास ला तुमन देखके जान लेथव कि एकर का मतलब होथे; तब तुमन ए समय के मतलब ला काबर नई जानव?

57तुमन खुदे काबर फैसला नई कर लेवव कि का सही ए? 58यर्दा कोनो मनखे तुम्हर बरिध म नालसि करय अऊ तुमन ला कचहरी म ले जावय, त तुमन भरसक कोससि करव कि ओकर संग डहार म ही मामला के नपिटारा हो जावय; नई तो ओह तुमन ला नियायधीस करा खींचके ले जाही,

अऊ नयायधीस ह तुमन ला पुलसि ला सऊप दहिी, अऊ पुलसि ह तुमन ला जेल म डार दहिी। 59मेंह तुमन ला कहत हंव की जब तक तुमन एक-एक पर्ईसा नई भर दूहू, तब तक उहां ले नई छूट सकव।”

**पाप ले पछताप करव या नास होवव**

**13** ओ समय उहां कुछू मनखेमन रहिनि। ओमन यीसू ला ओ गलील के मनखेमन के बारे म बताईन, जेमन ला पीलातुस ह मरवाय रहिसि, जब ओमन परमेसर ला बलादान चघावत रहिनि। 2ए सुनके यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “का तुमन ए सोचथव की ए गलीलीमन आने जम्मो गलीली मनखेमन ले जादा पापी रहिनि, काबरकी ओमन ए कसिम ले मारे गीन? 3नई! पर मेंह तुमन ला कहत हंव की यदि तुमन अपन पाप ले पछताप नई करहू, त तुमन जम्मो झन घलो ओमन सहीं नास होहू। 4या ओ अठारह झन के बारे म का सोचथव, जऊन मन मर गीन, जब ओमन के ऊपर सीलोह म गुम्मत ह गरिसि, का ओमन यरूसलेम म रहइया अऊ आने जम्मो झन ले जादा कसूरदार रहिनि? 5नई! मेंह तुमन ला कहत हंव की यदि तुमन अपन पाप ले पछताप नई करहू, त तुमन जम्मो झन घलो ओमन सहीं नास होहू।”

6तब यीसू ह ए पटंतर कहसि, “एक मनखे के अंगूर के बारी म एक ठन अंजीर के रूख रहिसि। एक दिन ओ मनखे ह ओ रूख म फर देखे बर गीस, पर ओह एको ठन फर नई पाईस। 7एकरसेती ओह अपन बारी के माली ला कहसि, ‘देख, तीन साल ले मेंह ए अंजीर के रूख म फर देखे बर आवत हवंव पर एको ठन नई पाय हवंव। ए रूख ला काट डार। एह काबर भुइयां ला घेरे रहिही।’ 8पर बारी के माली ह कहसि, ‘हे मालकि, एला एक बछर अऊ रहन दे; मेंह एकर चारों अंग माटी ला कोड़हूँ अऊ ओम खातू डालहूँ। 9कहूँ एह अगले साल फरही, त ठीक। कहूँ नई फरही, त तेंह काट डारबे।’ ”

**यीसू ह एक अपंग माईलोगन ला बसिराम दिन म बने करथे**

10एक बसिराम के दिन, यीसू ह एक ठन सभा घर म उपदेस देवत रहिसि। 11उहां एक माईलोगन रहिसि, जऊन ला परेत आतमा ह अठारह साल ले अपंग कर दे रहिसि। ओह कुबड़ी हो गे रहिसि अऊ कइसने करके घलो सीधा ठाढ़ नई हो सकत रहिसि। 12जब यीसू ह ओला देखसि, त ओला आघू म बलाईस अऊ ओकर ले कहसि, “हे नारी! तोर बेमारी ह दूर हो जावय।” 13तब यीसू ह ओकर ऊपर अपन हांथ रखसि, अऊ तुरते ओ माईलोगन ह सीधा ठाढ़ हो गीस अऊ परमेसर के महिमा करसि।

14काबरकी यीसू ह ओ माईलोगन ला बसिराम दिन म बने करे रहिसि, एकरसेती सभा घर के अधिकारी ह खसियार्ईस अऊ मनखेमन ला कहसि, “काम करे बर छै दिन हवय। एकरसेती ओ दिनमन म आवव अऊ बने होवव, पर बसिराम दिन म नई।”

15परभू ह ओला ए जबाब दीस, “हे ढोंगी मनखेमन, का तुमन ले हर एक मनखे बसिराम दिन म अपन बड़ला या गदहा ला कोठा ले ढलि के पानी पीयाय बर नई ले जावय? 16तब ए माईलोगन जऊन ह अब्राहम के संतान अय, अऊ जऊन ला सैतान ह अठारह साल ले बांधके रखे रहिसि। का एह ठीक नो हय की ओला बसिराम दिन म ए बंधन ले छुटकारा मलिय?”

17जब यीसू ह ए बात कहसि, त ओकर जम्मो बरिधीमन के बेजत्ती होईस, पर जऊन अद्भूत काम ओह करत रहिसि, ओकर ले मनखेमन खुस होईन।

**सरसों बीजा अऊ खमीर के पटंतर**

(मत्ती 13:31-32, 33; मरकुम 4:30-32)

18तब यीसू ह पुछसि, “परमेसर के राज ह काकर सहीं अय? मेंह एकर तुलना काकर संग करंव? 19एह ओकर सहीं अय, जब एक मनखे ह एक ठन सरसों के बीजा ला लीस अऊ अपन बारी म बोईस। ओह बाढ़सि, अऊ बाढ़के एक ठन रूख हो गीस, अऊ

अकास के चरिईमन एकर थांघामन म बसेरा करनि।”

20यीसू ह फेर पुछसि, “मेंह परमेसर के राज के तुलना काकर संग करंव? 21एह खमीर सहीं अय, जऊन ला एक माईलोगन ह लीस अऊ ओला बहुत अकन आंटा म मलिका के तब तक गुंथसि, जब तक की आंटा ह फूल नईं गीस।”

### संकरा कपाट

(मत्ती 7:13-14, 21-23)

22यीसू ह यरूसलेम सहर जावत बेरा, डहार म ओह सहर अऊ गांव मन म उपदेस करत गीस। 23एक झन ओकर ले पुछसि, “हे परभू, का सरिपि थोरकन मनखेमन उद्धार पाहीं?”

24यीसू ह ओमन ला कहसि, “संकरा कपाट ले होके जाय के भरसक कोससि करव; काबरकी मेंह तुमन ला कहत हंव की बहुते मनखेमन एम ले जाय के कोससि करहीं, पर जाय नईं सकहीं। 25जब एक बार घर के मालकि ह उठही अऊ कपाट ला बंद कर दही, त तुमन बाहरि म ठाढ़े रहि जाहूँ अऊ कपाट ला खटखटावत ए बनिती करहूँ, ‘हे परभू, हमर बर कपाट ला खोल दे।’

पर ओह तुमन ला ए जबाब दही, ‘मेंह नईं जानंव की तुमन कहां ले आय हवव।’

26तब तुमन ह कहहि, ‘हमन तोर संग खाय पीये रहें, अऊ तेंह हमर गली म उपदेस दे हवस।’

27पर ओह जबाब दही, ‘मेंह नईं जानंव की तुमन कहां ले आय हवव। हे कुकरमीमन! तुमन जम्मो झन मोर ले दूरिहा हटव।’

28जब तुमन अब्राहम, इसहाक, याकूब अऊ जम्मो अगमजानीमन ला परमेसर के राज म बईठे अऊ अपन-आप ला बाहरि फेंके हुए देखहूँ, त तुमन रोहूँ अऊ अपन दांत पीसहूँ। 29मनखेमन पूरब, पछिम अऊ उत्तर, दक्खिन, चारों दिगि ले आहीं अऊ परमेसर के राज के भोज म सामिल होहीं। 30अऊ देखव! जऊन मन आखरी म हवंव,

ओमन पहिली हो जाहीं; अऊ जऊन मन पहिली हवंव, ओमन आखरी म हो जाहीं।”

### यरूसलेम सहर बर यीसू के दुःख

(मत्ती 23:37-39)

31ओतकी बेरा कुछू फरीसीमन यीसू करा आईन अऊ ओला कहनि, “तेंह ए जगह ला छोड़के कहीं अऊ चल दे; काबरकी हेरोदेस राजा ह तोला मार डारे बर चाहथे।”

32यीसू ह ओमन ला कहसि, “जावव अऊ ओ कोलहिा ले कहव; आज अऊ कल मेंह परेत आतमामन ला नकारहूँ अऊ बेमार मनखेमन ला बने करहूँ, अऊ तीसरा दिन मोर काम ह पूरा हो जाही। 33कुछू घलो होवय, मोला आज, कल अऊ परसों चलते रहना जरूरी ए—काबरकी एह नईं हो सकय की एक अगमजानी ह यरूसलेम सहर के बाहरि म मरय।

34हे यरूसलेम के मनखेमन! तुमन अगमजानीमन ला मार डारथव अऊ तुमन ओ संदेसियामन ऊपर पथरा फेंकथव, जऊन मन ला परमेसर ह तुम्हर करा पठोथे। कतको बार मेंह चाहेव की तुमन ला एक संग संकेलंव, जइसने एक कुकरी ह अपन चियांमन ला अपन डेना खाल्हे म संकेलथे, पर तुमन मोला अइसने करन नईं देवव। 35देखव, ओ जगह जिहां तुमन रहथिव, ओह उजाड़ छोड़े जावथे। मेंह तुमन ला कहत हंव की तुमन मोला तब तक नईं देखहूँ, जब तक की तुमन ए नईं कहहि, ‘धइन ए ओ, जऊन ह परभू के नांव म आथे।’”

### यीसू ह बसिराम दिन म एक मनखे ला चंगा करथे

**14** एक बसिराम के दिन, यीसू ह बड़े फरीसी के घर म खाना खाय बर गीस, अऊ मनखेमन ओला धयान से देखत रहंय। 2उहां ओकर आघू म एक झन मनखे रहय, जऊन ला जलोदर के बेमारी रहिसि। 3यीसू ह फरीसी अऊ कानून के जानकारमन ले पुछसि, “बसिराम दिन म कोनो ला बेमारी ले ठीक करे के अनुमती कानून ह देथे की नईं देवय?” 4पर ओमन चुपेचाप रहनि। तब



यीसू ह ओ बेमरहा मनखे के हांथ ला धरके ओला बने करसि, अऊ ओला जावन दीस।

5तब यीसू ह ओमन ले कहसि, “यदा तुमन के काकरो एक बेटा या एक बड़ला हवय अऊ ओह बसिराम के दनि एक ठन कुवां म गरि जाथे, त का तुमन तुरते ओला खींचके बाहिर नई नकारहू।” 6अऊ ओमन एकर कोनो जबाब नई दे सकनि।

7जब यीसू ह देखसि की नेवताहारीमन कइसने चुन-चुनके बढ़िया जगह म बईठत हवय, त ओह ओमन ला ए पटतर कहसि, 8“जब कोनो तुमन ला बहिाव के भोज बर नेवता देथे, त उहां जाके सबले बढ़िया जगह म झन बईठव, काबरकी हो सकथे कि उहां तोर ले घलो जादा बड़े मनखे ला नेवता देय गे होही, 9यदा अइसने अय, तब ओ मनखे जऊन ह तुमन दूनों ला नेवता देय हवय, आही अऊ तोला कहही, ‘तोर जगह ए मनखे ला देय दे।’ तब तोर बेजत्ती होही अऊ तोला छोटे जगह म बईठना पड़ही। 10एकरसेती जब तोला नेवता दयि जाथे, त जाके छोटे जगह म बईठ, ताकी जब नेवता देवइया ह आवय, त ओह तोर ले कहय, ‘हे संगवारी, जाके बने जगह म बईठ।’ तब आने जम्मो संगी पहुनामन के आघू म तोर आदर-मान होही। 11काबरकि जऊन ह अपन-आप ला बड़े करथे, ओला छोटे करे जाही अऊ जऊन ह अपन-आप ला छोटे करथे, ओला बड़े करे जाही।”

12तब यीसू ह अपन नेवता देवइया ला कहसि, “जब तेंह मंझन या रतहि कोनो भोज देथस, त अपन संगवारी या अपन भाई या अपन रसितेदार या अपन धनी पड़ोसी मन ला झन नेवता दे; यदा तेंह ओमन ला नेवता देथस, त ओमन घलो बदले म तोला नेवता दे सकथें, अऊ ए कसिम ले जऊन कुछ तेंह करे हवस, ओकर भरपई हो जाही। 13पर जब तेंह कोनो भोज देथस, त गरीब, अपंग, खोरवा अऊ अंधरामन ला बलाय कर। 14तब परमेसर ह तोला आससि दही। हालाकि ओमन बदले म तोला कुछ नई दे

सकय, पर तोला एकर परतफिल ओ समय मलिही, जब धरमी मनखेमन फेर जी उठही।”

### बड़े भोज के पटतर

(मत्ती 22:1-10)

15जऊन मन यीसू के संग खाय बर बईठे रहिन, ओम ले एक झन जब एला सुनसि, त ओह यीसू ले कहसि, “धइन ए ओ मनखे जऊन ह ओ भोज म खाही, जऊन ह परमेसर के राज म होही।”

16यीसू ह ओला कहसि, “एक बार एक मनखे ह एक बड़े भोज करसि, अऊ बहुंत मनखेमन ला नेवता दीस। 17जब भोज ह तयार हो गीस, त ओह अपन सेवक ला नेवताहारीमन करा ए कहे बर पठोईस, ‘आवव, जम्मो चीज तयार हो गे हवय।’

18पर ओमन जम्मो झन बहाना करे लगनि। पहिली मनखे ह ओ सेवक ला कहसि, ‘मेंह अभी एक ठन खेत बसियोय हवव, अऊ मोर उहां जाना अऊ ओला देखना जरूरी ए। मेंह तोर ले बनिती करत हंव कीमोला माफ कर दे।’

19आने झन ह कहसि, ‘मेंह अभी पांच जोड़ी बड़ला बसियोय हवव, अऊ मेंह ओमन ला परखे बर जावत हंव। मेंह तोर ले बनिती करत हंव कीमोला माफ कर दे।’

20अऊ एक झन ह कहसि, ‘मेंह अभी बहिाव करे हवव, एकरसेती मेंह नई आ सकव।’

21ओ सेवक ह वापसि आईस अऊ ए बात अपन मालकि ला बताईस। तब घर के मालकि ह गुस्सा होईस अऊ अपन सेवक ला हुकूम दीस, ‘सहर के सड़क अऊ गली मन म तुरते जा अऊ गरीब, अपंग, अंधरा अऊ खोरवामन ला ले आ।’

22ओ सेवक ह कहसि, ‘हे मालकि, जइसने तेंह कहे रहय, वइसने करे गे हवय, पर तभो ले जगह खाली हवय।’

23तब मालकि ह अपन सेवक ला कहसि, ‘बाहिर सड़क अऊ गांव तरफ के गलीमन म जा अऊ कइसने करके मनखेमन ला ले आ, ताकी मोर घर ह भर जावय। 24मेंह तोला

कहत हंव की ओ नेवताहारी मनखेमन ले एको झन घलो मोर भोज के सुवाद ला चखे नई पाहीं।”

### चेला बने के कीमत

(मत्ती 10:37-38)

25 एक बड़े भीड़ ह यीसू के संग जावत रहिसि, अऊ यीसू ह मनखेमन कोती मुहं करके कहसि, 26 “यदि कोनो मोर करा आथे, त ए जरूरी ए की ओह अपन ददा अऊ दाई, अपन घरवाली अऊ लइका, अपन भाई अऊ बहीनी अऊ इहां तक की अपन जनिगी ले घलो जादा मोला मया करय, नई तो ओह मोर चेला नई हो सकय। 27 अऊ जऊन ह दुःख उठाय के मन नई करय अऊ मोर पाछू आथे, ओह मोर चेला नई हो सकय।

28 मान लव, तुमन ले कोनो मनखे एक भवन बनाय चाहथे। त का ओह पहली बईठके खरचा के हिसाब नई करही, ए देखे बर की काम ला पूरा करे बर ओकर करा पईसा हवय की नई? 29 काबरकी यदि ओह नीव धरथे अऊ काम ला पूरा नई कर सकय, त एला जम्मो देखइयामन ए कहकि ओकर हंसी उड़ाहीं, 30 ‘ए मनखे ह भवन बनाय के सुरू त करसि, पर काम ला पूरा नई कर सकसि।’

31 या मान लव, एक राजा ह आने राजा के बरिद्ध लड़ई म जवइया हवय, त का ओह पहली बईठके ए नई सोचही की का ओह अपन दस हजार मनखेमन के संग ओकर सामना कर सकथे, जऊन ह बीस हजार मनखे लेके ओकर बरिद्ध म आवथे? 32 यदि ओह सामना नई कर सकय, त ओह आने राजा करा, जऊन ह अभी दूरहि म हवय, अपन दूतमन ला पठोही अऊ मेल-मिलाप करे चाहहीं। 33 ओही किसिम ले, तुमन ले जऊन ह जब तक अपन जम्मो चीज ला नई छोड़ दीही, तब तक ओह मोर चेला नई हो सकय।

34 नून ह बने ए, पर यदि एकर सुवाद ह चले जाथे, त कोनो किसिम ले एला फेर नूनचूर नई करे जा सकय। 35 एह न तो माटी

के काम आवय अऊ न तो खातू के। एला बाहरि फटकि दयि जाथे। जेकर सुने के कान हवय, ओह सुन ले।”

### गंवाय मेढ़ा के पटंतर

(मत्ती 18:12-14)

15 एक बार जम्मो लगान लेवइया अऊ पापी मनखेमन यीसू करा जूरत रहिन की ओमन ओकर बात ला सुनय। 2 पर फरीसी अऊ कानून के गुरू मन ए कहकि कुड़कुड़ाय लगनि, “ए मनखे ह पापीमन के सुवागत करथे अऊ ओमन के संग खाथे।”

3 एकरसेती यीसू ह ओमन ला ए पटंतर कहसि, 4 “मान लव, तुमन ले एक झन करा एक सौ भेड़ हवय अऊ ओम ले एक ठन गंवा जाथे, त का ओह ओ ननिानूबे भेड़मन ला मैदान म छोड़के ओ गंवाय भेड़ ला तब तक नई खोजही, जब तक की ओह मलि नई जावय? 5 अऊ जब ओला भेड़ ह मलि जाथे, त ओह ओला खुसी के मारे अपन कंधा म उठा लेथे, 6 अऊ अपन घर जाथे। अऊ तब ओह अपन संगवारी अऊ पड़ोसी मन ला बलाथे अऊ कहथे, ‘मोर संग आनंद मनावव, काबरकी मोर गंवाय भेड़ ह मोला मलि गीस।’ 7 मेंह तुमन ला कहत हंव की ओही किसिम ले एक पापी मनखे के पछताप करे ले स्वरग म बहुंत आनंद मनाय जाथे, जतेक की ननिानूबे धरमी मनखेमन बर नई मनाय जावय, जऊन मन ला पछताप करे के जरूरत नई ए।”

### गंवाय सक्का के पटंतर

8 “या मान लव, एक माईलोगन करा दस ठन चांदी के सक्का हवय अऊ ओम ले एक ठन गंवा जाथे, त का ओह दीया बारके घर ला नई बहारे अऊ मन लगाके खोजय जब तक की ओह मलि न जावय। 9 अऊ जब ओला सक्का ह मलि जाथे, त ओह अपन संगवारी अऊ पड़ोसी मन ला बलाथे अऊ कहथे, ‘मोर संग आनंद मनावव, काबरकी मोर गंवाय सक्का ह मोला मलि गे हवय।’ 10 मेंह तुमन ला कहत हंव की ओही किसिम

ले, जब एक पापी मनखे पछताप करथे, त उहां स्वरग म परमेसर के स्वरगदूतमन के आघू म आनंद मनाय जाथे।”

### गंवाय बेटा के पटंतर

11यीसू ह ए घलो कहसि, “एक मनखे के दू झन बेटा रहनि। 12छोटे बेटा ह अपन ददा ला कहसि, ‘ददा! मोर बांटा के संपत्ती ला मोला देय दे।’ अऊ ओ मनखे ह अपन दूनों बेटा के बीच म संपत्ती के बंटवारा कर दीस।

13कुछू दिन के बाद, छोटे बेटा ह अपन बांटा के संपत्ती ला बेंच दीस अऊ पईसा ला लेके घर छोड़के चल दीस। ओह बहुत दूरहिा एक देस म गीस, जहिं ओह फालतू काम म अपन पईसा ला उड़ा दीस। 14जब ओह जम्मो ला खरचा कर डारसि, त उहां ओ जम्मो देस म एक भयंकर अकाल पड़सि, अऊ ओकर करा कुछू नइ बचसि। 15एकरसेती ओह ओ देस के रहइया एक मनखे करा काम करे बर गीस, जऊन ह ओला अपन खेत म, सुरामन ला चराय बर पठोईस। 16ओकर ईछा होवय की ओह ओ फली ले अपन पेट भरय, जऊन ला सुरामन खावत रहंय, पर कोनो ओला खाय बर कुछू नइ देवय।

17जब ओह अपन होस म आईस, त कहन लगसि, ‘मोर ददा के घर बनी-भूती करइयामन करा जरूरत ले जादा खाय बर हवय, अऊ इहां मेंह भूखन मरथंय। 18मेंह उठके अपन ददा करा वापसि जाहूं अऊ ओला ए कहहिं, ‘हे ददा, मेंह परमेसर के बरिध अऊ तोर बरिध म पाप करे हवंव। 19मेंह तोर बेटा कहाय के लइक नो हंव; मोला अपन एक बनहार मनखे सहीं रख ले।’ ” 20अऊ ओह उठसि अऊ अपन ददा करा चल पड़सि।

पर जब ओह अभी दूरहिाच म ही रहिसि, त ओकर ददा ह ओला देख डारसि, अऊ ओकर हरिदय ह दया ले भर गे। ओह अपन बेटा करा दऊड़के गीस अऊ ओला अपन बाहां म पोटार के चूमसि।

21बेटा ह ओला कहसि, ‘हे ददा, मेंह

परमेसर के बरिध अऊ तोर बरिध म पाप करे हवंव। मेंह तोर बेटा कहाय के लइक नो हंव।’

22पर ददा ह अपन सेवकमन ला बलाके कहसि, ‘जल्दी करव। सबले बढ़िया कपड़ा लानव अऊ एला पहरावव। एकर अंगरी म मुंदी अऊ एकर गोड़ म पनही पहरावव। 23मोटा-ताजा पसु लानके काटव, तार्का हमन खावन अऊ खुसी मनावन। 24काबरकी मोर ए बेटा ह मर गे रहिसि, पर अब जी गे हवय; एह गंवा गे रहिसि, पर अब मलि गे हवय।’ अऊ ओमन खुसी मनाय लगनि।

25ओही बेरा म ओकर बड़े बेटा ह खेत म रहिसि। जब ओह लहुंटत रहिसि अऊ घर के लकठा म आईस, त ओह गाय-बजाय अऊ नाचे के अवाज सुनसि। 26ओह एक सेवक ला बलाईस अऊ ओकर ले पुछसि, ‘का होवत हवय?’ 27ओ सेवक ह कहसि, ‘तोर भाई ह आय हवय, अऊ तोर ददा ह मोटा-ताजा पसु कटवाय हवय, काबरकी ओह ओला सही-सलामत पाय हवय।’

28एला सुनके बड़े भाई ह गुस्सा करसि अऊ घर के भीतर जाय नइ चाहसि। एकरसेती ओकर ददा ह बाहरि आईस अऊ भीतर आय बर ओकर ले बनिती करे लगसि। 29पर ओह अपन ददा ला जबाब दीस, ‘देख, अतेक साल तक मेंह तोर गुलाम के सहीं काम करे हवंव अऊ मेंह तोर हुकूम ला कभू नइ टारेंव। तभो ले तेंह मोला एक छेरी के पीला तक कभू नइ देय की मेंह अपन संगवारीमन संग आनंद मना सकंव। 30पर जब तोर ए बेटा ह घर आईस, जऊन ह की तोर संपत्ती ला बेस्यामन संग उड़ा दे हवय, त तेंह ओकर बर मोटा-ताजा पसु कटवाय हवस।’

31तब ददा ह ओला कहसि, ‘मोर बेटा! तेंह सदा मोर संग हवस, अऊ जऊन कुछू मोर करा हवय, ओ जम्मो तोर ए। 32पर हमन ला आनंद मनाना अऊ खुस होना चाही, काबरकी तोर ए भाई ह मर गे रहिसि, पर अब जी उठे हवय; एह गंवा गे रहिसि, पर अब मलि गे हवय।’ ”

## चतुर परबन्धकर्ता के पटंतर

**16** यीसू ह अपन चेलांमन ला कहसि, “एक धनी मनखे रहिसि। ओह अपन संपत्ती के देख-रेख करे बर एक परबन्धकर्ता रखे रहिसि। अऊ ओला ए बताय गीस की ओकर परबन्धकर्ता ह ओकर संपत्ती ला बरबाद करत हवय। 2 एकरसेती ओह अपन परबन्धकर्ता ला बलाईस अऊ कहसि, ‘मेंह तोर बारे म ए का सुनत हवंव? अपन काम के हिसाब-कतिाब मोला दे, काबरकी तेंह अब मोर परबन्धकर्ता नई रह सकस।’

3 परबन्धकर्ता ह अपन-आप ले कहसि, ‘अब मेंह का करंव? मोर मालिकि ह मोला मोर काम ले छुट्टी करइया हवय। मोर अतकी ताकत नई ए कीमाटी कोड सकंव, अऊ भीख मांगे म मोला सरम आथे। 4 अब मेंह समझ गेव की मोला का करना चाही, ताकी जब इहां ले मोला काम ले नकारि दियि जावय, त मनखेमन अपन घर म मोर सुवागत करंय।’

5 एकरसेती ओह ओ जम्मो मनखेमन ला बलाईस, जऊन मन ओकर मालिकि के उधारी लगत रहंय। ओह पहिली मनखे ले पुछसि, ‘तोर ऊपर मोर मालिकि के कतेक उधारी हवय?’

6 ओह कहसि, ‘करीब तीन हजार लीटर जैतून के तेल।’

तब परबन्धकर्ता ह ओला कहसि, ‘अपन खाता-बही ला लेके बईठ अऊ तुरते एला डेढ़ हजार लीटर लिखि दे।’

7 तब ओह दूसरा मनखे ले पुछसि, ‘तोर ऊपर कतेक उधारी हवय?’

ओह कहसि, ‘एक सौ मन गहूं।’

तब परबन्धकर्ता ह ओला कहसि, ‘अपन खाता-बही ला ले अऊ एला असूसी लिखि दे।’

8 मालिकि ह ओ बेईमान परबन्धकर्ता के बड़ई करसि, काबरकी ओह चतुरई ले काम करे रहिसि। अऊ एह सच ए की ए संसार के मनखेमन अपन मामला के नपिटारा करे म परमेसर के मनखेमन ले जादा चतुर अंय।

9 मेंह तुमन ला कहत हंव की संसारिकि धन ले अपन बर संगवारी बना लेवव, ताकी जब ओ धन ह सरि जावय, त तुम्हर सुवागत सदाकाल के घर म होवय।

10 जऊन ह बहुंत छोटे चीज म ईमानदार रहथि, ओह बहुंत म घलो ईमानदार रहथि; अऊ जऊन ह बहुंत छोटे चीज म बेईमान ए, ओह बहुंत चीज म घलो बेईमान होही।

11 एकरसेती यदी तुमन संसारिकि धन म ईमानदार नई अव, त तुमन ला स्वर्ग के सच्चा धन कोन सऊपही? 12 अऊ यदी तुमन पराय संपत्ती म ईमानदार नई ठहरेव, त तुम्हर खुद के संपत्ती तुमन ला कोन दहिी?

13 एक सेवक दू झन मालिकि के सेवा नई कर सकय। ओह एक झन ले घनि अऊ दूसर ले मया करही, या फेर ओह एक झन के भक्त होही अऊ दूसर झन ला तुछ समझही। तुमन परमेसर अऊ पईसा दूनों के सेवा नई कर सकव।”

14 ओ फरीसी जऊन मन पईसा के लोभी रहनि, ओमन ए जम्मो ला सुनके यीसू के हंसी उड़ाय लगनि। 15 यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन ओ मनखे अव, जऊन मन अपन-आप ला आने मनखेमन के आघू म सही ठहरिथव, पर परमेसर ह तुम्हर मन के बात ला जानथे। काबरकी जऊन चीज ला मनखेमन बहुंत कीमती समझथें, ओह परमेसर के नजर म तुछ ए।

16 मूसा के कानून अऊ अगमजानीमन के लिखे बचन के परचार यूहन्ना बतसिमा देवइया तक करे गीस। ओकर बाद ले परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करे जावथे, अऊ हर एक झन एम जाय के भरसक कोससि करत हवय। 17 अकास अऊ धरती के मटि जवई सरल ए, पर मूसा के कानून के एक ठन बनिदू घलो नई मटिय।

18 जऊन ह अपन घरवाली ला छोंड़के आने माईलोगन ले बहिाव करथे, ओह छिनारी करथे, अऊ जऊन मनखे एक छोंड़े गे माईलोगन ले बहिाव करथे, ओह छिनारी करथे।”

### एक धनी मनखे अऊ गरीब लाजर

19“एक धनवान मनखे रहिसि, जऊन ह बहुत मंहगा कपड़ा पहिरि अऊ हर दिन सुख-सुबिधा म जनिगी बतावय। 20लाजर नांव के एक भखिमंगा घलो रहिसि, जेकर जम्मो देहें ह घाव ले भर गे रहय, अऊ ओह धनवान मनखे के दुवारी (गेट) म पड़े रहय, 21अऊ ए आसा करय कि धनवान मनखे के बचे जूठा खाना ले अपन पेट भरय। अऊ त अऊ कुकुरमन आके ओकर घावमन ला चाटय।

22एक समय आईस, जब ओ भखिमंगा ह मर गीस अऊ स्वरगदूतमन ओला अब्राहम के गोद म पहुँचाईन। ओ धनवान मनखे घलो मर गीस अऊ ओला माटी दियि गीस। 23मरे के बाद, ओह नरक म पीरा भोगत रहय, अऊ जब ओह अपन आंखी उठाके देखसि, त बहुत दूरहि (स्वरग) म अब्राहम अऊ ओकर गोदी म लाजर रहय। 24अऊ ओह नरियाके कहसि, ‘हे ददा अब्राहम, मोर ऊपर दया कर अऊ लाजर ला मोर करा पठो दे कि ओह अपन अंगरी के टीप ला पानी म भगिोवय अऊ मोर जीभ ला ठंडा करय, काबरकि मेंह ए आगी म बहुत पीरा भोगत हवंव।’

25पर अब्राहम ह कहसि, ‘ए बेटा, सुरता कर कि तोला तोर जनिगी म जम्मो बने चीज मलि रहिसि, जबकि लाजर ला खराप चीज मलि रहिसि, पर अब ओह इहां सांति पावथे, अऊ तेंह दुःख भोगथस। 26अऊ एकर अलावा, हमर अऊ तोर बीच म एक बहुत गहिरा खंचवा बनाय गे हवय, ताकि जऊन मन इहां ले तोर करा जाना चाहंय घलो, त नई जा सकंय अऊ न ही उहां ले हमर करा कोनो पार होके आ सकय।’

27धनवान मनखे ह कहसि, ‘तब मेंह तोर ले बनिती करत हंव, ददा; लाजर ला मोर ददा के घर म पठो दे, 28काबरकि मोर पांच झन भाई हवंय। ओह जाके ओमन ला चेतावय, ताकि ओमन पीरा भोगे के ए जगह म झन आवंय।’

29पर अब्राहम ह कहसि, ‘ओमन करा

मूसा अऊ अगमजानीमन के कतिब हवय। ओमन ओ कतिब म लिखे संदेस ला सुनंय।’

30धनवान मनखे ह कहसि, ‘नई, हे ददा अब्राहम, यदि मरे मनखे म ले कोनो उठके ओमन करा जावय, त ओमन अपन पाप के पछताप करहीं।’

31पर अब्राहम ह ओला कहसि, ‘यदि ओमन मूसा अऊ अगमजानीमन के बात ला नई सुनंय, त कहूं कोनो मरे म ले जी घलो उठय, तभो ले ओमन ओकर बात ला नई मानहीं।’ ”

### पाप, बसिवास अऊ जमिंदारी

(मत्ती 18:6-7, 21-22; मरकुस 9:42)

**17** यीसू ह अपन चेलामन ला कहसि, “जऊन बातमन मनखेमन के पाप म पड़े के कारन बनथे, ओमन जरूर आहीं, पर धक्कार ए ओ मनखे ला, जेकर दुवारा ओमन आथें। 2जऊन मनखे ए छोटे झन म ले एको झन के घलो पाप म पड़े के कारन बनथे, ओकर बर बने ए होतसि कि ओकर घेंच म चक्की के पाटा ला बांधे जातसि अऊ ओला समुंदर म फटकि दियि जातसि। 3एकरसेती, सचेत रहव।

यदि तुम्हर भाई ह पाप करथे, त ओला दबकारव, अऊ यदि ओह पछताप करे, त ओला माफ कर देवव। 4यदि दिन म, ओह सात बार ले तुम्हर बरिध म पाप करय अऊ सातों बार तुम्हर करा वापसि आके कहय, ‘मेंह पछतावत हंव,’ त ओला माफ कर देवव।”

5प्रेरतिमन परभू ला कहनि, “हमर बसिवास ला बढ़ा।”

6परभू ह कहसि, “यदि तुम्हर बसिवास ह सरसों के एक छोटे बीजा बरोबर घलो हवय, त तुमन ए सहतूत के रूख ला कह सकथव, ‘अपन-आप जरी सहति उखनके समुंदर म लग जा,’ अऊ एह तुम्हर हुकूम ला मानही।

7मान लव, तुमन ले एक झन के एक सेवक हवय, जऊन ह खेत जोतथे या मेढ़ामन ला चराथे। जब ओह खेत ले आवय, त का तुमन ओला ए कहहि, ‘जल्दी आ अऊ

खाय बर बईठ।’ 8तुमन अइसने कदापि नई कहव, बलकि तुमन ओला ए कहहि, ‘मोर बर खाना तयार कर; जब तक मेंह खावत-पीयत हवंव, तेंह तयार रह अऊ मोर सेवा कर, अऊ ओकर बाद तेंह घलो खा-पी ले।’ 9का तुमन अपन ओ सेवक ला धनबाद दूहू काबरकी ओह ओ काम ला करसि, जऊन ला ओला करे बर कहे गीस? 10एही बात तुम्हर बर घलो लागू होथे। जब तुमन ओ जम्मो काम ला कर चुकव, जऊन ला करे बर तुमन ला कहे गे रहिसि, तब ए कहव, ‘हमन अयोग्य सेवक अन; हमन सरिपि हमर बुता ला करे हवन।’ ”

### यीसू ह दस झन कोढ़ी ला बने करथे

11यीसू ह यरूसलेम सहर जावत बखत, सामरिया अऊ गलील प्रदेश के बीच ले होवत गीस। 12जब ओह एक गांव म हबरसि, त ओला दस आदमी मलिन, जेमन ला कोढ़ के बेमारी रहय। ओमन दूरहि म ठाढ़ हो गीन 13अऊ चचियाके कहनि, “हे यीसू, हे मालकि! हमर ऊपर दया कर।”

14जब यीसू ह ओमन ला देखसि, त कहसि, “जावव, अऊ अपन-आप ला पुरोहितमन ला देखावव।” अऊ ओमन जावत-जावत बेमारी ले सुध हो गीन।

15ओम ले एक झन, जब अपन-आप ला देखसि कि ओह बने हो गे हवय, त ओह चचिया-चचियाके परमेसर के महिमा करत वापसि लहुंटके आईस, 16ओह यीसू के गोड़ खाल्हे गरिसि अऊ ओला धनबाद दीस—अऊ ओह एक सामरी मनखे रहिसि।

17यीसू ह कहसि, “दस मनखेमन कोढ़ ले बने होईन, त फेर ओ नौ झन कहाँ हवय? 18का ए परदेसी के छोड़ अऊ कोनो नई आईन कि परमेसर के बड़ई करय।” 19अऊ यीसू ह ओला कहसि, “उठ अऊ जा; तोर बसिवास ह तोला बने करे हवय।”

### परमेसर के राज के अवई

(मत्ती 24:23-28, 37-41)

20एक बार, फरीसीमन यीसू ले पुछनि कि परमेसर के राज ह कब आही, त ओह जबाब

दीस, “परमेसर के राज ह अइसने नई आवय कि ओला तुमन देख सकव; 21अऊ न कोनो कह सकय, ‘देखव, ओह इहां हवय,’ या ‘ओह उहां हवय,’ काबरकि परमेसर के राज ह तुम्हर भीतर हवय।”

22तब ओह अपन चेलामन ला कहसि, “ओ समय ह आवत हवय, जब तुमन मनखे के बेटा के एक दिन ला देखे के ईछा करहू, पर ओह तुमन ला देखे बर नई मलिही। 23मनखेमन तुमन ला कहहीं, ‘ओह उहां हवय’ या ‘ओह इहां हवय!’ पर तुमन ओमन के पाछू झन जावव। 24काबरकि मनखे के बेटा ह अपन दिन म ओ बजिली के सहीं होही, जऊन ह अकास म एक छोर ले दूसर छोर तक चमकथे अऊ अंजोर देखे। 25पर पहिली ए जरूरी ए कि ओह बहुत दुःख भोगय अऊ ए पीढ़ी के मनखेमन के दुवारा अस्वीकार करे जावय।

26जइसने नूह के समय म होईस, वइसनेच मनखे के बेटा के समय म घलो होही। 27नूह के पानी जहाज के भीतर जावत तक, मनखेमन खावत-पीयत रहनि, अऊ ओमन के बीच सादी-बहाव होवत रहिसि, पर नूह के जहाज म चघे के बाद पानी के बाढ़ आईस अऊ ओ जम्मो झन ला नास कर दीस।

28अइसनेच, लूत के समय म घलो होईस। मनखेमन खावत-पीयत रहय, लेन-देन करत रहय, रूख लगावत रहय अऊ घर बनावत रहय। 29पर जऊन दिन लूत ह सदोम सहर ला छोड़के चल दीस, ओहीच दिन अकास ले आगी अऊ गंधक गरिसि अऊ ओ जम्मो झन ला नास कर दीस।

30जऊन दिन मनखे के बेटा ह परगट होही, ओ दिन घलो बलिकुल अइसनेच होही। 31ओ दिन जऊन ह अपन घर के छानी म होवय, ओह घर ले अपन सामान ले बर छानी से झन उतरय। ओही किसिम ले जऊन ह बाहरि खेत म होवय, ओह घर ला झन लहुंटय। 32लूत के घरवाली ला सुरता करवम। 33जऊन ह अपन जनिगी ला बचाय के कोससि करथे, ओह ओला गंवाही अऊ जऊन ह अपन जनिगी ला गंवाथे, ओह

ओला बचाही। 34मेंह तुमन ला कहत हंव, ओ रतहिा दू झन मनखे एक ठन खटयिा म सुते होही, ओम ले एक झन ला ले लयि जाही, अऊ दूसर झन ह छोड़ दयि जाही। 35दू माईलोगनमन एक संग आंटा पीसत होही, ओम ले एक झन ला ले लयि जाही, अऊ दूसर झन ला छोड़ दयि जाही। 36दू झन खेत म होही, ओम ले एक झन ला ले लयि जाही, अऊ दूसर झन ला छोड़ दयि जाही॥”

37चेलामन ओकर ले पुछनि, “हे परभू, ओमन ला कहां ले लयि जाही?”

यीसू ह ओमन ला कहसि, “जहिां लास हवय, उहां गंधिवामन जूरीं।”

### बधिवा अऊ नियायधीस के पटंतर

**18** तब यीसू ह अपन चेलामन ला ए सखोय बर एक पटंतर कहसि कि ओमन हमेसा पराथना करंय अऊ हमिमत रखंय। 2ओह कहसि, “एक सहर म एक नियायधीस रहिसि, जऊन ह न परमेसर ले डरय अऊ न ही मनखेमन के परवाह करय। 3ओहीच सहर म एक बधिवा रहय, जऊन ह ओ नियायधीस करा बार-बार आके बनिती करय, ‘मोर बईरी के बरिध म मोर नियाय कर।’

4कुछू समय तक तो ओह बधिवा के बात ला नई मानसि। पर आखरि म ओह अपन मन म कहसि, ‘हालाकि मेंह परमेसर ले नई डरंव या मनखेमन के परवाह नई करंव, 5पर ए बधिवा ह बार-बार आके मोला तकलीफ देवथे, मेंह देखहूं कि एला नियाय मलिय, ताकि एह बार-बार आके मोला परेसान झन करय।’ ”

6अऊ परभू ह कहसि, “सुनव, ए अधरमी नियायधीस ह का कहसि? 7त का परमेसर ह अपन चुने मनखेमन के नियाय नई करही, जऊन मन दिन अऊ रात ओकर से गोहार पारथें? का ओह ओमन के बारे म देरी करही? 8मेंह तुमन ला कहत हंव, ओह देखही कि ओमन ला नियाय मलिय अऊ जल्दी मलिय। पर जब मनखे के बेटा ह आही, त का ओह

धरती म ओमन ला पाही, जऊन मन ओकर ऊपर बसिवास करथें।”

### फरीसी अऊ लगान लेवइया के पटंतर

9यीसू ह ए पटंतर ओमन बर कहसि जऊन मन अपन-आप ला बहुंत धरमी अऊ आने मन ला तुछ समझंय। 10“दू झन मनखे मंदरि म पराथना करे बर गीन; ओम के एक झन फरीसी रहिसि अऊ एक झन लगान लेवइया। 11फरीसी ह ठाढ़ होईस अऊ अपन बारे म अइसने पराथना करन लगसि, ‘हे परमेसर, मेंह तोर धनबाद करत हंव कि मेंह आने मनखेमन सही लालची, बेईमान अऊ बेभचारी नो हंव, अऊ मेंह ए लगान लेवइया के सही घलो नो हंव। 12मेंह हप्ता म दू दिन उपास रखथंव अऊ मेंह अपन जम्मो कमई के दसवां भाग तोला देथंव।’

13पर लगान लेवइया ह दूरहिा म ठाढ़ होईस। अऊ त अऊ ओह स्वरग कोर्ता आंखी उठाके देखे के हमिमत घलो नई करसि, पर ओह अपन छाती ला पीट-पीटके कहसि, ‘हे परमेसर, मोर ऊपर दया कर, मेंह एक पापी मनखे अंव।’

14मेंह तुमन ला कहत हंव कि ओ फरीसी ह नई, पर ए लगान लेवइया ह परमेसर के आघू म धरमी गने गीस, जब ओह अपन घर गीस। काबरकि जऊन ह अपन-आप ला बहुंत बड़े समझथे, ओह दीन-हीन करे जाही, अऊ जऊन ह अपन-आप ला दीन-हीन करथे, ओला बड़े करे जाही।”

### छोटे लइकामन ला यीसू आसरिबाद देथे

(मत्ती 19:13-15; मरकुस 10:13-16)

15मनखेमन छोटे लइकामन ला यीसू करा लानत रहंय, ताकि ओह ओमन के ऊपर अपन हांथ रखय। पर जब चेलामन एला देखनि, त ओमन मनखेमन ला दबकारे लगनि। 16पर यीसू ह लइकामन ला अपन करा बलाईस अऊ कहसि, “छोटे लइकामन ला मोर करा आवन देवव, अऊ ओमन ला झन रोकव, काबरकि परमेसर के राज ह अइसने मन बर अय। 17मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह परमेसर के राज ला एक छोटे लइका सही

गरहन नई करही, ओह परमेसर के राज म कभू जाय नई पाही।”

### एक धनी मनखे

(मत्ती 19:1-30; मरकुस 10:17-31)

18 एक यहूदी अधिकारी ह यीसू ले पुछसि, “हे बने गुरू! परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पाय बर मोला का करना पड़ही?”

19 यीसू ह ओला जबाब दीस, “तेह मोला बने काबर कहत हवस? एके झन परमेसर के छोड़, कोनो बने नो हंय। 20 तेह हुकूमन ला जानतेच होबे: ‘छिनारी झन कर; हतिया झन कर; चोरी झन कर; लबारी गवाही झन दे; अपन दाई-ददा के आदर-मान कर।’”

21 ओ मनखे ह कहसि, “ए जम्मो ला तो मेंह अपन लइकापन ले मानत आय हवंव।”

22 ए सुनके यीसू ह ओकर ले कहसि, “तोला अभी घलो एक काम करे के जरूरत हवय। अपन जम्मो चीज ला बेंच अऊ पईसा ला गरीबमन म बांट दे; अऊ तोला स्वरग म खजाना मलिही। तब आ अऊ मोर पाछू हो ले।”

23 ए बात ला सुनके ओह बहुत उदास होईस, काबरका ओह एक बहुत धनवान मनखे रहिसि। 24 यीसू ह ओला देखके कहसि, “धनवान मनखेमन के परमेसर के राज म जवई कतेक कठिन अय, 25 वास्तव म, एक धनवान मनखे के परमेसर के राज म जवई के बदले, ऊंट के सुजी के छेदा म ले नकिर जवई सरल अय।”

26 जऊन मन एला सुनत रहिन, ओमन ह पुछिन, “तब कोन ह उद्धार पा सकथे?”

27 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन बात मनखे ले नई हो सकय, ओह परमेसर के दुवारा हो सकथे।”

28 तब पतरस ह ओला कहसि, “देख! हमन हमर जम्मो चीज ला छोड़के तोर पाछू हो ले हवन।”

29 यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह परमेसर के राज के हति म, घर या घरवाली या भाई या दाई-ददा या लइकामन ला छोड़ दे हवय, 30 ओह

इही जुग म कतको गुना अधिकि पाही, अऊ अवइया जुग म परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी घलो पाही।”

### यीसू ह अपन मरितू के बारे म फेर अगमबानी करथे

(मत्ती 20:17-19; मरकुस 10:32-34)

31 यीसू ह अपन बारह चेलावन ला एक तरफ ले गीस अऊ ओमन ला कहसि, “सुनव, हमन यरूसलेम जावत हवन, अऊ मनखे के बेटा के बारे म अगमजानीमन के दुवारा लिखे हर एक बात ह पूरा होही। 32 ओह आनजातमन के हांथ म सऊंफे जाही। ओमन ओकर हंसी उड़ाही, ओकर बेजत्ती करहीं, ओकर ऊपर थूकहीं, ओला कोर्रा ले मारहीं अऊ ओला मार डारहीं। 33 पर ओह तीसरा दिन फेर जी उठही।”

34 चेलावन यीसू के बात ला नई समझनि। ए बात के मतलब ह ओमन ले छपि रहिसि, अऊ ओमन नई जाननि कि ओह काकर बारे म गोठियावत रहिसि।

### यीसू ह एक अंधरा भीख मंगइया ला बने करथे

(मत्ती 20:29-34; मरकुस 10:46-52)

35 जब यीसू ह यरीहो सहर के लकठा म हबरसि, त उहां एक अंधरा मनखे ह सड़क तीर म बईठके भीख मांगत रहय। 36 जब ओह मनखेमन के भीड़ के रेंगे के अवाज सुनसि, त पुछसि, “का होवत हवय?” 37 मनखेमन ओला बताईन, “नासरत के यीसू ह जावत हवय।”

38 तब ओह चचियाके कहसि, “हे यीसू, दाऊद के संतान, मोर ऊपर दया कर।”

39 जऊन मन यीसू के आधू म जावत रहिन, ओमन ओला दबकारे लगनि अऊ ओला चुपेचाप रहे बर कहनि, पर ओह अऊ जोर से चचियाके कहसि, “हे दाऊद के संतान, मोर ऊपर दया कर।”

40 तब यीसू ह ओ करा ठाढ़ हो गीस अऊ हुकूम दीस, “ओ मनखे ला मोर करा लानव।” जब ओह लकठा म आईस, त यीसू



ह ओकर ले पुछसि, 41“तेंह का चाहथस कि मेंह तोर बर करंव?”

ओह कहसि, “हे परभू, मेंह देखे बर चाहत हंव।”

42यीसू ह ओला कहसि, “तेंह देखन लग; तोर बसिवास ह तोला बने करे हवय।”

43अऊ तुरते ओह देखे लगसि अऊ परमेसर के महिमा करत ओह यीसू के पाछू हो लीस। जब जम्मो मनखेमन एला देखनि, त ओमन घलो परमेसर के महिमा करनि।

### लगान लेवइया—जक्कई

**19** यीसू ह यरीहो सहर म ले होके जावत रहिसि। 2उहां जक्कई नांव के एक मनखे रहय। ओह लगान लेवइयामन के मुखिया रहय अऊ धनी मनखे रहय। 3ओह ए देखे चाहत रहय कि यीसू ह कोन ए, पर बुटरा होय के कारन भीड़ के मारे ओह यीसू ला नई देखे सकत रहिसि। 4एकरसेती ओह भीड़ के आघू दऊड़सि अऊ यीसू ला देखे बर एक ठन डूमर के रूख म चघ गीस, काबरकि यीसू ह ओही डुहार म आवत रहय।

5जब यीसू ह ओ जगह म हबरसि, त ओह ऊपर देखसि अऊ जक्कई ला कहसि, “हे जक्कई, तुरते खाल्हे उतर आ काबरकि आज मोला तोर घर म रूकना जरूरी ए।” 6ओह तुरते खाल्हे उतरसि अऊ खुस होके यीसू ला अपन घर ले गीस।

7एला देखके जम्मो मनखेमन कुड़कुड़ाय लगनि अऊ कहनि, “यीसू ह एक पापी मनखे के घर म पहुना होय बर गे हवय।”

8पर जक्कई ह ठाढ़ होईस अऊ परभू ला कहसि, “हे परभू, अब मेंह अपन आधा संपत्ती गरीबमन ला देवत हवंव, अऊ यदि मेंह काकरो ले कुछू ठगके ले हवंव, त मेंह ओकर चार गुना लहुंटाहूं।”

9यीसू ह ओला कहसि, “आज परमेसर ह ए मनखे अऊ एकर परिवार ला उद्धार दे हवय, काबरकि ए मनखे ह घलो अब्राहम के एक संतान ए। 10मनखे के बेटा ह एकर सही गंवायमन ला खोजे बर अऊ ओमन के उद्धार करे बर आय हवय।”

### दस ठन सोन के सक्का के पटंतर

(मत्ती 25:14-30)

11जब मनखेमन ए बात ला सुनत रहंय, तब यीसू ह ओमन ला एक पटंतर कहसि, काबरकि ओह यरूसलेम सहर के लकठा म हबर गे रहिसि अऊ मनखेमन सोचत रहंय कि परमेसर के राज ह तुरते सुरू होवइया हवय। 12एकरसेती ओह कहसि, “एक ऊंच कुल के मनखे ह एक बहुंत दूरहिया देस ला गीस कि ओह उहां राजपद पावय अऊ फेर लहुंटके आवय। 13जाय के पहिली, ओह अपन दस झन सेवक ला बलाईस अऊ ओमन ला दस ठन सोन के सक्का देके कहसि, ‘मोर वापसि लहुंटत तक ए पईसा ले लेन-देन करत रहव।’

14पर ओ देस के मनखेमन ओला बलिकुल ही पसंद नई करत रहिनि, एकरसेती ओमन कुछू झन ला ओकर पाछू ए कहे बर पठोईन, ‘हमन नई चाहत हवन कि ए मनखे ह हमर राजा बनय।’

15तभो ले, ओह राजा बनाय गीस अऊ फेर घर लहुंटसि। तब ओह जऊन सेवकमन ला पईसा दे रहिसि, ओमन ला बलाईस अऊ ए जाने चाहसि कि ओमन कतेक कमाय हवंय।

16पहिली सेवक ह आईस अऊ कहसि, ‘मालकि, तोर दयि सोन के सक्का ले मेंह दस ठन अऊ सोन के सक्का कमाय हवंव।’

17ओकर मालकि ह कहसि, ‘बहुंत बने करय। तेंह बने सेवक अस, काबरकि तेंह थोरकन चीज म ईमानदार रहय, मेंह तोला दस ठन सहर के अधिकारी बनावत हंव।’

18दूसरा सेवक ह आईस अऊ कहसि, ‘मालकि, तोर दयि सक्का ले मेंह पांच ठन अऊ सोन के सक्का कमाय हवंव।’

19ओकर मालकि ह कहसि, ‘मेंह तोला पांच ठन सहर के अधिकारी बनावत हंव।’

20तब एक दूसर सेवक आईस अऊ कहसि, ‘मालकि, ए हवय तोर सोन के सक्का, मेंह एला एक ठन कपड़ा के टुकड़ा म छुपा के रखे रहेंव। 21मेंह तोर ले डरत रहेंव, काबरकि तेंह एक कठोर मनखे अस। तेंह ओला ले लेथस, जऊन ह तोर नो हय,

अऊ जऊन ला तेंह नईं बोय रहस, ओला लूथस।’

22ओकर मालकि ह कहसि, ‘हे दुस्ट सेवक! मेंह तोर नयाय तोर कहे बचन के मुताबकि करहूं। तेंह जानत रहय कि मेंह एक कठोर मनखे अंव; मेंह ओला ले लेथंव, जऊन ह मोर नो हय, अऊ ओला लू लेथंव, जऊन ला मेंह नईं बोय रहंव। 23तब तेंह मोर पईसा ला बैक म काबर जमा नईं कर देवय, ताका वापसि आके मेंह एला बयाज सहति ले लेतेंव?’

24तब जऊन मन उहां ठाढ़े रहनि, ओमन ला ओह कहसि, ‘एकर ले सोन के सक्का ला ले लेवव अऊ एला ओ सेवक ला दे देवव, जेकर करा दस ठन सक्का हवय।’ 25ओमन कहनि, ‘हे मालकि, ओकर करा तो आघू ले दस ठन सक्का हवय।’

26ओह जबाब देवत कहसि, ‘मेंह तुमन ले कहत हंव कि हर एक झन जेकर करा हवय, ओला अऊ दयि जाही, पर जेकर करा नईं ए, ओकर ले ओ चीज घलो ले लयि जाही, जऊन ह ओकर करा बांचे हवय। 27पर मोर ओ बईरीमन ला इहां लानव, जऊन मन नईं चाहत रहनि कि मेंह ओमन के राजा बनव अऊ ओमन ला मोर आघू म मार डारव।’ ”

### बजिय उल्लास के संग यीसू के यरूसलेम म परवेस

(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; यूहन्ना 12:12-19)

28जब यीसू ह ए कह चुकसि, त ओह यरूसलेम कोर्ता ओमन के आघू-आघू गीस। 29जब यीसू ह जैतून पहाड़ करा बैतफगे अऊ बैतनयाह गांव के लकठा म आईस, त ओह अपन चेलामन ले दू झन ला ए कहकि पठोईस, 30“अपन आघू के गांव म जावव, अऊ जइसने तुमन गांव म हबरहू, तुमन ला उहां एक ठन गदही के बछरू मलिही, जेकर ऊपर कभू कोनो सवारी नईं करे हवय। ओला ढीलके इहां ले आवव। 31कहूं कोनो तुम्हर ले पुछय, ‘एला काबर ढीलत हवव?’ त ओला कहव, ‘परभू ला एकर जरूरत हवय।’ ”

32जऊन चेलामन यीसू के दुवारा पठोय गे रहनि, ओमन उहां जाके वइसनेच पाईन, जइसने यीसू ह ओमन ला कहे रहिसि। 33जब ओमन गदही के बछरू ला ढीलत रहनि, त ओकर मालकिमन ओमन ले पुछनि, “तुमन ए गदही के बछरू ला काबर ढीलत हवव?”

34ओमन कहनि, “परभू ला एकर जरूरत हवय।”

35ओमन गदही के बछरू ला यीसू करा लाननि। तब ओमन अपन ओन्ढामन ला गदही के बछरू ऊपर डालनि अऊ यीसू ला ओकर ऊपर बईठा दीन। 36जब यीसू ह गदही के बछरू म बईठके जावत रहिसि, त मनखेमन अपन ओन्ढा ला सड़क म दसावत जावत रहय।

37जब यीसू ह ओ जगह के लकठा म आईस, जहां सड़क ह खाल्हे जैतून पहाड़ कोर्ता जावत रहिसि, त ओकर चेलामन के जम्मो भीड़ ह आनंद मनाय लगसि अऊ ओमन जऊन चमतकार के काम देखे रहनि, ओकर सेती चचिया-चचियाके परमेसर के महिमा करके कहनि:

38“धइन ए ओ राजा, जऊन ह परभू के नांव म आथे! स्वरग म सांती अऊ परमेसर के महिमा होवय।”

39भीड़ म के कुछ फरीसीमन यीसू ला कहनि, “हे गुरू! अपन चेलामन ला दबकार।”

40यीसू ह कहसि, “मेंह तुमन ला कहत हंव कि यदि एमन चुप रहहीं, त पथरामन चचिया उठहीं।”

41जब यीसू ह यरूसलेम सहर के लकठा म आईस, त ओह सहर ला देखके रोईस, 42अऊ कहसि, “बने होतसि कि कहूं तेंह आज के दिन सरिपि ए जान गे रहतिय कि का बात म तोला सांती मलिही। पर अब ओ चीजमन तोर आंखी ले छपाय गे हवय।

43ओ समय ह तोर ऊपर आही, जब तोर बईरीमन तोर चारों अंग घेरा बनाहीं अऊ तोला घेरहीं अऊ तोला जम्मो कोर्ता ले बंद कर दिहीं। 44ओमन तोला अऊ तोर घेरा के भीतर रहइया मनखेमन ला पूरापूरी नास कर दिहीं; ओमन एको ठन पथरा ला अपन जगह

म नई छोड़ही, काबरकी तेंह ओ समय ला नई चनिहय, जब परमेसर ह तोर करा आईस।”

### यीसू ह मंदिर म

(मत्ती 21:12-17; मरकुस 11:15-19; यूहन्ना 2:13-22)

45तब यीसू ह मंदिर म गीस अऊ ओमन ला नकिरे के सुरू करसि, जऊन मन उहां सामान बेचत रहिनि, 46अऊ ओह ओमन ला कहसि, “परमेसर के बचन म ए लिखे हवय, ‘मोर घर ह पराथना के घर होही।’ पर तुमन एला डाकूमन के अड्डा बना ले हवव।”

47यीसू ह हर दिन मंदिर म उपदेस करत रहिसि। अऊ मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ मनखे मन के अगुवामन ओला मार डारे के कोससि करत रहिनि। 48पर ओमन ला अइसने करे बर कोनो उपाय नई मलिसि, काबरकी जम्मो मनखेमन बड़े लगन से यीसू के बात ला सुनय।

### यीसू के अधिकार के बारे म सवाल

(मत्ती 21:23-27; मरकुस 11:27-33)

**20** एक दिन जब यीसू ह मंदिर के अंगना म मनखेमन ला उपदेस देवत रहिसि अऊ सुघर संदेस के परचार करत रहिसि, त मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन अगुवामन के संग ओकर करा आईन, 2अऊ ओमन यीसू ले पुछनि, “हमन ला बता, कोन अधिकार ले तेंह ए चीजमन ला करत हवस? कोन ह तोला ए अधिकार दे हवय?”

3ओह ओमन ला जबाब देवत कहसि, “मेंह घलो तुमन ले एक सवाल पुछत हंव। मोला बतावव, 4यूहन्ना ला बतसिमा देय के अधिकार स्वरग (परमेसर) ले मलि रहिसि की मनखेमन ले?”

5ओमन आपस म सोच-बिचार करनि अऊ कहनि, “यदि हमन कहन, ‘स्वरग ले,’ तब ओह पुछही, ‘तब तुमन काबर ओकर ऊपर बसिवास नई करेव?’ 6पर यदि हमन कहन, ‘मनखेमन ले,’ त जम्मो मनखे हमन ला पथरा फेंके मारहीं, काबरकी ओमन बसिवास

करथय की यूहन्ना ह एक अगमजानी रहिसि।”

7एकरसेती ओमन जबाब दीन, “हमन नई जानन की ओह काकर कोती ले रहिसि।”

8तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “त मेंह घलो तुमन ला नई बतावव की कोन अधिकार ले मेंह ए चीजमन ला करत हवव।”

### रेगहा म खेत कमइया कसिानमन के पटंतर

(मत्ती 21:33-46; मरकुस 12:1-12)

9तब यीसू ह मनखेमन ला ए पटंतर कहसि, “एक मनखे एक अंगूर के बारी लगाईस, अऊ ओला कुछू कसिानमन ला रेगहा म दे दीस अऊ बहुत दिन बर परदेस चल दीस। 10जब अंगूर के फसल के समय आईस, त ओह अपन एक सेवक ला ओ कसिानमन करा पठोईस ताकी ओमन अंगूर के बारी के कुछू फर ओला देवय। पर कसिानमन ओ सेवक ला मारनि-पीटनि अऊ ओला जुछा हांथ वापसि पठो दीन। 11तब ओह दूसर सेवक ला पठोईस, पर कसिानमन ओला घलो मारनि-पीटनि; ओकर बेजत्ती करनि अऊ ओला जुछा हांथ वापसि पठो दीन। 12फेर ओह तीसरा सेवक ला पठोईस, अऊ कसिानमन ओला घायल करके बारी के बाहरि फटकि दीन।

13तब अंगूर के बारी के मालकि ह कहसि, ‘मेंह का करव? मेंह अपन मयारू बेटा ला पठोहूँ। हो सकथे की ओमन ह ओकर आदर करय।’

14पर जब कसिानमन मालकि के बेटा ला देखनि, त ओमन आपस म कहनि, ‘एह तो बारी के वारसि ए। आवव, हमन ओला मार डारन, तब ओकर संपत्ती ह हमर हो जाही।’ 15अऊ ओमन ओला अंगूर के बारी ले बाहरि फटकि दीन अऊ ओला मार डारनि।

तब बारी के मालकि ह ओमन के संग का करही? 16ओह आही अऊ ओ कसिानमन ला मार डारही अऊ अंगूर के बारी ला आने मन ला दे दीही।”

जब मनखेमन एला सुननि, त ओमन कहनि, “अइसने कभू झन होवय।”

17यीसू ह ओमन ला देखके कहसि, “तब परमेसर के बचन म लिखे ए बात के का मतलब होथे?

“जऊन पथरा ला राज-मस्त्रीमन बेकार समझनि,  
ओहीच ह कोना के पथरा बन गीस।’

18जऊन कोनो ओ पथरा ऊपर गरिही, ओह कुटी-कुटी हो जाही, पर जेकर ऊपर ए पथरा ह गरिही, ओह चकनाचूर हो जाही।”

19कानून के गुरू अऊ मुखिया पुरोहित मन ओतकीच बेरा यीसू ला पकड़े के कोसिस करनि, काबरकी ओमन जानत रहिनि की ओह ए पटंतर ला ओमन के बरीध म कहे हवय। पर ओमन मनखेन ले डर्राईन।

**महाराजा ला लगान पटाय के बारे म सवाल**  
(मत्ती 22:15-22; मरकुस 12:13-17)

20ओमन यीसू ऊपर नजर रखे रहंय अऊ ओमन भेदयामन ला पठोईन, जऊन मन ईमानदार होय के ढोंग करत रहंय। ओमन ए आसा करत रहंय की यीसू के मुहूँ ले कोनो अइसने बात नकिरे, जेकर ले ओला ओमन पकड़ंय अऊ राजपाल के हांथ अऊ अधिकार म सऊंय सकंय। 21एकरसेती ओ भेदयामन यीसू ले पुछनि, “हे गुरू, हमन जानथन की तैंह ओ बात ला कहथिस अऊ सखिथस जऊन ह सही ए, अऊ तैंह मुहूँ देखके नइं गोठियावस, पर सच्चई के संग परमेसर के बात ला सखिथस। 22हमन ला बता की महाराजा ला लगान पटाना हमर बर ठीक अय की नइं?”

23पर यीसू ह ओमन के चाल ला समझ गीस अऊ कहसि, 24“मोला एक ठन सक्का देखावव। एकर ऊपर काकर चेहरा अऊ नांव हवय?”

ओमन कहनि, “महाराजा के।”

25यीसू ह ओमन ला कहसि, “जऊन ह महाराजा के अय, ओला महाराजा ला देवव, अऊ जऊन ह परमेसर के अय, ओला परमेसर ला देवव।”

26जऊन बात, ओह मनखेन के आघू म कहसि, ओम ओमन ह ओला फंसाय नइं

सकनि। अऊ ओकर जबाब ले चकति होके, ओमन चुप हो गीन।

**मरे म ले फेर जी उठे के बारे म सवाल**  
(मत्ती 22:23-33; मरकुस 12:18-27)

27सदूकीमन कहथिं की जऊन मन मर गे हवंय, ओमन फेर नइं जी उठंय। ओम के कुछू झन यीसू करा आईन अऊ ओकर ले पुछनि, 28“हे गुरू, मूसा ह हमर बर लिखे हवय की यदि कोनो मनखे के भाई ह अपन घरवाली के रहत बगिर संतान के मर जावय, त एह जरूरी ए की ओ मनखे ह अपन भाई के बधिवा ले बहिाव करय अऊ अपन भाई बर संतान पैदा करय। 29एक जगह सात भाईमन रहिनि। बड़े भाई ह एक माईलोगन ले बहिाव करसि अऊ बगिर कोनो लइका के मर गीस। 30तब दूसरा भाई ह ओ माईलोगन ले बहिाव करसि, 31अऊ तब तीसरा भाई ह ओकर ले बहिाव करसि, अऊ इही किसिम ले सातों भाई बगिर कोनो संतान के मर गीन। 32आखरि म ओ माईलोगन घलो मर गीस। 33तब ओ दिन जब मरे मनखेन फेर जी उठहीं, त ओह काकर घरवाली होही, जबकी ओकर ले सात झन बहिाव करे रहिनि?”

34यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “ए जुग के आदमी अऊ माईलोगन मन सादी-बहिाव करथें, 35पर जऊन आदमी अऊ माईलोगन मन ए लइक ठहरथें की ओमन मरे म ले जी उठंय अऊ ओ जुग म जीयंय; उहां ओमन के बीच म सादी-बहिाव नइं होवय। 36ओमन फेर कभू नइं मरंय; काबरकी ओमन स्वरगदूतमन सहीं होथें। ओमन परमेसर के संतान अंय काबरकी ओमन मरे म ले जी उठे हवंय। 37मरे मन जी उठथें, एला मूसा ह घलो जरत झाड़ी के घटना म बताथे, जहां ओह परभू ला ‘अब्राहम के परमेसर, अऊ इसहाक के परमेसर, अऊ याकूब के परमेसर,’ कहथिं। 38एकर मतलब होथे की ओह मरे मन के नइं, पर जीयत मन के परमेसर अय, काबरकी ओकर बर जम्मो झन जीयत हवंय।”

39कुछू कानून के गुरूमन कहनि, “हे गुरू,

तैंह बने कहय!" 40एकर बाद ओमन ओला अऊ कोनो सवाल करे के हमिमत नई करनि।

### मसीह ह काकर बेटा अय?

(मत्ती 22:41-46; मरकुस 12:35-37)

41तब यीसू ह ओमन ला कहसि, "ओमन कइसने कह सकथें कि मसीह ह दाऊद के संतान अय? 42काबरका दाऊद ह खुदे भजन-संहिता के किताब म कहथि:

‘परभू ह मोर परभू ले कहसि:

“मोर जेवनी हांथ अंग बईठ,

43जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला तोर गोड़ रखे के चउकी नई बना देवं।” ’

44जब दाऊद ह ओला ‘परभू’ कहथि, तब मसीह ह दाऊद के संतान कइसने हो सकथे?”

45जब जम्मो मनखेमन यीसू के बात ला सुनत रहिनि, त यीसू ह अपन चेलामन ला कहसि, 46“कानून के गुरमन ले सचेत रहव। ओमन लम्बा-लम्बा कपड़ा पहिर एती-ओती घूमना पसंद करथें, अऊ ओमन ला बजार के जगह म जोहार झोंकना, यहूदीमन के सभा घर म सबले बने आसन म बईठना अऊ भोज म आदर के जगह म बईठना बहुंत बने लगथे। 47ओमन बंधिवामन के घरमन ला छीन लेथें अऊ देखाय बर लम्बा पराथना करथें। अइसने मनखेमन बहुंत कठोर दंड पाहीं।”

### गरीब बंधिवा के दान

(मरकुस 12:41-44)

**21** यीसू ह देखसि कि धनी मनखेमन अपन दान ला मंदिर के खजाना म डारत रह्य। 2ओह एक गरीब बंधिवा ला घलो ओम दू ठन तांबा के छोटे सक्का डारत देखसि। 3यीसू ह कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथं, ए गरीब बंधिवा ह आने जम्मो ले जादा दान दे हवय। 4काबरका ए जम्मो मनखे अपन संपत्ति ले दान दे हवंय; पर ओह अपन गरीबी म ले जम्मो

ला दे हवय, जऊन म ओकर जनिगी चले रहति।”

### जुग के अंत होय के चनिहां

(मत्ती 24:1-2; मरकुस 13:1-2)

5यीसू के कुछू चेलामन मंदिर के बारे म गोठियावत रहिनि कि मंदिर ह कइसने सुन्दर पथरामन ले अऊ परमेसर ला चघाय दान ले सजाय-संवारे गे हवय। पर यीसू ह कहसि, 6“ओ चीज जऊन ला तुमन इहां देखत हवव, एक समय आही, जब एको ठन पथरा उहां अपन जगह म नई बचही; हर एक पथरा ला खाल्हे फटक दिथि जाही।”

7ओमन पुछनि, “हे गुरू, ए बातमन कब होही? अऊ ए बातमन के होय के पहिली, का चनिहां देखिही?”

8यीसू ह कहसि, “सचेत रहव कि तुमन धोखा झन खावव। काबरका बहुंत मनखेमन मोर नांव म ए कहत आहीं, ‘मेंह मसीह अंव अऊ समय ह लकठा आ गे हवय।’ पर ओमन के पाछू झन जावव। 9जब तुमन लड़ई अऊ उपद्रव के बात सुनव, त झन डरव। पहिली ए बातमन के होना जरूरी अय, पर ओ समय तुरते अंत नई होवय।”

10तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “एक देस ह दूसर देस के बरिध म लड़ही, अऊ एक राज ह दूसर राज के ऊपर चढ़ई करही। 11जगह-जगह भयंकर भुइंडोल, अकाल अऊ महामारी होही, अऊ अकास ले भयंकर बात अऊ बड़े-बड़े चनिहां परगट होहीं।

12पर ए जम्मो होय के पहिली, मनखेमन तुमन ला पकड़हीं अऊ सताहीं। ओमन तुमन ला यहूदीमन के सभा घर म सऊप दिहीं अऊ तुमन ला जेल म डार दिहीं। ओमन तुमन ला राजा अऊ राजपाल मन करा लानहीं अऊ ए जम्मो बात मोर नांव के कारन होही। 13एह तुम्हर बर मोर गवाही देय के मऊका होही। 14अपन मन म ठान लेवव कि एकर बारे म चाँता करे के जरूरत नई ए कि अपन बचाव कइसने करहू। 15काबरका मेंह तुमन ला बचन अऊ बुद्धि दूहूँ कि तुम्हर कोनो घलो बईरी तुम्हर बरिध या खंडन नई कर

सकहीं। 16अऊ त अऊ तुम्हर दाई-ददा, भाई, रसितेदार अऊ संगवारी मन तुमन ला पकड़वाहीं अऊ ओमन तुमन ले कुछू झन ला मरवा डारहीं। 17मोर कारन, जम्मो मनखेमन तुम्हर ले घनि करहीं। 18पर तुम्हर मुड़ के कोनो बाल घलो बांका नई होवय। 19मोर बसिवास म मजबूत रहे के दुवारा तुमन अपन जनिगी ला बचाहू।”

### यीसू ह यरूसलेम के बनिास के बारे म गोठियाथे

(मत्ती 24:15-21; मरकुस 13:14-19)

20“जब तुमन यरूसलेम ला सेनामन ले चारों कोर्ता घेराय देखव, त तुमन जान लेवव की एकर बनिास होवइया हवय। 21तब जऊन मन यहूदिया प्रदेस म हवय, ओमन भाग के पहाड़मन म चले जावय; जऊन मन यरूसलेम सहर म हवय, ओमन सहर ले नकिर जावय, अऊ जऊन मन सहर के बाहरि हवय, ओमन सहर के भीतर झन जावय। 22काबरकी एह दंड के समय होही। ए किसिम ले परमेसर के बचन म लिखे ओ जम्मो बात पूरा होही। 23ओ दिन म जऊन माईलोगनमन देहें म होहीं अऊ जऊन दाईमन गोरस पीयावत होहीं, ओमन बर ओ दिनमन भयंकर होहीं। ए देस म भयंकर बपित्ती पड़ही अऊ परमेसर के कोरोध ए मनखेमन ऊपर भड़कही। 24ओमन तलवार ले मारे जाहीं अऊ मनखेमन ला बंदी के रूप म जम्मो देस म पहुंचाय जाही। यरूसलेम ह आनजातमन के गोड़ ले तब तक कुचरे जाही, जब तक की आनजातमन के समय ह पूरा नई हो जावय।

25सूरज, चंदा अऊ तारामन म चनिहां दखिहीं। धरती म, जम्मो देस के मनखेमन दुःख भोगहीं अऊ ओमन समुंदर के गरजन अऊ भयंकर लहरा ले घबराहीं। 26भय अऊ संसार म अवइया संकट के कारन मनखेमन के जी म जी नई रहिहीं, काबरकी अकास के सक्तमिन हलाय जाहीं। 27ओ समय मनखेमन ‘मनखे के बेटा’ ला एक बादर म सक्ती अऊ बड़े महिमा के संग आवत देखिहीं। 28जब ए बातमन होवन लगय, त

ठाढ़ हो जावव अऊ अपन मुड़ ला ऊपर करव, काबरकी तुम्हर उद्धार ह लकठा म होही।”

29तब यीसू ह ओमन ला ए पटंटर कहसि, “अंजीर के रूख अऊ जम्मो आने रूखमन ला देखव। 30जब ओम पान नकिरथे, त तुमन देखके खुदे जान लेथव की घाम के महिना अवइया हवय। 31ओही किसिम ले, जब तुमन ए बातमन ला होवत देखव, त जान लेवव की परमेसर के राज ह अवइया हवय।

32मेंह तुमन ला सच कहत हंव की जब तक ए जम्मो बातमन नई हो जावय, तब तक ए पीढ़ी के मनखेमन नई मरय। 33अकास अऊ धरती ह टर जाही, पर मोर बात ह कभू नई टरय।

34सचेत रहव, नई तो तुम्हर हरिदय ह खराप जनिगी, मतवालपन अऊ जनिगी के चर्ता करे म लग जाही, अऊ ओ दिन ह एक ठन फांदा के सहीं तुम्हर ऊपर आ जाही। 35काबरकी एह ओ जम्मो झन के ऊपर आही, जऊन मन धरती म रहथिं। 36हमेसा सचेत रहव अऊ पराथना करत रहव की तुमन ओ जम्मो अवइया संकट ले बच सकव, अऊ तुमन ‘मनखे के बेटा’ के आघू म ठाढ़ होय के लड़क बन सकव।”

37हर एक दिन यीसू ह मंदिर म उपदेस करय, अऊ हर संज्ञा ओह बाहरि जैतून नांव के पहाड़ म रात बताय बर चले जावय, 38अऊ जम्मो मनखेमन बड़े बहिनियां ले ओकर बात सुने बर मंदिर म आवय।

### यहूदा ह यीसू ला पकड़वाय बर तयार हो जाथे

(मत्ती 26:14-16; मरकुस 14:10-11)

**22** यहूदीमन के बनि खमीर के रोटी के तहियार जऊन ला फसह तहियार कहे जाथे, लकठा आवत रहय। 2अऊ मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन चुपेचाप यीसू ला मार डारे के कुछू उपाय खोजत रहय, पर ओमन मनखेमन ले डर्रावत रहय। 3तब सैतान ह यहूदा के भीतर म हमाईस, जऊन ला इस्करियोती घलो कहे जावय; अऊ जऊन ह

यीसू के बारह चेलांमन ले एक झन रहिसि। 4यहूदा ह मुखिया पुरोहित अऊ मंदिर के रखवार मन के अधिकारीमन करा गीस अऊ ओमन के संग बातचीत करसि कि ओह यीसू ला कइसने ओमन के हांथ म पकड़वाही। 5ओमन खुस होईन अऊ ओला पईसा देय बर राजी हो गीन। 6यहूदा घलो तयार हो गीस, अऊ मऊका खोजे लगसि कि जब उहां भीड़ झन रहय, तब ओह यीसू ला ओमन के हांथ म पकड़वा देवय।

### आखरी भोजन

(मत्ती 26:17-25; मरकुस 14:12-21; यूहन्ना

13:21-30)

7तब यहूदीमन के बनि खमीर के रोटी के दिन ह आईस अऊ ए दिन म फसह तहियार बर मेढ़ा पीला ला बलदिन करना जरूरी रहय। 8यीसू ह पतरस अऊ यूहन्ना ला ए कहकि पठोईस, “जावव अऊ हमर बर फसह तहियार के भोजन के तयारी करव।”

9ओमन पुछनि, “तेंह कहां चाहथस कि हमन एकर तयारी करन?”

10यीसू ह ओमन ला कहसि, “जब तुमन सहर म जाहू, त तुमन ला एक मनखे घघरी म पानी लेवत मलिही। जऊन घर म ओह जावय, तुमन ओकर पाछू-पाछू चले जावव, 11अऊ ओ घर के मालकि ले कहव, ‘गुरू ह पुछत हवय कि ओ पहुना-कमरा कहां हवय, जहिं में अपन चेलांमन संग फसह तहियार के भोजन खावव?’ 12ओह तुमन ला ऊपर म एक सजे-सजाय बड़े कमरा देखा दिही। उहां तुमन तयारी करव।”

13ओमन गीन अऊ हर चीज ला वइसनेच पाईन, जइसने यीसू ह ओमन ला कहे रहिसि, अऊ ओमन फसह तहियार के भोजन के तयारी करनि।

14जब समय आईस, त यीसू अऊ ओकर पुरेतिमन खाय बर बईठनि। 15अऊ ओह ओमन ला कहसि, “एकर पहिली कि मेंह दुःख भोगव, मोर बहुंत ईछा रहिसि कि मेंह तुम्हर संग ए फसह के भोजन ला खावव। 16काबरकि मेंह तुमन ला कहत हंव, जब

तक जम्मो बात परमेसर के राज म पूरा नई हो जावय, तब तक मेंह एला फेर कभू नई खावव।”

17तब यीसू ह अंगूर के मंद के कटोरा ला लेके परमेसर ला धनबाद दीस अऊ कहसि, “एला लेवव अऊ आपस म बांट लेवव। 18काबरकि मेंह तुमन ला कहत हंव कि जब तक परमेसर के राज नई आ जावय, तब तक मेंह अंगूर के मंद ला फेर नई पीयव।”

19तब ओह कुछू रोटी लीस, अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओला टोरसि अऊ अपन चेलांमन ला देके कहसि, “एह मोर देहें ए, जऊन ह तुम्हर बर देय जावत हवय; मोर सुरता म एही करे करव।”

20ओही कसिम ले भोजन के पाछू, यीसू ह कटोरा ला लीस अऊ कहसि, “ए कटोरा ह मोर लहू म परमेसर के नवां करार ए, जऊन ह तुम्हर बर ढारे जावथे। 21पर जऊन ह मोला धोखा दिही, ओकर हांथ ह मोर संग टेबल म हवय। 22मनखे के बेटा ह मरही, जइसने परमेसर ह ठहराय हवय; पर धक्कार ए ओ मनखे ला, जऊन ह ओला धोखा दिही।” 23तब चेलांमन आपस म पुछे लगनि, “हमन म ओह कोन हो सकथे, जऊन ह ए काम करही।”

### चेलांमन म कोन बड़े

24ओमन म ए बविाद घलो होय लगसि कि ओमन के बीच म कोन चेला सबले बड़े माने जाही। 25यीसू ह ओमन ला कहसि, “आनजातमन के राजामन अपन मनखेमन ऊपर हुकूम चलाथें; अऊ जऊन मन ओमन के ऊपर अधिकार रखथें, ओमन अपन-आप ला भलाई करइया कहथिं। 26पर तुमन ला वइसने नई बनना हवय। एकर बदले, जऊन ह तुम्हर बीच म सबले बड़े ए, ओह सबले छोटे सहीं बनय, अऊ जऊन ह हुकूम चलाथे, ओह सेवक के सहीं बनय। 27कोन ह बड़े ए, ओ—जऊन ह खाय बर बईठथे या ओ—जऊन ह ओकर सेवा करथे? ओही ह जऊन ह खाय बर बईठथे। पर मेंह तुम्हर बीच म एक सेवक के सहीं अंव। 28तुमन ओ मनखे

अव, जऊन मन मोर दुःख के समय म मोर संग रहेव। 29अऊ मेंह तुमन ला एक राज के ऊपर सासन करे के अधिकार देवत हंव, जइसने मोर ददा ह मोला एक राज के ऊपर सासन करे के अधिकार दे हवय, 30ताका तुमन मोर राज म मोर संग बईठके खावव अऊ पीयव अऊ सधिसनमन म बईठके, इसरायल के बारह गोत्र के नयाय करव।

31समिोन, समिोन, सुन! सैतान ह तुमन ला परखे बर अनुमती मांगे हवय किजइसने कसिान ह गहू ला भूसी से अलग करथे, वइसने ओह तुमन ला अलग करय। 32पर मेंह तोर बर पराथना करे हवंव, समिोन! ताका तोर बसिवास ह बने रहय। अऊ जब तेंह मोर करा लहुंटे के आ जाबे, त अपन भाईमन ला बसिवास म मजबूत करबे।”

33पर समिोन पतरस ह यीसू ला कहसि, “हे परभू, मेंह तोर संग जेल जाय बर तयार हवंव अऊ मरे बर घलो तयार हवंव।”

34यीसू ह कहसि, “पतरस, मेंह तोला कहत हंव कि आज कुकरा बासे के पहिली, तेंह तीन बार इनकार करबे कि तेंह मोला जानथस।”

35तब यीसू ह ओमन ले पुछसि, “जब मेंह तुमन ला बगिर पईसा, झोला या पनही के पठोय रहेव, त का तुमन ला कोनो चीज के कमी होईस?”

ओमन कहनि, “कोनो चीज के कमी नइ होईस।”

36यीसू ह ओमन ला कहसि, “पर अब जेकर करा पईसा हवय, ओह ओला ले लेय, अऊ झोला घलो धर ले; अऊ जेकर करा तलवार नइ ए, ओह अपन ओनडा ला बेंचके एक ठन तलवार बसिो ले। 37परमेसर के बचन म ए लिखे हवय: ‘अऊ ओकर गनती अपराधी मन संग होईस,’ अऊ मेंह तुमन ला कहथंव कि ए बात के मोर ऊपर पूरा होना जरूरी ए। काबरका जऊन बात ह मोर बारे म लिखे गे हवय, ओह पूरा होवत हवय।”

38चेलामन कहनि, “हे परभू, देख, इहां दू ठन तलवार हवय।”

ओह कहसि, “ए कसिम के बात बहुत हो गीस।”

**यीसू ह जैतून के पहाड़ म पराथना करथे**

(मत्ती 26:36-46; मरकुस 14:32-42)

39यीसू ह घर के बाहिर नकिरसि अऊ अपन रीती के मुताबकि ओह जैतून पहाड़ ला गीस अऊ ओकर चेलामन ओकर पाछू-पाछू गीन। 40ओ जगह म हबरके यीसू ह ओमन ला कहसि, “पराथना करव ताका तुमन परछिा म झन पड़व।” 41तब ओह ओमन ले कुछ दूरहिा गीस अऊ माड़ी टेकके ए पराथना करे लगसि, 42“हे ददा, कहूं तोर ईछा हवय, त ए दुःख के कटोरा ला मोर करा ले टार दे; तभो ले मोर नइ, पर तोर ईछा पूरा होवय।”

43तब स्वरग ले एक स्वरगदूत ओकर करा आईस अऊ ओला मजबूत करसि। 44अऊ ओह बहुते बयिकुल होके, अऊ लगन से पराथना करे लगसि, अऊ ओकर पसीना ह लहू के बूंद सहीं भुइयां म गरित रहय।

45जब ओह पराथना करके उठसि, अऊ चेलामन करा गीस, त ओह ओमन ला दुःख के मारे सोवत अऊ थके पाईस। 46ओह ओमन ला कहसि, “तुमन काबर सुतत हवव? उठव अऊ पराथना करव ताका तुमन परछिा म झन पड़व।”

**यीसू ह बंदी बनाय जाथे**

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; यूहन्ना

18:3-12)

47जब यीसू ह गोठियावत रहसि, तभे मनखेमन के एक भीड़ आईस; अऊ यहूदा जऊन ह यीसू के बारह चेलामन ले एक झन रहसि, ओमन के आघू-आघू चलत रहय। ओह यीसू करा ओला चूमे बर आईस। 48पर यीसू ह ओला कहसि, “हे यहूदा, चूमा देके का तेंह मनखे के बेटा ला पकड़वावत हस?”

49यीसू के चेलामन जब देखनि कि का होवइया हवय, त ओमन कहनि, “हे परभू, का हमन अपन तलवार चलावन?” 50अऊ ओम ले एक झन महा पुरोहित के सेवक



ऊपर तलवार चलाके ओकर जेवनी कान उड़ा दीस।

51तब यीसू ह कहसि, “एला बंद करव।” अऊ ओह मनखे के कान ला छुईस अऊ ओला बने कर दीस।

52तब यीसू ह ओ मुखिया पुरोहित, मंदिर के रखवारमन के अधिकारी अऊ अगुवामन ला कहसि, जऊन मन ओला पकड़े बर आय रहिनि, “का मेंह डाकू अंव का तुमन तलवार अऊ बड़े-बड़े लउठी लेके आय हवव? 53मेंह हर दिन तुम्हर संग मंदिर म रहेंव, अऊ तुमन मोला नई पकड़ेंव। पर एह तुम्हर समय ए, जब अंधियार के सक्तीह राज करथे।”

### पतरस ह यीसू के इनकार करथे

(मत्ती 26:57-58, 69-75; मरकुस 14:53-54,

66-72; यूहन्ना 18:12-18, 25-27)

54तब ओमन यीसू ला पकड़नि अऊ ओला महा पुरोहित के घर ले गीन। पतरस ह कुछू दूरहिा म रहत ओकर पाछू-पाछू आईस। 55पर जब ओमन मांझा अंगना म आगी बारके चारों अंग बईठ गीन, त पतरस ह ओमन के संग जाके बईठ गीस। 56एक झन नौकरानी टूरी ओला आगी के अंजोर म उहां बईठे देखसि। ओ टूरी ह ओला धियान लगाके देखसि अऊ कहसि, “ए मनखे ह यीसू के संग रहिसि।”

57पर पतरस ह इनकार करसि अऊ कहसि, “ए टूरी, मेंह ओला नई जानंव।”

58थोरकन देर बाद, एक आने मनखे ओला देखसि अऊ कहसि, “तेंह घलो ओमन ले एक झन अस।”

पर पतरस ह कहसि, “ए मनखे, मेंह नो हंव।”

59करीब एक घंटा के बाद, एक आने मनखे ह जोर देके कहसि, “सही म, ए मनखे ह ओकर संग रहिसि, काबरका एह घलो गलील प्रदेश के रहइया ए।”

60पतरस ह जबाब देके कहसि, “ए मनखे,

मेंह नई जानंव का तेंह का कहथस।” जब ओह ए कहतिच रहिसि का तुरते कुकरा ह बाससि। 61अऊ परभू ह लहुंटके पतरस ला सीधा देखसि, तब पतरस ह परभू के कहे ओ बात ला सुरता करसि, “एकर पहिली का आज कुकरा ह बासे, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे।” 62पतरस ह अंगना के बाहरि गीस अऊ फूट-फूट के रोईस।

### सैनकिमन यीसू के हंसी उड़ाथें

(मत्ती 26:67-68; मरकुस 14:65)

63जऊन मनखेमन यीसू के रखवारी करत रहंय, ओमन यीसू के ठट्ठा करनि अऊ ओला मारे-पीटे लगनि। 64ओमन यीसू के आंखी ऊपर कपड़ा बांधके ओकर ले पुछनि, “अगमबानी करके हमन ला बता का तोला कोन मारसि?” 65ओमन अऊ बहुत बेजत्ती के बात ओला कहनि।

### यीसू धरम-महासभा के आघू म

(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; यूहन्ना

18:19-24)

66जब दिन होईस, त मनखेमन के अगुवा, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरून एक सभा के रूप म जुरनि, अऊ यीसू ह ओमन के आघू म लाने गीस। 67ओमन यीसू ले पुछनि, “यदा तेंह मसीह अस, त हमन ला बता?”

यीसू ह जबाब दीस, “यदा मेंह तुमन ला बताहूं, त तुमन मोर ऊपर बसिवास नई करहू, 68अऊ यदा मेंह तुमन ले पुछहूं, त तुमन जबाब नई दूहू। 69पर अब ले, मनखे के बेटा ह सर्वसक्तमान परमेसर के जेवनी हांथ कोता बईठही।”

70ओमन जम्मो झन पुछनि, “त का तेंह परमेसर के बेटा अस?”

ओह ओमन ला जबाब दीस, “तुमन सही कहथव, काबरका मेंह अंव।”

71तब ओमन कहनि, “हमन ला अऊ गवाह के जरूरत नई ए। हमन खुदे ओकर मुहूं ले सुन लेय हवन।”

यीसू ह पीलातुस राजपाल अऊ हेरोदेस राजा के आघू म

(मत्ती 27:1-2, 11-14; मरकुस 15:1-5;

यूहन्ना 18:28-38)

**23** तब मनखेमन के जम्मो सभा ह उठसि अऊ यीसू ला पीलातुस करा ले गीस। 2अऊ उहां ओमन ओकर ऊपर ए कहकिं दोस लगाय लगनि, “हमन देखे हवन की ए आदमी ह हमर मनखेमन ला बहकावत रहिसि। ओह मनखेमन ला महाराजा ला लगान पटाय बर मना करथे अऊ अपन-आप ला मसीह—एक राजा कहथि।”

3पीलातुस ह यीसू ले पुछसि, “का तेंह यहूदीमन के राजा अस?”

यीसू ह ओला जबाब दीस, “हव जी, जइसने तेंह कहथस।”

4तब पीलातुस ह मुखिया पुरोहित अऊ मनखे मन ला कहसि, “मेंह ए मनखे म कोनो दोस नई पावय।”

5पर ओमन अऊ जोर देके कहनि, “ओह जम्मो यहूदिया प्रदेस म अपन उपदेस के दुवारा मनखेमन ला भड़काय हवय। ओह गलील प्रदेस म सुरू करसि अऊ अब इहां तक आ गे हवय।”

6ए सुनके पीलातुस ह पुछसि, “का ए मनखे ह गलील प्रदेस के रहइया ए?” 7जब ओह ए जानसि की यीसू ह हेरोदेस के राज के अय, त ओह यीसू ला हेरोदेस राजा करा पठो दीस। ओ समय म हेरोदेस राजा घलो यरूसलेम सहर म रहिसि।

8जब हेरोदेस ह यीसू ला देखसि, त ओह बहुंत खुस होईस, काबरकी ओह बहुंत समय ले ओला देखे चाहत रहिसि। ओह यीसू के बारे म सुने रहिसि अऊ ओह आसा करत रहिसि की यीसू ह कुछ चमतकार के काम देखाही। 9एकरसेति, ओह यीसू ले बहुंत सवाल करसि, पर यीसू ह ओला कोनो जबाब नई दीस। 10मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन उहां ठाढ़े रह्य, अऊ ओमन तन-मन ले यीसू ऊपर दोस लगावत रह्य। 11तब हेरोदेस अऊ ओकर सैनिकमन यीसू के ठट्ठा करनि अऊ हंसी उड़ाईन, अऊ ओमन

ओला भड़कीला कपड़ा पहिराके पीलातुस करा वापसि पठो दीन। 12अऊ ओही दिन ले हेरोदेस अऊ पीलातुस एक-दूसर के संगवारी बन गीन; एकर पहिली ओमन एक दूसर के बर्दारी रहनि।

13पीलातुस ह मुखिया पुरोहित, अधिकारी अऊ मनखे मन ला बलाईस 14अऊ ओमन ला कहसि, “तुमन ए मनखे ला मोर करा लानके ए कहेव की एह मनखेमन ला भड़कावत रहिसि। मेंह तुम्हर आघू म एकर जांच करेव, पर तुमन जऊन बात के दोस ओकर ऊपर लगावत हव, ओम मेंह ओला दोसी नई पायेंव। 15अऊ न हेरोदेस राजा ओम कोनो दोस पाईस काबरकी ओह एला हमर करा वापसि पठो दे हवय। देखव, एह अइसने कुछ नई करे हवय की एह मार डारे जावय। 16एकरसेति, मेंह एला पीटवाके छोड़ दूहू।”

17यहूदीमन के हर फसह के तहियार के समय म, पीलातुस ह ओमन बर एक कैदी ला छोड़य। 18पर मनखेमन एक संग चचियाके कहनि, “ओला मार डार अऊ हमर बर बरबूबा ला छोड़ दे।” 19(बरबूबा ला सहर म दंगा करे के कारन अऊ हतिया के दोस म जेल म डारे गे रहिसि।)

20पीलातुस ह यीसू ला छोड़े बर चाहत रहिसि, एकरसेति, ओह मनखेमन ला फेर समझाईस। 21पर ओमन ए कहकिं चचियावत रह्य, “एला कुरुस म चघावव। एला कुरुस म चघावव।”

22पीलातुस ह ओमन ला तीसरा बार कहसि, “काबर? ए मनखे ह का अपराध करे हवय? मेंह ओम अइसने कोनो बात नई पायेंव की ओह मार डारे जावय। एकरसेति, मेंह एला पीटवाके छोड़ दूहू।”

23पर ओमन जोर देके अऊ चचियाके मांग करनि की यीसू ला कुरुस म चघाय जावय; अऊ आखिरी म, ओमन के चचियाय के जीत होईस। 24पीलातुस ह ओमन के मांग ला मान लीस। 25ओमन जऊन मनखे ला चाहत रहनि, ओह ओला छोड़ दीस, जऊन ह दंगा अऊ हतिया के दोस म जेल म डारे गे

रहिसि, अऊ पीलातुस ह ओमन के ईछा के मुताबकि यीसू ला ओमन के हाथ म सऊंप दीस।

### यीसू ला कुरस म चघाय जाथे

(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; यूहन्ना 19:17-27)

26जब ओमन यीसू ला ले जावत रहनि, त डहार म, ओमन ला समिन नांव के एक झन मनखे मलिसि, जऊन ह कुरेन के रहइया रहिसि अऊ गांव ले सहर आवत रहिसि। ओमन ओला पकड़नि अऊ कुरस ला ओकर ऊपर लाद दीन, ताका ओह ओला उठाके यीसू के पाछू-पाछू चलय। 27मनखेमन के एक बहुत बड़े भीड़ यीसू के पाछू-पाछू चलत रहय; ओम कुछू माईलोगन घलो रहंय, जऊन मन यीसू बर रोवत अऊ बलिाफ करत रहंय। 28यीसू ह ओमन कोर्ता मुहूँ करके कहसि, “हे यरूसलेम के बेटीमन, मोर बर झन रोवव, पर अपन-आप अऊ अपन लइकामन बर रोवव। 29काबरका ओ समय ह आवत हवय, जब मनखेमन कहहीं, ‘धइन एं ओ बांझ माईलोगनमन, जऊन मन कभू लइका नई जनमाईन अऊ अपन छाती से कभू गोरस नई पीयाईन।’

30तब ओमन पहाड़मन ले कहहीं,

‘हमर ऊपर गरि जावव’, अऊ पठारमन ले कहहीं, ‘हमन ला ढांप लेवव।’

31जब मनखेमन हरहिर रूख के संग अइसने करथें, तब सूखा रूख के संग का कुछू नई करहीं?”

32ओमन दू झन अऊ मनखे ला घलो जऊन मन बदमास रहनि, यीसू के संग मार डारे बर ले गीन। 33जब ओमन ओ जगह म आईन, जऊन ला खोपड़ी कहथिं, त उहां ओमन यीसू ला अऊ ओ दू झन बदमास ला अलग-अलग कुरस ऊपर चघा दीन। एक बदमास ला यीसू के जेवनी कोर्ता अऊ दूसर ला यीसू के डेरी कोर्ता कुरस म चघाईन। 34यीसू ह कहसि, “हे ददा, ए मनखेमन ला माफ कर दे, काबरका एमन नई जानथें का एमन का करत

हवय।” अऊ ओमन लाटरी डारके यीसू के कपड़ा ला अपन म बांट लीन।

35मनखेमन उहां ठाढ़ होके ए जम्मो ला देखत रहनि, अऊ अधिकारीमन ए कहकि ओकर हंसी उड़ाईन, “एह आने मन ला बचाईस, अब अपन-आप ला बचावय, यर्दा एह परमेसर के मसीह अऊ चुने हुए जन अय त।”

36सैनिकिमन घलो आईन अऊ ओकर ठट्ठा करनि। ओमन यीसू ला ससूता अंगूर के मंद ला देके कहनि, 37“अपन-आप ला बचा, यर्दा तेंह यहूदीमन के राजा अस त।”

38यीसू के कुरस ऊपर ए लिखाय रहय: “एह यहूदीमन के राजा ए।”

39जऊन दू झन बदमास उहां कुरस म लटकाय गे रहनि, ओम ले एक झन यीसू के हंसी उड़ावत कहसि, “का तेंह मसीह नो हस? त फेर अपन-आप ला अऊ हमन ला बचा।”

40पर आने बदमास ह ओला दबकारके कहसि, “का तेंह परमेसर ले नई डरस? तेंह घलो तो ओहीच दंड भोगत हवस। 41हमन ह सही सजा पावथन, काबरका हमन जइसने काम करे हवन, वइसने सजा पावथन। पर ए मनखे ह कुछू गलती नई करे हवय।”

42तब ओह यीसू ला कहसि, “हे यीसू, जब तेंह अपन राज म आबे, त मोला सुरता करबे।”

43यीसू ह ओला कहसि, “मेंह तोला सच कहथव का आजैच तेंह मोर संग स्वर्ग-लोक म होबे।”

### यीसू के मरितू

(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; यूहन्ना 19:28-30)

44मंझन के करीब बारह बजे ले लेके तीन बजे तक जम्मो देस म अंधियार छा गीस, 45काबरका सूरज ह अंजोर दे बर बंद कर दीस। अऊ मंदिर के परदा ह चीराके दू भाग हो गीस। 46यीसू ह जोर से चचियाके कहसि, “हे ददा, तोर हाथ म मेंह अपन आतमा ला

सऊंपत हवंव।” अऊ ए कहकि ओह अपन परान ला तयाग दीस।

47जऊन कुछू होईस, ओला देखके, सेना के अधिकारी ह परमेसर के महमा करसि अऊ कहसि, “सही म, एह धरमी मनखे रहसि।” 48मनखेमन के एक भीड़ ह उहां कुरस म चघाय जाय के घटना ला देखे बर जुरे रहसि। जऊन कुछू उहां होईस, ओला जब ओ जम्मो झन देखनि, त ओमन दुःख के मारे अपन छाती पीटत घर लहुंट गीन। 49पर यीसू के जम्मो जान-पहचान के मनखे अऊ ओ माईलोगन जऊन मन गलील प्रदेस ले यीसू के पाछू-पाछू आय रहनि, ओ जम्मो झन दूरहा म ठाढ़ होके ए जम्मो बात ला देखत रहनि।

### यीसू के लास ला कबर म रखे जाये

(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; यूहन्ना 19:38-42)

50यूसुफ नांव के एक मनखे रहसि। ओह अरमतया नांव के यहूदी सहर के रहइया रहसि। ओह एक बने अऊ धरमी मनखे रहसि। 51हालाकि ओह यहूदीमन के धरम महासभा के एक सदस्य रहसि, पर ओह ओमन के फैसला अऊ काम म सहमत नई रहसि। ओह परमेसर के राज के बाट जोहत रहसि। 52अऊ ओह पीलातुस करा गीस अऊ यीसू के लास ला मांगसि। 53तब ओह यीसू के लास ला कुरस ले उतारसि अऊ ओला मलमल के कपड़ा म लपेटसि, अऊ ओला एक ठन कबर म रखसि, जऊन ह चट्टान ला काटके बनाय गे रहसि अऊ ओम कभू कोनो लास नई रखाय रहसि। 54एह बसिराम दिन बर तयारी करे के दिन रहसि, अऊ बसिराम के दिन ह सुरू होवइयाच रहसि।

55ओ माईलोगन, जऊन मन यीसू के संग गलील प्रदेस ले आय रहनि, ओमन यूसुफ के पाछू-पाछू गीन अऊ ओ कबर ला देखनि अऊ ओमन ए घलो देखनि कि यीसू के देहें ह उहां कइसने रखाय रहय। 56तब ओमन घर वापसि गीन अऊ यीसू के देहें बर मसाला के लेप अऊ खुसबूदार तेल तयार करनि। पर

ओमन कानून के मुताबकि बसिराम के दिन सुसताईन।

### यीसू के जी उठई

(मत्ती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; यूहन्ना 20:1-10)

**24** हप्ता के पहिली दिन बड़े बहिनियां, ओ माईलोगनमन जऊन मसाला के लेप तयार करे रहनि, ओला लेके यीसू के कबर करा गीन। 2ओमन पथरा ला कबर के मुंहाटी ले ढलन्गे पाईन। 3पर जब ओमन कबर के भीतर गीन, त ओमन उहां परभू यीसू के देहें ला नई पाईन। 4जब ओमन ए बात ला देखके अचम्भो करत रहनि, त अचानक दू झन बहुत चमकिला कपड़ा पहिर ओमन करा आके ठाढ़ हो गीन। 5ओमन बहुत डर्रा गीन अऊ अपन चेहरा ला तरी करके ठाढ़ हो गीन, तब ओ मनखेमन ओमन ला कहनि, “जऊन ह जीयत हवय, ओला तुमन मरे मन के बीच म काबर खोजत हवव? 6ओह इहां नई ए। ओह जी उठे हवय। सुरता करव, जब ओह तुम्हर संग गलील प्रदेस म रहसि, त तुमन ला का कहे रहसि: 7‘मनखे के बेटा ह पापी मनखेमन के हांथ म सऊपे जाही अऊ ओह कुरस म चघाय जाही, पर तीसरा दिन ओह फेर जी उठही।’ ” 8तब ओ माईलोगनमन यीसू के बात ला सुरता करनि।

9जब ओमन कबर ले वापसि आईन, त ओमन ए जम्मो बात गयारह चेला अऊ दूसर जम्मो झन ला बताईन। 10ए माईलोगनमन मरयिम मगदलीनी, योअन्ना अऊ याकूब के दाई मरयिम रहनि। एमन अऊ आने माईलोगनमन ए बात प्रेरतिमन ला बताईन। 11पर ओमन माईलोगनमन के बात ला बसिवास नई करनि काबरकि ओमन ला एह बेकार के बात लगसि। 12पर पतरस ह उठसि अऊ दऊड़त कबर म गीस। जब ओह नहिरके देखसि, त उहां सरिपि कपड़ा ह पड़े रहय। तब जऊन कुछू होय रहसि, ओकर बारे म अचम्भो करत, ओह अपन घर लहुंट गीस।

### इम्माऊस के डहार म

(मरकुस 16:12-13)

13ओहीच दिन, यीसू के चेलामन ले दू झन इम्माऊस नांव के एक गांव ला जावत रहिन, जऊन ह यरूसलेम सहर ले करीब गियारह किलोमीटर दूरहि रहिसि। 14जऊन कुछू होय रहिसि, ओकर बारे म ओ दूनों गोठियावत जावत रहिन। 15जब ओमन आपस म गोठियावत अऊ बचिार करत जावत रहिन, त यीसू ह खुदे आईस अऊ ओमन के संग हो लीस; 16पर ओमन ओला चनिहे नई सकनि।

17यीसू ह ओमन ले पुछसि, “तुमन रेंगत-रेंगत काकर बारे म गोठियावत हवय?”

उदास होके ओमन ठाढ़े रह गीन। 18ओम ले एक झन के नांव क्लियुपास रहिसि, ओह कहसि, “का तेंह यरूसलेम म रहइया एके झन मनखे अस, जऊन ह नई जानस का ए दिनमन म यरूसलेम म का होय हवय?”

19यीसू ह पुछसि, “का होय हवय?”

ओमन यीसू ला कहनि, “नासरत के यीसू के बारे म। ओह एक अगमजानी रहिसि अऊ ओकर बात अऊ काममन परमेसर अऊ जम्मो मनखेमन के नजर म बहुत सामरथी रहनि। 20मुखिया पुरोहित अऊ हमर अधिकारीमन मरितू दंड बर यीसू ला सऊंप दीन, अऊ ओमन ओला कुरस म चघा दीन। 21पर हमन ला आसा रहिसि का एह ओहीच ए, जऊन ह इसरायली मनखेमन ला बचाही। ए जम्मो के अलावा एक बात अऊ ए का ए बात ला होवय आज तीसरा दिन ए। 22हमर संग के कुछू माईलोगनमन हमन ला अचम्भो म डार दे हवय। ओमन आज बड़े बहिनियां कबर म गे रहिन। 23पर ओमन ला उहां यीसू के देहें ह नई मलिसि। ओमन आके हमन ला बताईन का ओमन ला स्वरगदूतमन दरसन देके कहनि का यीसू ह जी उठे हवय। 24तब हमर कुछू संगवारीमन कबर म गीन अऊ जइसने माईलोगनमन कहे रहनि, वइसनेच पाईन; पर ओमन यीसू ला उहां नई देखनि।”

25यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन बहुत मुख मनखे अव। अगमजानीमन जऊन बात

कहे हवय, ओ जम्मो ला बसिवास करे म तुमन बहुत मंदमर्ती अव। 26का एह जरूरी नई रहिसि का मसीह ह ए जम्मो दुःख भोगय अऊ तब परमेसर ओकर बहुत महिमा करय।” 27मूसा अऊ जम्मो अगमजानीमन के किताबमन ले सुरू करके परमेसर के जम्मो बचन म ओकर खुद के बारे म का कहे गे हवय—यीसू ह ओ जम्मो बात ओमन ला समझाईस।

28जब ओमन ओ गांव म हबरनि, जहिं ओमन ला जाना रहिसि, त यीसू ह अइसने देखाईस, जइसने ओला अऊ आधू जाना हवय। 29पर ओमन ओकर ले बहुत बनिती करके कहनि, “हमर संग रूक जा, काबरका दिन ह बहुत ढर गे हवय, अऊ सांझ होवइया हे।” एकरसेत यीसू ह ओमन के संग रूके बर भीतर गीस।

30जब यीसू ह ओमन के संग खाय बर बईठसि, त ओह रोटी लीस अऊ परमेसर ला धनबाद दीस; अऊ रोटी ला टोरके ओमन ला देय लगसि। 31तब ओमन के आंखीमन खुल गीन अऊ ओमन यीसू ला चनि डारनि; पर ओह ओमन के नजर ले गायब हो गीस। 32ओमन एक-दूसर ला कहनि, “का हमर मन म एक किसिम के उत्साह नई होवत रहिसि, जब ओह डहार म हमर ले गोठियावत रहिसि अऊ हमन ला परमेसर के बचन समझावत रहिसि?”

33ओमन उठनि अऊ तुरते यरूसलेम वापसि चल दीन। उहां ओमन गियारह चेला अऊ आने मन ला एके ठऊर म पाईन, 34अऊ ओमन ए कहत रहनि, “एह सच ए! परभू ह जी उठे हवय अऊ ओह समीन ला देखि हवय।” 35तब ओ दूनों झन बताईन का डहार म का होईस, अऊ ओमन कइसने यीसू ला चनिहनि, जब ओह रोटी टोरत रहिसि।

### यीसू ह चेलामन ला दरसन देथे

(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; यूहन्ना

20:19-23; प्रेरितमन के काम 1:6-8)

36जब ओमन एकर बारे म गोठियावत रहनि, त यीसू ह खुद ओमन के बीच आके

ठाढ़ हो गीस अऊ ओमन ला कहसि, “तुमन ला सांता मलिय।”

37ओमन घबरा गीन अऊ डर गीन। ओमन समझनि की ओमन कोनो भूत ला देखत हवय। 38यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन काबर घबरावत हव, अऊ तुम्हर मन म काबर संसो होवत हवय? 39मोर हांथ अऊ गोड़ मन ला देखव। इहां मेंह खुदे ठाढ़े हवंव। मोला छुके देखव। भूत के हाड़ा अऊ मांस नई होवय, जइसने की तुमन देखत हव, मोर हवय।”

40एकहकि, यीसू ह ओमन ला अपन हांथ अऊ गोड़ मन ला देखाईस। 41अऊ जब आनंद अऊ अचम्भो के मारे ओमन अभी घलो बसिवास नई करत रहिनि, त यीसू ह ओमन ले पुछसि, “का तुम्हर करा इहां कुछ खाय बर हवय?” 42ओमन ओला आगी म भूने मछरी के एक टुकड़ा दीन। 43यीसू ह ओला लीस अऊ ओमन के आघू म खाईस।

44तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “जब मेंह तुम्हर संग रहत रहेंव, त मेंह तुमन ला ए बातमन ला कहे रहेंव। मोर बारे म जऊन बातमन मूसा के कानून, अगमजानीमन के किताब अऊ भजन संहिता म लिखे हवय, ए जरूरी अय की ओ जम्मो बात पूरा होवय।”

45तब यीसू ह ओमन के दमिग ला खोल दीस ताकी ओमन परमेसर के बचन ला समझ सकय। 46ओह ओमन ला कहसि, “परमेसर के बचन म ए लिखे हवय: ‘मसीह ह दुःख भोगही अऊ तीसरा दिन मरे म ले जी उठही, 47अऊ ओकर नांव म पछताप अऊ पाप छेमा के परचार जम्मो देस म करे जाही अऊ ए काम यरूसलेम ले सुरू होही।’ 48तुमन ए जम्मो बात के गवाह अव। 49मेंह तुम्हर करा ओला (पबतिर आतमा) पठोहूँ, जेकर वायदा मोर ददा ह करे हवय। पर तुमन ए सहर म ठहरे रहव, जब तक की तुमन ला स्वरग ले सामरथ नई मलि जावय।”

## यीसू के स्वरग जवई

(मरकुस 16:19-20; परेरतिमन के काम 1:9-

11)

50तब यीसू ह ओमन ला सहर ले बाहरि बैतनयाह गांव के लकठा म ले गीस अऊ उहां ओह अपन हांथ उठाके ओमन ला आससि दीस। 51यीसू ह आससि देवत ओमन ले अलग हो गीस अऊ स्वरग म उठा लेय गीस। 52तब ओमन ओकर अराधना करनि अऊ बहुंत आनंद के संग यरूसलेम लहुंट गीन। 53अऊ परमेसर के इस्तुर्ता करत, ओमन अपन पूरा समय मंदिर म बतिय करत रहिनि।

a 18 यसायाह ह मसीह के बारे म लिखत हवय। b 26 बधिवा ह एक आनजात माईलोगन रहिसि। c 27 सीरिया के नामान ह एक आनजात मनखे रहिसि। d 24 यीसू ह अपन बर “मनखे के बेटा” नांव के उपयोग करथे अऊ एहीच नांव के उपयोग दानिएल अगमजानी घलो मसीह बर करे हवय (दानिएल 7:13)। e 41 एक दीनार ह एक चांदी के सक्का रहय अऊ एकर कीमत एक दिन के बनी के बरोबर होवय। f 31 अथाह कुन्ड ओ जगह अय, जहां परेत आतमामन ला सजा दयि जाही। g 52 सामरीमन सुध रूप म यहूदी नई रहिनि। कुछ यहूदीमन आनजातमन ले बहिाव कर ले रहिनि। ए सामरीमन ओमन के संतान रहिनि। एकरसेर्ता यहूदीमन एमन ला असुध समझय अऊ एमन ला यरूसलेम के मंदिर म अराधना करे बर नई देवय। h 12 सदोम सहर बर मत्ती 10:15 ला देखव। i 20 स्वरग म परमेसर ह अपन किताब म ओमन के नांव लिखे हवय, जऊन मन ओकर संग सदाकाल बर रहिहीं। j 29 योना ला एक बड़े मछरी ह लील ले रहिसि अऊ ओह तीन दिन अऊ तीन रात मछरी के पेट म रहिसि। परमेसर ह एक चमतकार के दुवारा ओला बचाईस अऊ ए बात ह साबति करथे की ओकर संदेस ह परमेसर

करा ले रहिसि। k 30 देखव—मत्ती 12:40 1 44 यहूदी कानून के मुताबकि कहूं कोनो कबर ला छू लेथे त ओह असुध हो जाथे, एकरसेतकिबर ला सफेद चूना ले पोते जावय, ताकि एह साफ-साफ दखिय। देखव—मत्ती 23:27 m 32 जब परमेसर ह सदोम अऊ गमोरा सहर ला नास करसि, त लूत अऊ ओकर घरवाली उहां ले भागत रहिनि; तब लूत के घरवाली

ह परमेसर के हुकूम ला धयान नई दीस अऊ लहुंटके देखसि अऊ ओह नून के खम्भा बन गीस। n 36 कुछ पुराना हस्त-लिपी म ए पद नई मिलिय। ñ 37 बहुत पहिली परमेसर ह मूसा ले बरत झाड़ी म ले गोठियाईस, पर ओ झाड़ी ह नास नई होईस।